हरियाणा विधानसभा

की

कार्यवाही

18 मार्च 2002

खंड 1 अंक 9

अधिकृत विभाग

विशय सूची

सोमवार 18 मार्च 2002

पृश्ठ संख्या

तारंकित प्र न एवं उत्तर	(9)
नियम 45 (1) के अधीन सदन ी मेज पर रखे गए तारंकित प्र नों के लिखित उत्तर	(9)24
आतंरिक प्र न एवं उत्तर	(9)28

भाोक प्रस्ताव	(9)29
नियम 64 के अधीन वक्तव्य	(9)30
राज्यपाल से संदे ा	(9)31
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(9)32
अति वि ाि श्ट व्यक्तियों का स्वागत	(9)36
समितियों की रिपोर्टस प्रस्तत करना	
(i) लोक लेखा समिति की 52वीं रिपोर्ट	(9)37
(ii) लोक उपकमों संबंधी समिति की 49 वीं रिपोर्ट	(9)38
(iii) अनुसूचित जातियों, जन जातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण की समिति की 26वीं रिपोर्ट	(9)39
सरकारी आ वासनों समिति की 32वीं रिपोर्ट	(9)39
चाक आउटस	(9)39
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)42
वैयक्ति के स्पश्टीकरण	
कैप्टन अजय सिंह यादव एम.एल.ए. द्वारा	(9)49

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारंभ)	(9)50
बैठक का समय बढ़ाना	(9)75
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारंभ)	(9)75
बैठक का समय बढ़ाना	(9)77
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामानय चर्चा	(9)77
बैठक का समय बढ़ाना	(9)78
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामानय चर्चा	(9)78
बैठक का समय बढ़ाना	(9)79
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामानय चर्चा	(9)79

हरियाण विधानसभा

सोमवार 18 मार्च 2002

विधानसभा की बैठक, विधानसभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चंडीगढ़ में दोपहर 2 बजे हुई। अध्यक्ष, (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारंकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे

Setting up of Rice Mills in the State

***965 Shri Ramesh Rana:** Will the minister for Cooperation be pleased to state whether any Rice Mill been set up by HAFED in the State during the last year; if so, the name of the place where these were set up?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह भड़ाना): हां, श्रीमान जी। गत वर्श के दौरान हैफेड ने सिरसा जिले में दो चावल मिलें, एक डींग व दूसरी कालांवाली में स्थापित की हैं।

श्री रमे ा राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महादेय को एक सुझाव देना चाहूंगा तथा इसके साथ ही एक निवेदन भी करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, घरौंडा की मंडी वि व स्तर की मंडी है उसके भाव "Zee T.V" से टैलीकास्ट होते हैं और बड़े–बड़े अखबारों में भी प्रकाि ात होते

हैं; वहां पर हैफेड की एक चावल मिल लगी हुई है। इस मिल की म ाीनरी बहुत पुरानी हो चुकी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस मिल की कैपेसिटी बढ़ाने का सरकार का कोई विचार है, यदि नहीं तो मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि इस मिल का आधुनिकरण किया जाए और इसकी कैपेसिटी बढ़ाई जाए।

श्री करतार सिंह भड़ानाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय को यह बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के में मतलौडा में हैफेड की एक राईस मिल है जो बंद कर दी गई थी। क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार इस मिल को दोबारा चलाने के लिए विचार कर रही है् यदि हां तो इसको कब तक चालू कर दिया जाएगा।

श्री करतार सिंह भड़ानाः अध्यक्ष महोदय, इसको एग्जामिन करवा लेंगे और यदि इसको चाल कर सकते हैं तो उसको चालू करेंगे।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि होडल तथा पलवल का एरिया दक्षिणी हरियाणा में धान का सबसे बड़ा उत्पादन केंद्र है और वहां पर भारी मात्रा में धान पैदा होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि किसानों

की मांग को देखते हुए क्या होडल या पलवल के क्षेत्र में कोई हैफेड की धान की मिल लगाने की कृपा करेंगे।

तारांकित प्र न संख्याः 931

(यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री नफे सिंह रठी सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Land Scandal of Ambala Cent

***1059. Sh. Anil Vij:** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state:-

(a) Wheter enquiry in regard to the land sandel of Ambala Cantt. has been conducted by the Urban Development Department recently. if so details there of; and

(b) Whether it is a fact that the Government land held on lease/ old grant has been sold y some influertial persons recently; is so the details therrof?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल):–

(क) हां, श्रीमान जी। अंबाला सदर के ओल्ड ग्रांट बंगलों व ओल्उ ग्रांट लीज तथा लीज प्रोपर्टीज के बारे में नगर विकास विभाग, हरियाणा द्वारा जांच की गई। इस संबंध में विवरण अनुबंध क के सदन के पलट पर रखा जाता है।

(ख) हां, श्रीमान जी। विवरण अनुबंध ख में सदन पटल पर रखा जाता है।

अनुबंध ख

अंबाला सदर एक्साइज ऐरिया में चार प्रकार की संपत्तियां है, जिसके अधिकार एक्सीजन एग्रीमैंट 1977 के अनुसार हरियाणा सरकार में निहित है। भारत सरकार के पत्र दिनांक 5–2–1977 के अनुसार, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की संपत्ति का अधिकार, एक्साइड ऐरिया में हरियाणा सरकार को निः ुल्क स्थानातंरित है और एक्साइड ऐरिया के संबंध में कैन्टोनमैंट बोर्ड की संपत्ति के अधिकार निः ुल्क अधिसूचित क्षेत्र समिति को स्थानारंति हुए। इस प्रकार राज्य सरकार अंबाला सदर नगर परिशद क्षेत्र में स्थित ओल्ड ग्रांट स्थलों की मालिक बन जाती है। संपत्ति के चार प्रकार ओल्ड ग्रांट बंगले, ओल्ड ग्रांट होल्डिंग, ली होल्ड प्रोपर्टीज व कृशि संबंधी प्लाट हैं।

नगर परिशद व सरकार के विभिन्न अधिकारियों/कर्मचारियों से मिलीभगत करके व झूठी व जाली दस्तावेज के माध्यम से संपत्तियों के अवैध हस्तांतरण द्वारा ग्रांट/लीज की भार्तों की गंभीर उल्लंघना के बारे में सरकार को सूचना मिलने पर दिनांक 4–7–2001 को उपायुक्त अंबाला को निम्न प्रकार से कार्रवाई करने के लि कहा गया

1. ऐसी भूमि मानचित्रों के अनुमोदित भवन मानचित्र निलंबित करना जोकी resumption की प्रकिया में है।

2. प्लाटों के बैनामों (Sale deeds) के पंजीकरण जो तीसरे पक्ष (third party) के अधिकार जताते हैं और जो resumption की प्रकिया मं हों, को रदद करना।

3. दिनांक 31–1–95 की बैठक के उपरांत एवं 11–3–98 को उपायुक्त अंबाला व कार्यकारी अधिकारी, नगर परिशद, अंबाला, सदर की उपस्थिति में तत्कालीन एवं सचिव, सचिव, स्थानीय ाासन के दोहराने के बावजूद सरकारी हिदायतों की अवलेहना के लिए संबंधित राजस्व व परिशद अमला की जिम्मेदारी निर्धारित करना।

4. आगामी किसी भी निर्माण व तबदीली को रोकने हेतू तत्कालीन कार्रवाई करना।

5. यह देखना कि यथास्थिति के आदे ाों की पटेदारों द्वारा कोई उल्लंघना तो नहीं की गई है।

6. रिजम्पशन के मामलों का उद्यमता से अनुसरण करना।

नगर विकास विभाग के अधिकारियों की एक समिति को मामले में जांच करने को कहा गया, जिन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की। संक्षेप में, रिपोर्ट में निम्नलिखित गंभीर अनियमितताएं सामने आई।

1. नगर परिशद अंबाला सदर द्वारा Excised area में बिना सरकार की पूर्व अनुमति के भवन मानचित्रों को अवैध रूप से पास करना।

2. Excised area अंबाला सदर ने नौ बंगलों के बारे में सरकार के निर्दे ाों के बावजूद भी अनिधिकृत निर्माण/ भूमि का उदे य परिवर्तित करना व निर्मित क्षेत्र में बढ़ौतरी आदि करके ओल्ड ग्रांट बंगलों की ओल्ड ग्रांट नीति की अवहेलना करना।

3. हरियाणा सरकार का अनुमोदन न प्राप्त करके Excised area अंबाला सदर में ओल्ड ग्रांट व ली जायदाद का अवैध हंस्तातरण करना।

4. नगर परिशद अंबाला सदर एवं संपदा Excised area अंबाला सदर द्वारा वैध रूप से अनापत्त प्रमाण पत्र जारी करना।

5. नगर परिशद सदर द्वारा अतिक्रमण/ अनाधिकृत निर्माण को रोकने में असफल रहना व इसके अतिरिक्त नगर परिशद अंबाला सदर द्वारा प्रस्ताव परित करके दुकानों के सामने लगे ाटरों को नियमित करने की सिफारि ा करना।

6. बिना सरकार की अनुमति के लकड़ी के अस्थाई खोलों को पक्का निर्माण में बदलना।

जांच रिपोर्ट में संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने की सिफारि ा के साथ कैन्टोनमैंट कानून

की पालना करना और विशे ा कानूनी एवं एनफोर्समैंट प्रकोश्ठ के गठन का सुझाव दिया।

सरकार ने जांच अधिकारी की सिफारि ाों का अनुमोदन प्रदान कर दिया है और मामले में और छानबीन व निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की आपराधिक जिम्मेदारी आदि निर्धारित करने हेतू, रिपोर्ट राज्य चौकसी ब्यूरो को भेजने के आदे ा पारित किए गए गए।

सरकार के निर्माण अनुसार जांच रिपोर्ट राज्य चौकसी ब्यूरो को और छानबीन हेतू भेज दी गई है।

अनुबंध 'ख'

बंगला नंबर 123 (2.53 एकड़)

यह बंगला महाराजा पटियाला के नाम पर था परंतू गृह कर निर्धारण रजिस्टर में मूल्य ग्रांट होल्डर के स्थान पर यह श्रीमति सरन कौर विधव कर्नल सुजान सिंह, महारानी मोहिंद्रा कौर इत्यादि के नाम दर्ज हो गया जिसके लिए न तो कोई सबूत है और न ही सरकार से अनुमोदन प्राप्त किया गया। यह पाया गया है कि श्रीमति सरन कौर विधवा श्री सूजान सिंह का नाम बिना सरकार के पूव्र अनुमोदन व उत्तराधिकार नामा प्राप्त किए बिना ही भापथ पत्र के आधार पर दिनांक 10–6–1996 को दर्ज किया गया है। महारानी मोहिंद्र कौर इत्यादि के नाम भी गृह कर रिकार्ड में Collusive decree के आधार पर दिनांक 27–8–1996 को दर्ज

किए गए थे। Collusive decree में न तो परिशद और न ही सरकार पार्टी थी और यह स्थानांतरण सरार के अनुमोदन के बिना ही अवैध रूप से किया गया था, जबकि यह एक सर्वविदित सत्य है कि हरियाणा नगर पालिका अधिनियम 1973 की धारा 87 के अंतर्गत गृह कर रजिस्टर में कोई भी नामांतरा उचित प्रकिया अपनाने उपरांत विधि सम्मत जैसा दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाता है।

बंगला नंबर 125 बी (0.28एकड़)

मैसर्ज हरनाम दास एंड संज इस बंगला का मूल ग्रांट होल्डर था। परंतु नगर परिशद के 1980–83 के गृह कर रिकार्ड में श्री ओमप्रकाश और श्री अ ाोक जैन के नाम दर्ज किए गए हैं यह पाया गया कि यह संपत्ति बनावटी सेल डीड के आधार पर पहले श्री वी.के. जैसवाल के नाम स्थानांतरित की गई थी जिसे नगर परिशद अधिकारियों द्वारा बिना सरकार के अनुमोदन के स्वीकार कर लिया गया। परिशद प्राधिकारियों ने इस झूइे डीड को कभी ीाी सरकार के ध्यान में नहीं लाया। श्री वी.के. जैसवाल ने इस सपंत्ति को अवैध रूप से आगे श्री अ ाोक जैन को बेच दिया।

बंगला नंबर 125 (सैवोय होटल) (2.98 एकड़)

श्रीमति माया देवी कोछर इस बंगला की मोल ओल्ड ग्रांट होल्डर थी। वर्तमान रजिस्टर में श्रीमति निर्मला रानी और श्री

जसबीर सिंह के नाम दर्ज किए गए हैं ऐसा कोई दस्तावेज जिसके आधार पर स्वामित्व को बदला गया है नगर परिशद के रिकार्ड में उपलब्ध नहीं है।

बंगला नंबर 126 (पैरी होटल) (3.75 एकड़)

कंवर अमृत लाल इस बंगला का मूल ओल्ड ग्रांट होल्डर था। इसे अंबाला में दिनांक 13–7–88 को पंजीकृत हुए सेल डील के माध्यम से अवे ा प्रोपर्टी डीलर को स्थानातंरित किया गया। नगर परिशद द्वारा कोई अनापत्ति प्रमण पत्रजारी नहीं किया गया। पंरतु नगर परिशद द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी के आदेश दिनांक 13–7–88 के द्वारा इसका नामांतरण असैसमैंट रजिस्टर में दर्ज कर दिया गया। अवेश प्रोपर्टी डीलर ने इसका कुछ भाव आगे श्रीमति रजनी धमीजा पत्नी श्री गुल ान धमीजा को अंबाला में दिनांक 25–2–92 को पंजीकृत हुई सेल डील के माध्यम से स्थानांरित कर दिया; कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया लेकिन फिर भी नगर परिशद ने इस संपत्ति को रजनी धमीजा व गुल ान धमीजा के नाम नामातंरित कर दिया। इस प्रकार निर्धारित प्रकिया नहीं अपनाई गई।

बंगला नंबर 125 ए (मैट्रो पोल) (4.089 एकड़)

श्रीमति दुर्गा देवी पत्नी श्री जानकी दास और श्री मनमोहन सिंह इस प्रोपर्टी के वास्तवित ओल्ड ग्रांट होल्डर थे। वर्तमान में यह संपत्ति गंगा राम एंड संज के नाम पर दर्ज है। यह

नामांतरण नगर परिशद द्वारा वर्श 1980 में किया गया था। जिन दस्तावेजों के आधार पर यह किया गया वह नगर परिशद के रिकार्ड में उपलब्ध नहीं थे।

बंगला नंबर 126 ए (एम्पलायमैंट एक्सचेंज बिल्डिंग) (4.09 एकड़)

मैसर्ज ए.पी. मिशनरी इस बंगले का वास्तविक ओल्ड ग्रांट होल्डर था। यह संपत्ति वास्तविक ग्रांट द्वारा दिनांक 3–4–1986 को संपादित हुए सेल डील के माध्यम से स्थानांतरित की गई थी। परंतु इस नाम पर नामांतरण का कोई रिकार्ड नगर परिशद में उपलब्ध नहीं है। मैसर्ज जैन ब्रदर्ज ने वर्श 1987 में सेल डील के माध्यम से आगे इस संपत्ति को मैसर्ज रामा बिल्डर्ज को स्थानांतरित कर दिया गया और गृह कर रिकार्ड में इस का नामांतरण कार्यकारी अधिकारी के आदेश दिनांक 6–12–88 के द्वारा किया गया। परंतु संबंधित रिकार्ड उपलब्ध नहीं है। वर्तमान में असैसमैंट रजिस्टर में श्री सुरजीत सिंह गुलाटी का नाम दर्ज है।

बंगला नंबर 127 ए (ओल्ड आइस फैक्ट्री) (2.44)

इस बंगला के वास्तविक ओल्ड ग्रांट होल्डर श्री कुलभूशण और कुलदीप प्रका ा इत्यादि थे। वर्तमान में संपत्ति श्री मनमोहन सिंह लिब्रहन के नाम पर हैं श्री मनमोहन सिंह लिब्रहान इतयादि के नाम पर संपत्ति collusive decree के आधार पर स्थानांतरित कर दिया गया। परिशद रिकार्ड में संपत्ति के

नामांतरण से पूर्व माननीय न्यायालय के आदेशों को न तो चुनौती दी गई और न ही सरकार के ध्यान में लाया गया।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने बड़े विस्तार से इस प्र न का उत्तर दिया है। अंबाला छावनी में प्रभाव ाली लोगों द्वारा सरकारी जमीन बेची गई है। आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि यह प्रभावशाली व्यक्ति कौन–कौन हैं और इनके द्वारा क्या–क्या इर रैगुलेरिटीज की गई है और कितनी प्रोपर्टी बेची गई है और कितने रूपए में बेची गई है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्षः दलाल साहब आप बैठें (विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न)

श्री सुभाश गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके से सम्मानित सदन की बताना चाहूंगा कि ओल्ड ग्रांट बंगलों में 17 प्रापर्टीज की पहचान की गई है। जिसमें वि ोश रूप से बिहारी लाल ट्रस्ट सर्वे नंबर 188, अवहेलना के कारण लीज संपत्ति का नोटिस जारी किया गया है। एक बंगला नंबर 127 बी इससे यथा स्थिति बनाई रखी जाए। इनकी तारीख कोर्ट में 6–5–2002 लगी हुई है। चौथ लाल दास, गार्डन सर्वे नंबर 207/4695 लीज हेतू समाप्ति काा बताओ नोटिस दिया गया है। इसी प्रकार ओल्ड ग्रांट लीज होल्डर जायदाद के बारे में वर्तमान स्थिति इस प्रकार है

कर्नल सी.पी. सिंह बंगला नंबर 123 बनाम संपद संपदा अधिकारी इसमें निर्णय सुरक्षित रखा गया है इसमें अगली तिथि 15–4–2002 की लगी है। एस.बी.एस. इंद्र सिंह बंगला नंबर 124 बनाम हरियाणा राज्य, संपदा अधिकारी, इसमें बहस के लिए 15–3–2002 की तारीख निि चत थी। बंगला नंबर 127 ए, बनाम हरियाणा राज्य, यथास्थिति की पुश्टि, इसमें अगली तारीख 6–5–2002 की लगी हुई है। भोश बंगला होल्डर्ज ने कारण बताओ नोटिस पर निचली अदालतों के निर्णय के विरूद्ध अपनी याचिका दायर की हुई है इसमें अगली तारीख 18–3–2002, 21–3–2002 और 18–4–2002 है श्रीमान जी।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने एक बहुत ही हिम्मत वाला काम किया है जहां सरकार ने यह कह रखा है कि अगर कहीं पर भी सरकारी भूमि की खुर्द–बुर्द किया जाएगा तो इसमें कार्रवाई की जागी ओर इसमें सरकार ने जांच भी की है। जैस कि इस रपोर्ट में दिया गया है यह जो अनियमितताएं हैं, इनमें राज्य चौकसी बयूरो को छानबीन के लिए भी केस भेज दिया गया है। मेरी ांका यह है कि इसमें करोड़ों रूपए की भूमि को बेचने का मामला भाामिल है। जिन्होंने यह जमीन बेची है यह कोई छोटे–मोटे आदमियों का काम नहीं हो सकता है। यह तो बड़े–बड़े व्यक्तियों का और बड़े–बड़े अधिकारियों की मिली भगत की संपत्ति को चूना लगाया गया है। इसमें (ाोर एवं व्यावधान)

श्री अध्यक्षः अनिल विजय जी आप नाम लें आप स्पलीमैंटरी पूछें। यह जो जस्टिस का नाम लिया गया है वह रिकार्ड नहीं किया जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः (शोर एवं व्यावधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। ये जो भी बोल रहे हैं, वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। (ाोर एवं व्यावधान)

श्री अनिल विजः इसमामले की जांच हो रह है इसमें आपको दिक्कत क्या है, आपको क्या कश्ट हो रहा है। यह करोड़ों का मामला है, सरकारी संपत्ति का मामला है। (ाोर एवं व्यावधान) इस बारे में हरियाणा की जनता को जानने का हक है। (ाोर एवं व्यावधान) यह हरियाण की जनता का अधिकार है ओर जवाब में कैटेगरीकल नाम आए हैं। (ाोर एवं व्यावधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल जो भी बोल रहे हैं, वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। कर्ण सिंह जी आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

मुख्य मत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, सदन के सदस्यों ने इस बात पर आपत्ति की है कि जो मामला अदाल में विचाराधीन हो उस पर यहां पर चर्चा नहीं की जानी चाहएं। इस सदन के सदस्यों की इस बात से सहमत हैं लेकिन इसमें अंबाला कैंट का जो मामला है, वह किसी एक पर्टिकुलर कोठी का मामला है जोकि कोर्ट के विचराधीन है उसमें सरकार की सैंकड़ों एकड़ भूमि ऐसी है, जो बहुत कीमती है ओर वहां पर नाजायज तरीके से लोगों ने कब्जा किया हुआ है। उसमें सरकार का सैंकड़ों करोड़ रूपयों का नुक्सान है। अध्यक्ष महोदय मेरा आपसे अनुरोध है कि रिटायर्ड चीफ जस्टिस का जो जिक्र किा गया है वह कार्रवाई से निकाल दिया जाए क्योंकि वे यहां पर अपनी स्थिति स्पश्ट नहीं कर सकते हैं। मैं आपके माध्यम से यह भी बताना चाहूंगा कि यह एक अहम मुददा है। अगर कोइ स्टेज का नुक्सान करे या स्टेट की भूमि पर कब्जा करे और उस पर कार्रवाई हो तो आप सब उस पर तो कम से कम आपत्ति न किया करें। स्टेट के हितों को ध्यान में रखा करो (ाोर एवं व्यावधान)

श्री अध्यक्ष: ठीक है चीफ जस्टिस का नाम कार्रवाई से निकाल दिया जाए।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, ये जो प्रभाव ााली लोग हैं चाहे वे जा भी है जो भी उनके नाम हैं, जिन्होंने की है, अगर चौकसी ब्यूरो की जांच मं वे दोशी पाए जाएंगे, तो क्या

उनको गिरफ्तार किया जाएगा। क्या उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी इस बारे में मंत्री जी बताएं।

श्री सुभाश गोयलः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सम्मानित सदस्य को बतलाना चाहूंगा कि जैसा अभी हमारे लीडर आफ दी हाउस मुख्यमंत्री ने भी बतलाया कि इसमें तकरीबन 110 करोड़ रूपए का आंकलन किया है, 9 बंगला जमीन का, जो साढ़े 26 एकड़ के करीब है। ओल्ड ग्रांट होल्डिंग की 238.50 एकड़ जमीन है जिसका 950 करोड़ रूपए के करीब का आंकलन किया है और 212एकड़ जमीन लीज होल्ड प्रोपर्टीज के तहत है। कृशि की 131 एकड़ जमीन है और जो 45 प्लाटस है, जिनकी अवधि 1983 में समाप्त हो गई थी यह सब तकरीबन–तकरीबन 1300 करोड़ रूपए का मामला बनता है। अध्यक्ष महोदय जैसा कि अभी मुख्यमंत्री महोदय ने बताया कि यह हजारों करोड़ रूपए का मामल बनता है इसलिए सरकार नइस बारे में बड़ी चिंतित है। इस बारे में हुई लेवल मीटिंग करके इसकी स्कीनिंग चल रही है। जैस अभी सम्मानित सदस्य ने कहा कि इस बारे में विजीलैंस डिपार्टमैंट इंक्वायरी कर रहा है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि इस विजीलैंस इंक्वायरी में जो भी भाख्सियत दोशी पायी जाएगी, चाहे वह बड़ी हो या छोटी हो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय जैसा आप मंत्री महोदय ने बताया कि लगभग 1300 करोड़ रूपए की भूमि में सरकारी

कर्मचारियों की मिलभगत से प्रभाव ाली लोगां ने काफी बड़े हिस्से के नाजायज तरीके से प्लाटस काटकर बेच दिए हैं और चौकसी ब्यूरो इसकी जांच भी कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि चौकसी ब्यूरो की रिपोर्ट इस बारे में कब तक आ जाएगी? पहले यह कहा गया था कि चौकसी ब्यूरो की यह रिपोर्ट अगस्त तक जारी कर दी जाएगी लेकिन अब माच्र का महीना जा रहा है अब तक यह रिपोर्ट जारी नहीं की गई। मैं जानना चाहूंगा कि कब तक यह जांच पूरी कर ली जाएगी और कब तक इसमें जो दोशी लोग हैं, वे सजा पा सकेंगे?

श्री सुभाश गोयलः सम्मानित अध्यक्ष महोदय, चौकसी ब्यूरो ने तकरीबन पचार अधिकारियों की इंक्वायरी की है तथा सात अधिकारियों की इंक्वायरी अभी करना बाकी है। उम्मीद है कि भाायल अप्रैल के महीने या मई महीने में यह जांच की रिपोर्ट आ सकने की संभावना है। अध्यक्ष महोदय लीगल कारणों से इसमें कुछ देरी भी हो सकती है। हम इस बारे में पूर्णतः जागरूक हैं। मैं आपके माध्यम से इस बारे में थोड़ी सी विस्तृत जानकारी सदन को देना चाहूंगा कि हमें इस बारे में मीटिंग करके माननीय मुख्यमंत्री महोदय के निर्देश में एक लैंड पोलिसी बनाने जा रहे हैं।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी और दलाल साहब आप यहां पर बैठकर बातचीत न करें। अगर आपको बातचीत करनी है तो लौबी में जाकर बातचीत करें।

श्री सुभाश गोयलः अगर इस बारे में हरियाणा में कहीं भी किसी प्रकार की अनियमितता हो रही होगी, उसको कैसे रोका जा सकेगा। यह दस पोलिसी में क्लीयर होगा। अध्यक्ष महोदय, हमने डी.सी. अंबाला और लीगल एडवाइजर मि भटनागर की इस बारे में राय मांगी है उनकी राय आने के प चात वह मंत्रिमंडल के रूबरू आएगी। इसके बाद ही हम लैंड पोलिसी बनाएंगे ताकि आगे से कोई भी किसी प्रकार की हरियाणा में जमीन पर नाजायज कब्जा न कर सके। अध्यक्ष महोदय हम इस बारे में एक पोलिसी बनाने जा रहे हैं।

Augmentation of Drinking water Supply

***927 Shri Lila Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state whether any Augmentation of Drinking Water Supply Scheme has been Sanctioned for Kaithal. Bhiwani, Ambala Sadar, Ambala City etc. if so the details therrof?

मुख्य संसदीय सचिव (री राम पाल माजरा): श्रीमान जी हां। कैथल, भिवानी, अंबाला सदर और अंबाला भाहर में पेयजल बढ़ौतरी की योजनाएं पहले से कार्यरत हैं। भूमिगत जल की गुणवत्ता खराब होने के मदेनजर कैथल भाहर में 14.85 करोड़ रूपए के अनुमान की पेयजल योजना पर कार्य चल रहा हैं टयूबवैलों से अपर्याप्त पानी की उपलब्धता के कारण अंबाला सदर और अंबाला भाहर में कम ाः 15.03 करोड़ रूपए और 7.75 करोड़ रूपए की अनुमानित राशि के तहत नहरी पानी पर ाधारित पेयजल योजनाओं का कार्य चल रहा है। भिवानी में नहर पर आधारित

पेयजल योजना की खमता की बढ़ौतरी कार्य 19.85 करोड़ रूपए के अनुमान के तहत कार्य चल रहा है।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सर्व प्रथम सी.पी.एस. महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा। कैथल के एरिया में नीचे का पानी बहुत खराब होने की वजह से यह पानी स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। कैथल की जनता की यह 25–30 साल पुरानी मांग थी। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने इसके लिए एक बार में 15 करोड़ रूपए का प्रोजैक्ट देकर कैथल ाहर के लोगों के लिए जिस प्रकार पानी की व्यवस्था की है, में उसके लिए हरियाणा सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय कैथल और उसके आसपास का जितना भी एरिया है वहां पर नीचे का पानी खराब है इसलिए कैथल की जनता ने अनेक बार मांग रखी थी परंतु इस सरकार से पूर्व पिछली जो भी सरकारें आई उन में किसी ने भी इस समस्या की तरपफ ध्यान नहीं दिया। जब कैथल के लोगों ने आदरणीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष यह मांग रखी तो उन्होंने उसी समय 4 करोड़ रूपए की रा ि ा रीलिज कर इस काम की स्पीड को बढ़ाने का काम किया । अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से एक–दो मांगें और रखना चाहूंगा। हमारे दो–तीन गांव हैं, उनमें अब भी नीचे का पानी खराब है जैसे डोढ़ा खेड़ी, पटी अफगान, दिल्लोंवाली, जगदी ापुरा व बड़ा गांव है हमारी मांग है कि इन गांवों में एक–एक टयूबवैल औरलगाया जाए। पाडली गांव में एक टयूबवैल

लगा हुआ है और क टयूबवैल की और जरूरत है इसी तरह गांव दिवाल और पुदरेहड़ी में भी आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने 70–80 लाख रूपए खर्च करके कैनाल बेस्ड स्कीम को मंजूर किया। इसके लिए भी मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। इस पर जल्दी से काम भुरू कर दिया जाए, मेरा अनुरोध हैं।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय जिस प्रकार मेरे साथी लीला राम जी ने यह कहा हे कि कैथल के लोगों की यह बहुत पुरानी मांग थी। पूरे हरियाणा की स्थिति इसी प्रकार से है हरियाणा प्यासा मर रहा था इसलिए इन चार जगहों पर चारों ाहरों में कैथल, अंबाला सिटी, अंबाला सदर और भिवानी में 49 करोड़ 74 लाख 6 हजार रूपए की परियोजना को स्वीकृति दी गई है और 44 करोड़ 17 लाख रूपए की राशि इसके लिए आबंटित भी कर दी गई है। यह अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लीला राम जी ने कहा है कि हमारे कुछ गांव हैं, उनमें भी बहुत बड़ी समस्या है। अध्यक्ष महोदय इनके पूरे कैथल जिले में 44 योजनाओं पर काम चल रहा है। इन 44 योजनाओं में 68 गांव कैथल के होंगे। इसके लिए 8 करोड़ 49 लाख 25 हजार रूपए लगेंगे और जिन पर काम चल रहा है। इन्हीं के हलके के गांव क्वारथन की जलापूर्ति की योजना है और उसका काम युद्ध स्तर पर जारी है। उसी प्रकार से इनके हलके के गांव सिरेटा, मानसा, फासमाजरा में जलापूर्ति योजना का इनलेट का कार्य पूरे युद्ध स्तर पर जारी है इस पर 19 लाख रूपए खर्च होंगे। इसी तरह से

इनके गांव क्योडा, दयोरा, बरोट खुराना और उजाना जो इनका अपना गांव है इन पर सभी कामों पर लाखों रूपया खर्च करके इस समस्या का निदया किया जा रहा है। इस पकार की 68 योजनाए हैं अगर में सारी की सारी यहां बताउंगा तो समय लगेगा। 68 गांवों की लिस्ट यानि माननीय साथी विधायक लेना चाहें तो उनको में दे दूंगा। इस तरह की सारी योजनाओं पर युद्ध स्तर पर काम चल रहा है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरे प्र न का जवाब नहीं आया है।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय हमारे सदस्यों के प्र न नहीं लगे हैं।

श्री अध्यक्षः आपके 20 विधायकों में से 11 ने प्र न दिए हैं, और उन सभी के प्र न टेक आप किए गए हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय मेरा प्र न आज लगना था लेकिन उसको टेक आप नहीं किया गया है।

श्री अध्यक्षः आप अपने दस्तख्त करके तो भेजते नहीं हो। प्र न आपका कैसे टेक आप किया जाए। अगर आपको इस बारे ांका है तो मेरे चैम्बर में आ जाना वहां आपको ऐसे प्र न आपके द्वारा भेजे हुए दिखा दिए जाएंगे जो बिल्कुल ब्लाक हैं अब आप बैठ जाइये।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय जैसा कि इन्होंने कैनाल बेस्ड स्कीम के बारे में कैथल, भिवानी, अंबाला भाहर और अंबाला सदर के बारे में बताया है। मैं आपके माध्यम से माजरा साहब से पूछना चाहता हूं कि अंबाला सदर में 15.3 करोड़ रूपए की लागत से नहरी पानी आधारित योजना के तहत पानी देने की स्कीम का कार्य चल रहा है और सरकार उसमें पूरी रूचि भी ले रह है। मैं माजरा साहब से पूछना चाहता हूं कि वह कार्य कब तक पूरा हेा जाएगा।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर मैंने इससे पहले जो भी बताया हे कि इस स्कीम के लिए काफी पैसा रिलीज हो चुका है और जिस पकार से भाई लीला राम जी का प्र न है कैथल के बारे में उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि सिरसा ब्रांच पर ड्रेन कोसिंग और हैड रेगूलेटर इरिगे ान विभाग द्वारा लगाना है और रलवे कांसिंग का काम भी किया जाना हैं। पब्लिक हैल्थ विभाग ने इन सबकी लागत जमा करा दी है। जब यह काम हो जाएगा तो यह स्कीम काम करना भुरू कर देगी। जहां तक भिवानी की सकीम की बात है वह मार्च 2003 तक काम ुरू कर देगी और अंबाला सदर का मार्च 2004 तक भौडिल्यूड में है और यह काम मोस्ट प्रोबबली समय पर हो जाएगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माजरा साहब को बताना चाहता हूं कि जिस कनाल बेस्ड वाटर स्कीम के बारे में ये बात कर रहे हैं ये पानी ओपन

चलता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की कोई ऐसी स्कीम है जो इस पानी के लिए फिल्ट्रे ान प्लांट लगाकर इसकी सफाई की व्यवस्था करवा सके और का इस पानी के सैम्पल लेकर उनको टैस्ट करवाने का कोई प्रावधान है।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर यह सब कार्य पबिल्क हैल्थ डिपार्टमैंट द्वारा समय पर करवाया जाता है। इसका ट्रीटमैंट करवाया जाता है। माननीय साथी के नोटिस में कोई ऐसा इंस्टांस आया हो तो बताएं उसको हम चैक करवा लेंगे। वैसे हम सारे हरियाणा प्रदेश में अब कवर्ड खालों द्वारा इस स्कीम को लागू करने की योजना बना रहे हैं य खुले खालों की योजना तो कांग्रेस सरकार द्वारा भुरू की गई थी, जिनमें लोग रफा हाजत के हाथ तक धोते थे अब हम इस कैनाल बेस्ड वाटर स्कीम को कवर्ड खालों के माध्यम से भुरू कर रहे हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरे हके के गांव मंडिया कलां में सैम्पल लिया गया था और वह सैम्पल लैबोरेटरी में फेल हो चुका है।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर अब ये अपने हलके के गांव की बात कर रहे हैं पता नहीं वहां के बारे में ये कैसे कह रहे हैं वैसे हरियाणा प्रदेश की जनता पूरी तरह से पेयजल व्यवस्था से संतुश्ट है। इन वाला सैम्पल जरूर फेल हो गया होगा।

Construction of By-Pass

***856. Shri Puran singh Dabra:** Will the chief Minister be pleased to state

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct

(i) Southern By Pass from Delhi Road to Sirsa Road.

(ii) Crossing Tosham Road, Rajgarh Road (NH-65) and Balasamand Road in Hisar?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): (i) और (ii) नहीं श्रीमान जी।

श्री पूर्ण सिंह डाबरा: अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से जाना चाहता हूं कि हिसार के अंदर जब हाईवे नंबर 65 बडत्र बनेगा तो वहां ट्रैफिक का बड़ भारी लोड रहेगा और इधर हाईवे नंबर 10 पर भी बड़ा भारी ट्रैफिक का लोड है। हिसार में जबकि पहले से ही नार्दन बाईपास बना हुआ है लेकिन वहां साउदर्न बाईपास की बहुत भारी आव यकता है। क्योंकि भाहर में रोज बहुत हादसे हो रहे हैं। इसलिए में गुजारि ा करूंगा कि इस पर विचार किया जाए ताकि ये बन जाए और इसके बनने से ट्रैफिक और लोगों की जान माल की सुरक्षा हो सके।

श्री रामपाल माजरा: अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि वैसे तो सब जगह बाईपास की जरूरत है और इस सरकार के मुखिया चौधरी ओम

प्रका ा चौटाला ने गांवों के बाईपास को पक्का भी कर दिया है, फिरनियों को पक्का कर दिया है। वैसे यह मामला अभी विचाराधीन नहीं है और अभी में समझता हूं कि इसकी कोई आव यकता भी नहीं है।

श्री राजेंद्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय मेरी सप्लीमैंटरी की डायरेक्ट रेलैवैंसी नहीं है। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री से सप्लीमैंटरी की बजाय बताना चाहूंगा कि दिल्ली, मथुरा और आगरा जो नै ानल हाईवे हैं वहां बहुत महत्वपूर्ण मार्ग हैं। दिल्ली से जब चलते हैं और फरीदाबाद में एंट्री करते हैं तो अध्यक्ष महोदय आपने भी अनुभव किया है कि बदरपुर में इतना नैरो पैसेज है। बोटल नैक है वहां सुबह और भााम दो–दो घंटे तक जाम में हम फंस जाते हैं। फरीदाबाद पूरी उत्तरी भारत का इंडस्ट्रियल टाउन है, इससे वहां का बिजनैस इफैक्ट होता है। नै ानल हाईवे अथोरिटी आफ इंडिया में कोई लीवेटि कोरीडोर बनाने का प्रपोजल पैडिंग पड़ा है और हम 20 सालों से इसके लिए रो पीट रहे हैं अध्यक्ष महोदय मैं आपके मायम से मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहूं कि उनके प्रयासों से यह भीघ्र ही पूरा हो जाएगा। इसलिए क्या इसके लिए कोई वि ोश प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य का सवाल बहुत अहम है। वाकई बदरपुर के पास रोजाना ट्रैफिक जाम रहत है और कई–कई घंटों तक यह

जाम लगा रहता है। हम पूर्ण रूप से केंद्र सरकार से इस मामले में जुड़ हुए हैं। और इसको हमारी खतोखिताबत जारी है और वे भी इस बात का सिद्धांत रूप से मान रहे ळैं कि यहां एक एलीवोटिड पुल बनाना चाहिए। इसलिए इसके लिए हम केंद्र सरकार से आग्रह कर सकते हैं। बार–बार जोर दे सकते हैं और ज्यों ही वे इसका निर्णय करेंगे उनके निर्णय के बाहद बहुत जल्द ही पूल को हम बना देंगे।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय पूर्ा सिंह जी ने जो प्र न पूछा है वह रिलैवेंट सवाल है। मुख्यमंत्री महोदय जी जानते हैं कि हिसार बहुत बड़ भाहर हो गया है और आप जानते हैं कि नै ानल हाईवे वहां स गुजरता है वहां पर बहुत बड़ी यूनिवर्सिटी है, वहां पर कमी ानर का आफिस भी है, वहां पर रेंज है, वहां इतनी बड़ी आबादी हो गई है। आप जानते हैं कि राजस्थान से राजगढ़ रोड और भिवानी साइड से उस पर ट्रैफिक आता है इसलिए वहां बाईपास जरूरी है। बालसमंद रोड से दिल्ली हर हालत में बाईपास बनना चाहिए। इससे भिवानी का सारा ट्रैफिक बालसमंद साइड का ट्रैफिक, राजगढ का ट्रैफिक वहां से आकर बाहर निल जाएगा। यह जरूरी भी है इस पर मुख्यमंत्री महोदय कुछ विचार करें और इस बाईपास को हर हालत में बनाया जाए। इस बारे में पहले भी प्रपोजल दी हुई है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से चौधरी भजन लाल को बतना चाहूंगा कि यह मामला

सरकार के विचाराधीन है। लेकिन यदि हम यह बता देंगे कि यह बाइपास फलाना समय तक बन जाएगा तो विपक्ष के नेता कहेंगे कि यह प्रपोजल तो उनके समय की है। इसलिए में विपक्ष के नेता से स्पश्टीकरण चाहता हूं कि इस बारे इनकी कोई पुरानी प्रपोजल तो नहीं हैं

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय इस बारे में जिस समय में मुख्यमंत्री था, उस समय प्रपोजल बनाई गई थी। इन्होंने तो कुछ करना नहीं है।(विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय विपक्ष के नेता के सदन को पूर्ण रूप से गुमराह किया है। इनके समय कि ऐसी कोई प्रपोजल नहीं है। यदि ये इस तरह के सदन को गुमराह करेंगे तो इनके खिलाफ ब्रिज आफ प्रीविलेज का मो ान भी आ सकता हें

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय इस बारे में 7 साल पहले की प्रपोजल हमारे समय की है, 6 साल से तो हमारी सरकार नहीं है लेकिन 7 साल पहले ही प्रपोजल बाकायदा है और

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

श्री रमेश कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय सबसे पहले तो मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि हमारे यहां अलग से कोई भाुगर मिल नहीं थी लेकिन मुख्यमंत्री जी ने 50–60 करोड़ रूपए की लागत से हमारे यां अलग से भाुगर मिल बनवाई।

इस मिल के लगने से जो हमारी तहसील के किसान हैं, जींद के किसान हैं, वे भाहर के अंदर से गन्ना लेकर निकलते हैं और पानीपत तथा सोनीपत के किसान भी ट्रैक्टर–ट्राले लेकर ाहर के अंदर से ही निकलते हैं, जिसके कारण गोहाना भाहर में लोगों को बहुत परे ाानी होती है। क्या गोहाना में जो सरकूलर रोड है वहां भी माननीय मुख्यमंत्री महोदय कोई बाईपास बनवाएंगे ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर जहां तक बाईपास बनाने का ताल्लुक है इस बारे में में आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि इस समय ऐलनाबाद और सोनीपत के अंदर बाईपास के लिए कार्य प्रगति पर है तथा झज्जर के लिए भूमि अधिग्रहण की जा रही है। अध्यक्ष महोदय इसके अतिरिक्त जैसा कि भजन लाल जी कह देते हैं कि फलानी प्रपोजल तो इनके समय की है, लेकिन इनके समय में जो भी प्रपोजल बनी थी इसके बाद एक पत्थर भी नहीं रखा गया। पता नहीं वे प्रपोजल कहां गई।

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय मेरे माननीय साथी ने गोहाना में बाईपास बनाने के बारे में प्र न पूछा था माजरा साहब ने उसका तो जवाब दिया नहीं।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय जहां–जहां बाईपास बनाने जा रहे हैं उनके बारे में मैने पूरे सदन को अवगत करवा

दिया है। इसके अतिरिक्त ऐसा कोइ प्रस्ताव सरकार के विचराधीन नहीं हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूगा कि क्या हथीन में भी बाईपास बनाया जाएगा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को यह आश्वासन देना चाहूंगा कि हम लोगों के हितार्थ कहीं भी किसी प्रकार की सुविधा प्रदान करने के लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे ब ार्ते सरकार को आर्थिक दिक्कत नहीं आए। अध्यक्ष महोदय पैसे की हमारे पास कमी है लेकिन उसको ध्यान में रखते हुए चौधरी भजन लाल जी के सम की यदि कोई प्रपोजल है तो उसको हम प्राथमिकता के आधार पर लागू करेंगें।

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय भिवानी का बस स्टेंड दिल्ली रोड पर बनाया गया है। दिल्ली रोड से हांसी रोड तक, बस स्टैंड बनने के बाद जो सड़क बनाए जाने की प्रपोजल थी, उसके बारे में पूछना चाहता हूं कि वह सड़क कब तक बनकर पूरी हो जाएगी।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय इसके लिए ये अलग से नोटिस दे क्योंकि इस वक्त इस बारे में बताना असंभव है।

तारंकित प्र न संख्या 831

(यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री अमर सिंह ढांडे सदन में उपस्थित नहीं हुए)

Supius Lecturers

***915 Sh. Bhag Singh Chhatar:** Will the Minister of state for Education be pleased to State

(a) Whether is a fact that the Lacturers have been rendered surplus in Non Government Colleges in the state during the year 2002 till date on account of work load if so the detail thereof?

(b) if yed whih Non Government Colleges these lecturers habe been adjusted?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): (क) तथा (ख) हां श्रीमान जी। विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

भौक्षणिक सत्र 2001–2002 के लिए सरकारी सहायता प्राप्त निजी महाविद्यालयों के भौक्षणिक अमले के कार्यभार का आंकलन किया गया जिससे पता चला कि कुछ महाविद्यालयों में विभिन्न विशयों के 49 प्राध्यापक आव यकता से अधिक थे।

माननीय आधार पर सरकार ने ऐस प्राध्यापकों को उन सहायता पाप्त निजी महाविद्यालयों में समायोजित करने का निर्णय लिया, जहां उन वि ायों के प्राध्यापकों की आव यकता थी। प्राध्यापकों से महाविद्यालयों/स्थानों के लिए विकल्प भी प्राप्त

किए गए ताकि उन्हें कोई कठिनाई न हो। उनको वेतन सुरक्षण सहित निरंतर सेवा का देय लाभ भी प्रदान किया गया।

ऐसे प्राध्यापकों तथा जिन महाविद्यालयों में उन्हें समायोजित किया गया, का विवरण निम्नानुसार है।

विशयः अर्थ भाास्त्र

क्र0	प्राध्यापक का नाम	महाविद्यालय का नाम जहां प्राध्यापक आव यकता से अधिक था	महाविालय का नाम जहां प्राध्यापक समायोति किया गया
1	डा. सुनिता गुप्ता	पब्लिक कन्या महाविद्यालय, रेवाड़ी	आद र्ा महिला महाविद्यालय, भिवानी

विशयः रसायन भाास्त्र

1	श्री सूर्य प्रका ा	सी आर ए महाविद्यालय, सोनीपत	ए.आई.टी. जाट महाविद्यालय, रोहततक
2	डा. सुभाश सहगल	एस.ए. जैन महाविद्यालय, अंबाला भाहर	जी.एन.के महाविद्यालय यमुनानगर

3	श्रीमति रेणु मलिक	बी.पी.एस. कन्या महाविद्यालय खानपुर कलां	ए.आई. जाट महाविद्यालय रोहतक
4	श्रीमती बीना सेठी	जी.जी.डी. एस.डी. महाविद्यालय पलवल	डी.एन. महिला महाविद्यालय फरीदाबद
5	डा. सुरेंद्र पाल भट्टी	डी.ए.वी महाविद्यालय अंबाला भाहर	दयाल सिंह महाविद्यालय ,करनाल
6	श्री आर.एस. मुंजाल	जी.एन.एन महाविद्यालय अंबाला छावनी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
7	श्रीमती रीता सेठ	जी.एन.एन. महाविद्यालय अंबाला छावनी	एम.एल.एन. महाविद्यालय यमुनानगर
8	श्री एन.के. जैन	जी.एन.एम. महाविद्यालय अंबाला छावनी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
9	श्री एस.पी. गोयल	डी.एन. महाविद्यालय	वै य महाविद्यालय

		हिसार	भिवानी
10	श्रीमती वंदना दुग्गल	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	आद र्श महिला महाविद्यालय, भिवानी
11	श्रीमती रेणु वि श्ठ	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	ए.आई. जाट महाविद्यालय, रोहतक
12	श्री एम.एल. गर्ग	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	जी.एन.के. महविद्यालय, यमुनानगर
13	श्रीमती भा ा सोलंकी	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय हिसार	डी.एन. महिला विद्यालय, फरीदाबाद

विशय हिंदीः

1	डा. श्रीमती हरि किरण कौर	एस.एम.एसकृखालसा लुबाना	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
2	श्री राम भार्मा	बी.पी.आर. महाविद्यालय कुरूक्षेत्र	जी.एन.के. महाविद्यालय

			यमुनानगर
3	डा. अ ाोक कुमार निराला	जी.जी.डी.एस.डी महाविद्यालय पलवल	अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़
4	श्रीमती अनुरिता	सी.आर.ए. महाविद्यालय सोनीपत	कन्या महाविद्यालय खरखौदा
5	डा. श्रीमती कुसुम लता	सी.आर.ए. महाविद्यालय सोनीपत	एस.डी. महाविद्यालय पानीपत
6	डा. श्रीमती राजकुमारी भार्मा	आई.जी. महाविद्यालय, लाडवा, कुरूक्षेत्र	आई.बी. महाविद्यालय सोनीपत
7	डा. राजकुमार भार्मा	हिंदू महाविद्यालय सोनीपत	जी.एन. कन्या महाविद्यालय, यमुनानगर
8	श्री सुरेंद्र कुमार	सी.आर. किसान महाविद्यालय, जींद	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय

			हिसार

विशयः भौतिक भाास्त्र

1	श्री जितेंद्र सिंह फोर	सी.आर.ए. महाविद्यालय सोनीपत	आर्य कन्या महाविद्यालय, भाहबाद
2	डा. महिपाल सिंह	सी.आर.ए. महाविद्यालय सोनीपत	ए.आई. जाट महाविद्यालय, रोहतक
3	श्री प्रदीप अहलावत	के.पी.एल. महाविद्यालय रेवाड़ी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
4	श्रीमती नवीन	के.पी.एल. महाविद्यालय रेवाड़ी	अहीर महाविद्यालय, रेवाड़ी
5	श्री सु ील कुमार	जे.डी.सी.एस.डी. महाविद्यालय पलवल	जी.एन. कन्या महाविद्यालय यमुनानगर
6	श्री कृश्ण कांत गुप्ता	जे.डी.सी.एस.डी. महाविद्यालय पलवल	डी.एन. महाविद्यालय

			फरीदाबाद
7	श्री आर.पी. तंवर	जे.डी.सी.एस.डी. महाविद्यालय पलवल	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
8	डा. के.सी. गोयल	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	वै य महाविद्यालय भिवानी
9	श्रीमती मंजू अरोड़ा	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	आद र्ा महिला महाविद्यालय, भिवानी
10	श्री आर.पी. सिंह	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
11	श्री अतर सिंह	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय हिसार	वै य महाविद्यालय भिवानी
12	श्री प्रेम सिंह	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय हिसार	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर

13	श्री एस.सी. गुप्ता	जी.एम.एन. महाविद्यालय, अंबाला छावनी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
14	श्री मोहन लाल गुप्ता	जी.एम.एन. महाविद्यालय, अंबाला छावनी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
15	श्री एम.पी. अग्रवाल	आर्य महाविद्यालय, पानीपत	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
16	श्री एम.सी. गुप्ता	हिंदू कन्या महाविद्यालय सोनीपत	हिंदू महाविद्यालय सोनीपत
17	सुश्री भाोभा खेड़ा	हिंदू कन्या महाविद्यालय सोनीपत	हिंदू महाविद्यालय सोनीपत

विशयः वनस्पति विज्ञान

1	डा. राज बंसल	डी.ए.वी महाविद्यालय, पेहवा	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर

2	श्री संजीव कुमार	दयाल सिंह महाविद्यालय, करनाल	हिंदू कन्या महाविद्यालय, जगाधरी
3	श्री वी.पी. कामरा	हिंदु महाविद्यालय, सोनीपत	ए.आई. जाट महाविद्यालय, रोहतक (माननीय उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश

विशयः प्राणि विज्ञान

1	डा.मंजू मल्होत्रा	डी.ए.वी. महाविद्यालय अंबाला भाहर	के.वी.ए. डी.ए.वी महिला महाविद्यालय, करनाल
2	श्रीमती भारदा	सी.आर.ए. महाविद्यालय, सोनीपत	ए.आई. जाट महाविद्यालय, रोहतक
3	श्री एच.के. कस्सब	एन.एन. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाहबाद	जी.एन.के. महाविद्यालय,

		(कुरूक्षेत्र)	यमुनानगर

विशयः गणित

	श्री पी.के खुराना	एन.बी.जी.एस. मैमोरियल महाविद्यालय, सोहाना	ए.आई. जाट महाविद्यालय, रोहतक

विशयः वाणिज्य

1	श्री अजय भार्मा	डी.ए.वी. महाविद्यालय, चीका	आर.के.एस.डी. महाविद्यालय, कैथल

विशयः अंग्रेजी

1	डा. सुशमा भार्मा	जी.एम.एन. महाविद्यालय अंबाला छावनी	एस.के. जैन महाविद्यालय अंबाला भाहर
2	डा. अंजू जैन	जी.एम.एन. महाविद्यालय अंबाला छावनी	एस.ए. जैन महाविद्यालय अंबाला भाहर

श्री भाग सिंह छात्तरः अध्यक्ष महोदय, क्या यह तथ्य सही है कि राज्य में वर्श 2001 से 2002 आज तक के दौरान कार्यभार के हिसाब से गैर सरकारी महाविद्यालयों में प्राथमिक

अतिरिक्त दिखलाए गए हैं यदि हां तो उनका ब्यौरा क्या है और किन–किन गैर सरकारी महाविद्यालयों में ये प्राध्यापक समायोजित किए गए हैं।

चौ. बहादुर सिंहः सर जो सूचना इन्होंने मांगी थी वह मैने पहले ही सदन के पटल पर रख दी है। यह काफी लंबी चौड़ी लिस्ट है। स्पीकर साहब में आपकी इजाजत से सदन को बताना चाहूंगा कि भौक्षणिक सत्र 2001–2002 के लिए सरकारी सहायता प्राप्त निजी महाविद्यालयों के भौक्षणिक अमले के कार्यभार का आकलन किया गया जिससे पता चला कि कुछ महाविद्यालयों में विभिन्न विशयों के 49 प्राध्यापक आव यकता से अधिक थे।

माननीय आधार पर सरकार ने ऐसे प्राध्यापकों को उन सहायता प्राप्त निजी महाविद्यालयों में समायोजित करने का निर्णय लिया, जहां उन विशयों के प्राध्यापकों की आव यकता थी। प्राध्यापकों से महाविद्यालयों/स्थानों के लिए विकल्प भी प्राप्त किए गए ताकि कोई कठिनाई न हो। उनको वेतन सुरक्षण सहित निरंतर सेवा का देय लाभ भी प्रदान किया गया।

ऐसे प्राध्यापकों तथा जिन महाविद्यालयों में उन्हें समायोजित किया गया हैं, का विवरण निम्नानुसार है।

विशयः अर्थ भाास्त्र

कमांक	प्राध्यापक का	महाविद्यालय का नाम	महाविालय का

	नाम	जहां प्राध्यापक आव यकता से अधिक था	नाम जहां प्राध्यापक समायोति किया गया
1	डा. सुनिता गुप्ता	पब्लिक कन्या महाविद्यालय, रेवाड़ी	आद र्ा महिला महाविद्यालय, भिवानी

विशयः रसायन भाास्त्र

1	श्री सूर्य प्रका ा	सी.आर.ए. महाविद्यालय सोनीपत	ए.आई.जाट महाविद्यालय, रोहतक
2	डा. सुभाश सहगल	एस.के. जैन महाविद्यालय, अंबाला भाहर	जी.एन.के. महाविद्यालय, यमुनानगर
3	श्रीमती रेणु मलिक	बी.पी.एस. कन्या कन्या महाविद्यालय, खानपुर कलां	ए.आई. जाट महाविद्यालय, रोहतक
4	श्रीमती बीना	जी.जी.डी. एस.डी.	डी.एन. महिला

	सेठी	महाविद्यालय, पलवल	महाविद्यालय, फरीदाबाद
5	डा. सुरेंद्र पाल भट्ठी	डी.ए.वी. महाविद्यालय, अंबाला भाहर	दयाल सिंह महाविद्यालय करनाल
6	श्री आर.एस. मुंजाल	जी.एम.एन, महाविद्यालय, अंबाला छावनी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
7	श्रीमती रीता सेठ	जी.एम.एन, महाविद्यालय, अंबाला छावनी	एम.एल.एन. महाविद्यालय यमुनानगर
8	श्री एम.के. जैन	जी.एम.एन, महाविद्यालय, अंबाला छावनी	एम.एल.एन. महाविद्यालय यमुनानगर
9	श्री. एस.पी. गोयल	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	वै य महाविद्यालय, भिवानी
10	श्रीमती वंदना दुग्गल	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	आद र्ा महिला महाविद्यालय,

			भिवानी
11	श्रीमती रेणु वि ाश्ठ	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	ए.आई. जाट महाविद्यालय, रोहतक
12	श्री एम.एल. गर्ग	डी.एन. महाविद्यालय हिसार	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
13	श्रीमती ाशि सौलंकी	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय, हिसार	डी.एन. महिला महाविद्यालय, फरीदाबाद

विशयः हिंदी

1	डा. श्रीमती हरि किरण कौर	एस.एम.एस. खालसा लुबाना	जी.एन.के. महाविद्यालय, यमुनानगर
2	श्री राम भार्मा	बी.पी.आर. महाविद्यालय कुरूक्षेत्र	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर

3	डा. अ ाोक कुमार निराला	जी.डी.डी.एस.डी महाविद्यालय पलवल	अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़
4	श्रीमती अनुरिता	सी.आर.ए. महाविद्यालय सोनीपत	कन्या महाविद्यालय खरखौदा
5	डा. श्रीमती कुसुम लता	सी.आर.ए. महाविद्यालय, सोनीपत	एस.डी. महाविद्यालय पानीपत
6	डा. श्रीमती राजकुमार गर्ग	आई.जी. महाविद्यालय लाडवा, कुरूक्षेत्र	आई.बी. महाविद्यालय पानीपत
7	डा. राजकुमार भार्मा	हिंदू महाविद्यालय सोनीपत	जी.एन. कन्या महाविद्यालय यमुनानगर
8	श्री सुरेंद्र कुमार	सी.आर. किसान महाविद्यालय जींद	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय हिसार

विशयः भौतिक भाास्त्र

1	श्री जितेंद्र सिंह फोर	सी.आर.ए. महाविद्यालय, सोनीपत	आर्य कन्या महाविद्यालय, भाहबाद
2	डा. महिपाल सिंह	सी.आर.ए. महाविद्यालय, सोनीपत	ए.आई. जाट महाविद्यालय रोहतक
3	श्री प्रदीप अहलावत	के.एल.पी. महाविद्यालय, रेवाड़ी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
4	श्रीमती नवीन	के.एल.पी. महाविद्यालय, रेवाड़ी	अहिर महाविद्यालय रेवाड़ी
5	श्री सु ील कुमार	जी.डी.डी.एस.डी महाविद्यालय पलवल	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
6	श्री कृश्ण कांत गुप्ता	जी.डी.डी.एस.डी महाविद्यालय पलवल	डी.एन. महाविद्यालय फरीदाबाद

7	श्री आर.पी. तंवर	जी.डी.डी.एस.डी महाविद्यालय पलवल	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
8	डा. के.सी गोयल	डी.एन.महाविद्यालय हिसार	वै य महाविद्यालय, भिवानी
9	श्रीमती मंजू अरोड़ा	डी.एन.महाविद्यालय हिसार	आद र्ा महिला महाविद्यालय, भिवानी
10	श्री आर.पी. सिंह	डी.एन.महाविद्यालय हिसार	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
11	श्री अतर सिंह	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय हिसार	वै य महाविद्यालय भिवानी
12	श्री प्रेम सिंह	सी.आर.एम. जाट महाविद्यालय हिसार	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर

13	श्री एस.सी. गुप्ता	जी.एम.एन. महाविद्यालय अंबाला छावनी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
14	श्री मोहन लाल गुप्ता	जी.एम.एन. महाविद्यालय अंबाला छावनी	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
15	श्री एम.पी. अग्रवाल	आर्य महाविद्यालय पानीपत	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर
16	श्री एम.सी. गुप्ता	हिंदू कन्या महाविद्याल, सोनीपत	हिंदू महाविद्यालय सोनीपत
17	सुश्री भाोभा खेड़ा	हिंदु कन्या महाविद्यालय सोनीपत	हिंदू महाविद्यालय सोनीपत

विशयः विज्ञान

1	डा. राज बंसल	डी.ए.वी. महाविद्यालय, पेहवा	जे.एन.के. महाविद्यालय,

			यमुनानगर
2	श्री संजीव कुमार	दयाल सिंह महाविद्यालय, करनाल	हिंदू कन्या महाविद्यालय, जगाधरी
3	श्री वी.पी. कामरा	हिंदू महाविद्यालय, सोनीपत	ए.आई.टी. जाट महाविद्यालय, रोहतक, (माननीय उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदे ा)

विशयः प्राणि विज्ञान

1	मंजू मल्होत्रा	डी.ए.वी. महाविद्यालय, अंबाला भाहर	के.वी.ए.डी.ए.वी महिला महाविद्यालय, करनाल
2	श्रीमती भारदा	सी.आर.ए. महाविद्यालय, सोनीपत	ए.आई जाट महाविद्यालय,

			रोहतक
3	श्री एच.के. कस्सब	एम.एन. स्नातकोत्तर महाविद्यालय भााहबाद (कुरूक्षेत्र)	जी.एन.के. महाविद्यालय यमुनानगर

विशयः गणित

1	श्री पी.के. खुराना	एन.बी.जे. मैमोरियल विद्यालय, सोहना	ए.आई जाट महाविद्यालय, रोहतक

विशयः वाणिज्य

1	श्री अजय भार्मा	डी.ए.वी. महाविद्यालय, चीका	आर.के.एस.डी. महाविद्यालय, कैथल

विशयः अंग्रेजी

1	डा. सुभाश भार्मा	जी.एम.एन. महाविद्यालय, अंबाला	एस.ए. जैन महाविद्यालय

		छावनी	अंबाला भाहर
2	डा. अंजू जैन	जी.एम.एन. महाविद्यालय, अंबाला छावनी	जी.एम.एन. महाविद्यालय, अंबाला छावनी

चौ. भजन लालः स्पीकर सर, हमने पढ़ा हुआ मान लिया। (विघ्न एवं भाोर)

वित्त मंत्री (प्रो. संपत सिंह): अध्यक्ष महोदय, ये संतुश्ट हो गए हैं। (विघ्न एवं भाोर) इसकी संतुश्टि हो गई। (विघ्न एवं भाोर)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, एक दफा हमने बहुत प्रयास किया था। मांगे राम गुप्ता जी तब बजट पढ़ रहे थे तो मैने कहा था कि पढ़ा हुआ मान लिया लेकिन ये लोग उस बात को नहीं माने थे। (विघ्न एवं भाोर) हमने तो बहुत कहा था लेकिन माने तो कोई नहीं। (विघ्न) आप भी नहीं माने थे लेकिन हमने फिर भी तो मान लिया। (विघ्न)

चौ. भजन लालः अगली बार मान लेंगे। (विघ्न एवं भाोर)

प्रो. राम भगतः अध्यक्ष महोदय हरियाणा सरकार और वि ोश कर ि ाक्षा मंत्रालय ने जिस ढंग से मेरे रिट्रैन्च होने वाले

साथियों को दूसरे कालेजिज में समायोजित किया है, एडजस्ट किया है, उसके लिए सरकार ने बहुत रहमदिली दिखाई है और अपने कर्मचारियों तथा अध्यापक हितैशी नजरिये का उन्होंने प्रद र्ान किया है और उसके लिए में हरियाणा का और ि ाक्षा विभाग का धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय से माननीय मंत्री महोदय से एक सवाल पूछना चाहूंगा कि जो प्रोफैसर साहेबान समायोजित हुए हैं या जिनकी ऐडजस्टमैंट हुइ है और वे दूसरे कालेजों में गए हैं यदि उनके अपने पेरैंन्ट कालेज में दोबारा कोई वैकेंसरी क्रिऐट हाती है तो क्या उनको वापस भेजने का कोई प्रावधान रखा गया है। इस बारे में माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय बताने की कृपा करें।

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय जितने अध्यापकों को दूसरे कालेजिज में भेजा गया है उनकी आप ान लेकर ही भेजा गया है तथा उनकी पे प्रोटैक ान, कांटिन्यूऐ ान इन सर्विस जैसी सारी सहूलियतें उनको दी गई हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि माननीय साथी ने पूछा है तो मैं इनको बतना चाहूंगा कि यदि ऐसी कोई डिमांड आएगी ता उस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर लिया जाएगा।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जो इन्होंने यह आकलन किया है कि प्राध्यापक आवश्यकता से अधिक पाए गए, इसका बेसिस क्या था। क्या उनका निर्धारण यू.जी.सी. के फार्मूले

पर किया जाता है या यूनिवर्सिटी द्वारा तय किसी फार्मूले के द्वारा किया जाता है या इस का निर्धारण सरकार द्वारा किया जाता है, जिससे यह तय हो सके कि कितने काम के लिए कितने प्राध्यापकों की आव यकता है और किस आधार पर इनको सरप्लस किया गया है?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय इसके लिए यूनिवर्सिटी में नार्म्ज फिक्स कर रखे हैं उसके आधार पर इनको सरप्लस किया गया है। अगर उसका आधार जाना चाहते हैं तो काफी लंबा चौड़ा है। अगर यह लिख कर देंगे तो मैं इसका सारा विवरण इनको बता दूंगा कि इसके लिए क्या–क्या प्रोविजन्ज हैं और क्या क्या नार्म्ज हैं जिनके आाार पर इन्हें सरप्लस किया गया है।

Setting up of 33 KV Sub Station at Jarpur

***986 Rao Dan Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state

(a) Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to set up 33 KV new sub Station in village Jairput district Mehendergarh; and

(b) if so time be which it is likely to be set up?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): (क) एवं (ख) हां श्रीमान 125.00 लाख रूपए की लागत से गांव जेरपुर जिला महेंद्रगढ़ में 33 के.वी.उकेंद्र को लगाने का प्रस्ताव है। इसे 220 के.वी. उपकेंद्र महेंद्रगढ़ के पूर्ण होने के बाद वर्श 2003 में,

132 के.वी. उपकेंद्र महेंद्रगढ़ की क्षमता बाधाओं को ध्यान में रखते हुए निर्माण के लिए लिया जाएगा।

राव दान सिंहः अध्यक्ष महोदय यह जैरपुर मंडोला वह जगह है जो मंडयाली के किसानों को एजिटे ान का केंद्र बिंदू था और वहां पर कृशि टयूबवैल पर आधारित है। अध्यक्ष महोदय पहले तो वहां पर बिजली आती ही नहीं है और आत है तो ओवर लोड की वजह से ट्रांसफार्मज का जलना एक आम बात सी बात है। जब किसान का फसल में पानी देने का समय आता हे तो वह जले हुए ट्रांसफार्मर की तरफ देखता है। वह उनको ठीक करवाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट–काट कर परेशान हो जाता है। अभी सी.पी.एस. महोदय ने बताया कि यह सब स्टे ान 2003 तक अप ग्रेड करने का मामला प्रस्तावित है। मैं आपके माध्यम से सी. पी.एस. महोदय को बताना चाहता हूं कि लोग और किसान जले हुए ट्रांसफार्मर को ठीक करने में एक–एक महीना लगा देते हैं मैं जाना चाहता हूं कि उसके लिए सरकार क्या कर रही है?

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर ये कहते हैं ट्रांसफार्मर जल जाते हैं और इन्होंने यह भी कहा कि वहां पर उसके अलावा और कोई साधन नहीं है। अध्यक्ष महोदय मुख्यमंत्री जी ने इनको भली–भांती आंका है और इस बात को मददेनजर रखते हुए रिकार्ड तोड़ समय में बवानिया में 33 के.वी. का सब स्टेशन 60 लाख रूपए की लागत से 6 महीने में तैयार करके चालू कर दिया हैं इसी प्रकार से इन्हीं के क्षेत्र महेंद्रगढ़ के डबलाना में 33 के.वी.

का सब स्टेशन 60 लाख रूपए की लागत से 6 महीने के रिकार्ड तोड़ समय में तैयार किया है। 33 के.वी का सब स्टेशन गडीमासर में 70 लाख की लागत से चालू किया गया है। इसकी क्षमता इसलिए बढ़ाई गई है क्योंकि वे ओवरलोडिड थे और ओवर लोड होने की वजह से वह जल जाते थे। अध्यक्ष महोदय इसी तरह से नारनौल जिले में 220 के.वी. सब स्टेशन की क्षमता बढ़ाई गई हैं और इस पर 60 लाख रूपए लगे हैं 132 के.वी. के सब स्टे ान महेंद्रगढ़ की क्षमता 60 लाख रूपए लगा कर बढ़ाई गई है। इसी प्रकार से अटाली, 132 के.वी. सब स्टे ान की क्षमता बढ़ाई गई है। 132 के.वी. सब स्टे ान कनीना खास की क्षमता बढ़ाई गई है। 33 के.वी. सब स्टे ान गुडियाखेड़ा की और 33 के.वी. सब स्टे ान झाड़कल की क्षमता बढ़ाई गई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दान सिंह जी आप अपनी सीट पर बैठ जाएं अभी मंत्री जी रिप्लाई दे रहे है। वे आपको पूरी जानकारी दे रहे है। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय हमने पूरे लि में जो क्षमता बढ़ाई है उसके लिए इनको सरकार का धन्यवाद करना चाहिए और ये अब इस तरह की बात कर रहे हैं। यह जो ट्रांसफार्मर्ज वाली बात इन्होंने कही है इस बारे में कहना चाहूंगा कि अभी मैंने पूरा रिप्लाई नहीं दिया है। ये पहले रिप्लाई सुन लें उसके बाद अपनी बात कहें। यह लाइन पर लोड वाली बात है तो इस बारे में हमने पूरी तह से एग्जामिन करके लाइनों की क्षमता

बढ़ाई है जो इस प्रकार से है। 33 के.वी अटेली लाइन की, 33 के.वी महेंद्रगढ़ लाइन की और 33 के.वी डबलाना लाइन की क्षमता बढ़ाई गई है। स्पीकर सर इनकी बातों को मद्देनजर रखते हुए और सब स्टे ान लगाए जाएं तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने नए स्टे ानों को लगाए जाने के बारे में भी एक योजना बनाई है। स्पीर सर दान सिंह जी हंस रहे हैं और इन्हें सब बातों का पता है। आज रिमार्केबल काम हो रहा है। बिजली के मामले में 220 के.वी. का सब स्टे ान महेंद्रगढ़ में बनाने जा रहे हैं 132 के.वी का सतनाली में, 132 के.वी. का मुडियाखेड़ा में और 33 के.वी का जैरपुर में सब स्टे ान बनाने जा रहे हैं9 जहां तक क्षमता बढ़ाने की बात है तो इसमें 220 के.वी नारनौल की और 33 के.वी भोजावास की , 33 के.वी धनिाना की, 33 के.वी निजामपुर की और 33 के.वी बाडर की क्षमता बढ़ाई गई है। इसी प्रकार से इन्होंने पूछा कि कितने नए स्टे ान बनाए जा रह हैं और कितनों की क्षमता बढ़ाई जा रह है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि जितने भी सब स्टे ान की कैपेस्टी बढ़ाई जा रही है वह इसलिए बढ़ाई जा रही है ताकि ट्रांसफार्मर्ज न जले और किसानों को फ्किवैंटली पूरी बिजली मिले। स्पीकर सर पूरे प्रदेश में जहां भी ट्रांसफार्मर्ज जलने की बात आई वहां उसको तुरंत बदला गया है और हमारी सरकार की उनको तुरंत बदलने की पालिसी है और वे बदले जा रहे हैं। इनके टाइम में तो ट्रासफार्मर्ज नहीं बदले गए है। स्पीकर सर वे बदले जा रहे है। (ाोर एवं व्यावधान)

श्रीमती अनीता यादवः स्पीकर सर सदन में भाशण देने से और आंकड़े बताने से काम नहीं चलता है। स्पीकर सर माननीय मुख्यमंत्री जी 29–12–2001 को हमारे क्षेत्र में आए थे और कोसली के लोगों ने यह बताया था। 132 के.वी का पावर हाउस सब स्टे ान है यह ओवरलोडिड है। इसके बारे में हमारे ग्रामीण लेागों ने और किसानों ने मुख्यमंत्री जी के सामने प्रस्ताव भी रखा था। स्पीकर सर हमारा नाहड़ फीडर ओवर लोड चल रहा है। इसकी सैंटिंग भी बार–बार करनी पड़ती है। अगर इस ट्रांसफार्मर्ज को 4 एम.वी.ए. में बदल कर 6.83 एम.वी.ए. किया जाएगा तो हमारी समस्या का समाधान हो सकता है। उस समय झज्जर के ऐक्सियन लाल जी थे। उन्होंने मुख्यमंत्री जी के सामने हां भी भर दी थी और कहा था कि यह दो दिन में चेज कर दिया जाएगा लेकिन अध्यक्ष महोदय 29–12–2001 से लेकर आज तक इस बारे में न तो किसी एक्सियन के कान पर जूं रेंगी और न किसी और के काम पर। मैं उनको बताना चाहूंगी कि इसका क्या समाधान हो सकता है। या तो गांव वि ाोहा के सब स्टे ान को 4 एम.वी.ए. से 6 एम.वी.ए कर दिया जाए या उस गांव मं 33 के.वी का एक पावर हाउस बना दिया जाए। अध्यक्ष महोदय अगर ऐसा कर दिया जाता है तो वहां के टेल के जितने भी गांव हैं, उनकी समस्या का समाधान हो सकता है। अध्यक्ष महोदय यहां केवल आ वासनोंसे काम नहीं चल सकता बल्कि समस्या तो काम करने से ही हल हो सकती है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर दान सिंह बाहर चले गए। जहां तक इस मेन प्र न का ताल्लुक है तो केवल दान सिंह के एक गांव में एक सब स्टे ान लगाने के बारे में था और मैने उनको इस बारे में सारी वस्तुस्थिति बात दी थी। वे यहां से संतुश्ट होकर चले गए हैं अन्यथा अगर उनके सवाल का जवाब पूरा नहीं होता तो वे सवाल बीच में ही छोड़कर न जाते। वे संतुश्ट होकर चले गए हैं। बहन जी ने कहा कि यहां लच्छेदार भाशण दि जाते हैं तो मैं उनको कहना चाहूंगा कि हमैं तो सारी दुनिया ही ऐसी लगती है। अगर वे सारी बातें सुनेंगी तो उनको मालूम हा जाएगा। सर यह प्र न स्पेशली दान सिंह का था। मैंने बिजली के बारे में यहां पर पूरे प्रदेश की प्रगति रिपोर्ट बताई थी, सब स्टे ान के बारे में बताया था। फीर्डज की बायफरकेंशज के बारे में बताया था। मैंने यह ीाी बताया था कि किस किस तरह से सरकार सात सौं करोड़ रूप बिजली पर खर्च कर रही है। उस वक्त तो जय प्रका ा जी भी कहने लगे थे कि हम यह बातें नहीं सुनते इनको बंद कर दो। स्पीकर सर हरियाणा प्रदेश की प्रगति का जब प्र न आया था तो ये उस समय सुनना चाहते थे उस समय इनके पेट में मरोड़ लगती थी। इनको केवल हरियाणा विना ा के रूप में याद आता है। स्पीकर सर ये हरियाणाके विना ा की बात बहुत जोर से सुनते हैं लेकिन बिजली के मामे में सड़कों के मामले में या हरियाणा के विकास के मामले की बातें ये सुनना ही नहीं चाहते। स्पीकर सर बहन जी के प्र न का जहां तक संबंध है अगर ये कहेंगी और लिखकर देंगी तो हम उनको

ऐग्जामिन करवा लेंगे; परंतु जब यहां पर प्रदे ा के विकास की आंधी की बात आती है, प्रगति की बात आती है तो यह उठकर चल देते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर सर ये लाइन लौसिज के बारे में भी बता दें।

श्री राम पाल माजराः लाइन लौसिज के बारे में भी मैने बताया था हमने इनको कम कर दिया है और एक बो में एक टारगेट भी रख दिया है। मैं तो इस बारे में पहले ही बता चुका हूं लेकिन आप उस वक्त सुनना ही नहीं चाहते थे। स्पीकर सर जब मैं इस बारे में बताता हूं तो कैप्टन साहब लिखते रहते हैं स्पीकर सर यह वि ोश प्र न तो दान सिंह जी का था ओर वे संतुश्ट हैं। बहन जी तो कभी लिखकर ही नहीं देती हैं।

श्री अध्यक्षः दान सिंह जी, अब आप बैठें।

श्री जसबीर मलौरः स्पीकर सर में आपके माध्यम से माननीय सी.पी.एस. साहब को हरियाणा सरकार को धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने पूरे प्रदेश में बिजली के कार्यों की झड़ी लगाकर जितना काम किया है, उसको हमारे विपक्ष के साथी लच्छेदार भाशण कहकर टाल देते हैं जहां पूरे प्रदे ा में इस बारे में विकास हुआ है मेरे विधानसभा क्षेत्र में भी नए सब स्टे ान स्थापित किए जा रहे हैं वहां भी इसे अछूता नहीं हैं मेरे हलके में 220 के.वी. का सब स्टे ान तेपला और 66 के.वी का सब स्टे ान

बखेड़ी में मंजूर हुआ है; मैं मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इन सब स्टे ान को जल्दी पूरा करवाया जाए। अर वहां पर 33 के.वी. का सब स्टे ान लगाने की जरूरत है तो वह लगाया जाए क्योंकि वहां पर लोगों को फसलों के समय पर बड़ी दिक्कत होती है। मैं उनसे अनरोध करूंगा कि वे दुराना गांव में भी एक 33 के.वी. का सब स्टे ान लगवाएं। जहां पूरे हरियाणा प्रदेश में सैंकड़ों की संख्या में सब स्टे ान लगाए जा रह हैं तो वहां पर एक सब स्टे ान मेरे हलके में भी देने की कृपा करें।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर मेरे साथी ने जो प्र न किया उसके बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि इसके लिए पूरी एक योजना होती है। इयरवाइज इस बारे में ि ाडयूल बनाया हुआ है कि सब स्टे ान आगुमैंट होंगे इनकी क्षमता बढ़ाई जाएगी और ये नए लगेंगें। अगर फिर भी माननीय सदस्य गांव के लोगों की तरफ से लिखकर रिप्रेजेंटे ान दे दें तो इसको भी एग्जामिन करवा लेंगे। मुझे आदरणीय चौटाला साहब ने आदेश किया है कि यह मामला सशक्तिरण वर्श है इसलिए जहां पार्लियामैंट में राज्यसभा में हम एक महिला मैम्बर चुनकर भेजेंगे। बहन अनीता जी उठकर चली गई हैं मैं कहना चाहूंगा उनको भी आप वि वास दिलाओ कि कोसली का सब स्टे ान भी हम बहुत जल्दी ही आगमैंट करवाएंगे। वे उठकर चली गई हैं इसी बात से पता चल जाता है कि वे अपने कवै चन के प्रति कितनी सीरियस हैं।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाएं। (ाोर एवं व्यावधान) आपको भी सिखान पड़ेगा, आप भी वैसे ही खड़े हो जाते हैं।

Power House, Bhora Kalan

Sh. Ram Bir Singh: Wiil the Chief Minister be pleased to state the time by which the Power House of Bhora Kalan in the pataudi Constituenct is likely to be commissiond?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): जिला गुड़गांव के पटौदी निर्वाचन क्षेत्र के भौंडकलां में कनैक्टिग 66 के.वी लाइन के साथ एक नया 66 के.वी उपकेंद्र 2.15 करोड़ रूपए अनुमानित लागत से निर्माणधीन है, इस उपकेंद्र का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, वहीं प्रसार लाइन का निर्माण कार्य स्थानीय न्यायालय द्वारा रोक आदेश प्राप्त करने के कारण रोक दिया गया है। रोक आदेश हटने की तिथ के बाद यह उपकेंद्र तीन महीने के अंदर चालू हो जाएगा।

श्री रामबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय इस बारे में जिसकिसान ने स्टे आर्डर लिया था उससे हमने बात की है और इसी महीने में इस केस को वह विदड्रा कर लेगा। मेरी सरकार से यही प्रार्थना है कि इसको जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए। एक बात मैं और पूछना चाहूंगा कि गुड़गांव कांस्टीच्यूएंसी में गडीहरसरू 66 के.वी के बिजली घर का निर्माण कब तक हो जाएगा।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): अध्यक्ष महोदय जिस प्रकार से मेरे साथी ने खुद ही बताया कि अभी तक केस अदालत में है। जिसकी तरफ से कंप्लेट है अगर वह विदड्रा कर लेगा उसके तीन महीने में यह उपकेंद्र चालू कर दिया जाएगा। जहां एक इनके दूसरे सवाल की बात है गडीहरसरू सब स्टे ज्ञन अंडर कंसीड्रे ान है हम इसको ऐग्जामिन कर रहे है। जाहं तक इसके मेन सवाल की बात ही वह 100 प्रति ात पूरा हो चुका है। उपकेंद्र बन गया है। टावर लग गया है। पूरा काम कंप्लीट है। केवल कोर्ट के आदे ा या उसके विदड्राल की इंतजार है। जिस दिन यह आ जाए, उसकी कापी मुझे दे दें, उसके तीन महीने के अंदर–अंदर यह उपकेंद्र चालू हो जाएगा।

श्री रणबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय यदि आप इजाजत दें तो जो बहन अनीता यादव ने सवाल यिा था, उसका जवाब मैं देना चाहूंगा।

श्री अध्यक्ष: आप सवाल पूछ सकते हैं जवाब मंत्री जी देंगें ।

श्री रणबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय यह बहुत अच्छी बात है कि माननीय सदस्या अपने हलके के प्रति बहुत चिंतित हैं और हर समय अपने हलके की समस्याओं को बड़े अच्छे ढंग से उजागर करती हैं लेकिन मुझे इस बात का अफसोस है कि जिस दिन साल्हावास विधानसभा क्षेत्र में सरकार अपके द्वार कार्यक्रम के

अंतर्गत मुख्यमंत्री जी गए हुए थे उस दिन इत्तेफाक से मैं भी उनके हलके खानपुर गया हुआ था और माननीय मुख्यमंत्री जी जनहित की घोशणाएं कर रहे थे। मैने अनीता जी से कहा था कि मुख्यमंत्री जी आपके हलके में आए हैं आप यहां क्या कर रही हैं। अध्यक्ष महोदय मैं कह रहा था कि जब माननीय मुख्यमंत्री जी इनके हलके साल्हावास में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गए थे तो मैंने माननीय सदस्या को कहा था कि आपके हलके की मांगें माननीय मुख्यमंत्री के सामने रख दो परंतु सदस्या किसी सांस्कृतिक समाराह के देखने में व्यस्त थी और इन्होंने माननीय मुख्यमंत्री के सामने अपने हके की एक मांग भी नहीं रखी।

श्री अध्यक्ष: अब कवै चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Realisation from Power Utilites

***836 Sh Padam Singh Dahiya:** Wiil the Chief Minister be pleased to state wheher there is any assessemnt off revenue realisation and collection efficeieny in the working of Power Utilities during 2000-2001?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): हां श्रीमान 2000–2001 के दौरान राजस्व वसूली में 373 करोड़ रूपए का सुधार हुआ जोकि वर्श 1999–2000 की तुलना में 20 प्रति ात

की एक वृद्धि है। इसी तरह कलैक ान क्षमता में 5 प्रति ातता प्वाइंटों की वृद्धि हुई।

Computer centres in Disticts

***897. sh. Ramesh Kumar Khatak:** Wiil the Minister of state for Education be pieased to state Whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up Computer Centre in each Distict; if so the details thereof

ि ाक्षा मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): हां श्रीमान राज्य के हर जिले में कम्प्यूटर केंद्र खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। 2001–2002 में सभी 19 जिलों के लिए एक–एक कम्प्यूटर सैंटर केंद्र खोलने हेतू 11वें वित्त आयोग ने 735 लाख रूपए की धन रा ि ा प्रदान की है।

यह कम्प्यूटर केंद्र विद्यार्थियों को अच्छी कम्प्यूटर ि ाक्षा प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त यह केंद्र कम्प्यूटर के प्रयोग हेतू ि ाक्षण सामग्री एवं सहायक के रूप में प्रि ाक्षण देंगे। यह केंद्र अन्य विभागों के सरकारी कर्मचारियों को भी कम्प्यूटर प्रि ाक्षण प्रदान करेंगे और साथ ही विद्यार्थियों को वि ोश व्यवसाय आधारित प्रि ाक्षण देंगे। यह केंद्र निजी वित्ती व्यवस्था के आधार पर चलाए जाएंगे।

Repair of Road

***850 Shri Sher Singh:** Wiil the Chief Minister be pleased to state

(a) Whether it is a fact that the following road in District Jind have been damaged badly

(i) Jind-Rohtak to village Buradher

(ii) Gatuli to Samlokalan

(iii) Kerala to Uglana and

(b) if so the time by which the repair work of said road is likely to be started completed?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): (क) तथा (ख) प्र नाधीन सड़कों की मरम्मत 31 दिसम्बर, 2003 तक कर दी जाएगी।

Water works for Jhajjar City

***1002. sh. Daryao Singh Rajora:** Will the Chief Minister be pleased to state Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to construct to a works ofr Jhajjjar City and any village of Jhajjar Constituencty?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): जी हां श्रीमान झज्जर भाहर की जलापूर्ति में बढ़ोत्तरी की एक योजना राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड को भेजे जाने वाले प्रस्ताव में सम्मिलित की गई है। झज्जर निर्वाचन क्षेत्र के चार जलघरों, कासनी, खापरवास, मछरोली और खुड़ा जिनमें 13 गांव भाामिल हैं, का कार्य प्रगति पर है।

Repair of Raod of Rohtak City

*** Sh Sadi lal Batra:** Will the Chief Minister be pleased to state for Urban Development be Pleased to state.

(a) Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to repair the damaged roads of Rohtak City.

(b) if so time be which the aforesaid road are likely to be Repaired?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल):

(अ) हां श्रीमान जी

(ब) रोहतक नगर की विभिन्न बस्तियों में 13.472 कि. मि. सड़कों / गलियों की मरम्मत चालू वित्त वर्श के दौरान पहले ही पूरी की जा चुकी हैं अन्य अन्य 10 कि.मि. सड़कों की मरम्मत का कार्य 31 मार्च 2002 तक पूर्ण किए जाने की संभावना है।

Setting of New Power sub station

*** 1012. Sh. Ranbir Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state

(a) Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to set up new Power sub Station in Badhra Constituency.

(b) Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to replace the iron poles and obsolete wires in Badhra Constituency.

(c) the Quantum of electricty is being supplied to the Badhra Constituency at present together with breas up since 1996 year wise?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) नहीं श्रीमान बाढ़डा, अटेलाकलां तथा झोजू में तीन 132 के.वी उपकेंद्र तथा बरेला, रूट्रोल, कादमा, मांडी तथा लाड में पांच 33 के.वी उकेंद्र पहले ही हैं जो बाढ़डा निर्वाचन क्षेत्र में गांव की बिजली सप्लाई आपूर्ति पूरी कर रहे हैं।

(ख) लोहे के खंबे सीमैंट के ांबों के साथ बदले जा रहे हैं तथा घिसे–पीटे तारों को एक चरणबद्ध तरीके से बदला जा रहा है।

(ग) बाढ़डा निर्वाचन क्षेत्र में 1996 से लेकर अब तक आपूर्ति की गई बिजली की मात्रा का विवरण निम्न प्रकार से है।

वित्तीय वर्श	आपूर्ति की गई बिजली की यूनिट लाखों में	वर्श 1996–97 से आगे वृद्धि का प्रति ात
1996–97	1466	...
1997–98	1259	–14.12 प्रति ात
1998–99	1423	–2.93 प्रति ात

1999—2000	2057	40.31 प्रति ात
2000—2001	2151	46.73 प्रति ात
2001—2002	2104	57.72 प्रति ात
फरवरी 2002 तक	फरवरी 2002 तक	1996—1997, फरवरी 1997 तक के साथ तुलना करें

Construction of Stud on Yamune

***958 Sh. Udai Bhan:** Will the Chief Minister be pleased to state

(a) Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to erect any stud on the Yamuna River to check the soil erosion of the village of Dist. Faridabad adjacent to he said River; and

(b) if so the time by which the work of the said stud is likely to be started?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) हां श्रीमान जी

(ख) ठोकर (स्टड) का कार्य मई 2002 में भाुरू करने की संभावना है।

Rapatr/Construction of Roads

***1031 sh Ram Kumar Nagura:** Will the Chief Minister be pleased to state

(a) Whether there is any perposal under condiseration be pleased to state of following Roads of Rajaund Constituency.

(i) Dhatrath to Aleva

(ii) Tidana Bus Stand to Ritoli; and

(b) Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to construct the road from Pegga to Katwal?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): (क) तथा (ख): नहीं श्रीमान जी, ये सड़कें पहले ही निर्मित हैं।

Death occured in Police custody

***1049 Shri Krishan Pal:** Will the Chief Minister be pleased to state. The number of death if any occurred in police custody in the State during the year 2000-2001 abd 2001-2002

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): राज्य में वर्श 2000–2001 के दौरान 4 व्यक्तियों की और 2001–2002 के दौरान भी 4 व्यक्तियों की मृत्यु पुलिस हिरासत में हुई है।

Selection Grade for School Lecturers

***910. Sh Balwant singh:** Will the Minister of state for Education be pleased to state whether the lacturesrs of School Carde, Who fall in the ambit of 20% quota have been given selection grade if not the reason there of?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): जीं हां सरकार ने उनके पत्र कमांक 2/8/98 ि ा. iii (1), दिनांक 12–12–2000 के अंतर्गत प्राध्यापकों के कुल पदों पर 20 प्रति ात प्राध्यापकों को रूपए 7500–12000 का प्रवरण वेतनमान देने की स्वीकृति दी है।

इन कर्मचारियों को प्रवरण वेतनमान देने के संबंध में उनका सेवा रिकार्ड पूा करने हेतू संबंधित जिला ि ाक्षा अधिकारियों/ संस्थाओं को लिखा हुआ है। इनमें से 712 वरिश्ठतम अध्यापकों को यह लाभ दिया जा चुका है। भोश का रिकार्ड पूर्ण होने पर प्रवरण वेतनमान का लाभ दे दिया जाएगा।

Building of Mewat Model Schol, Boraka

***982. Shri Bhagwan Sahai Rawat:** Will the Minister for Town and Country Planing be pleased to state whether the Government is aware of the fact that the constuction work o the building of Mewat Model School Boraka in Hathin is lying incomplete; if so the time by which the aforesaid building is likely to be completed.

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): इस इमारत का कार्य चल रहा है तथा जून 30, 2002 तक पूरा होने की संभावना है।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Upgradation of G.H.S. Urlana

100 Sh padam Singh Dahiya: Will the Minister of state for Education be pleased to state

(a) Whether there is any perposal under condiseration of the Govt. to upgrade the Government High School. Urlana Kalan, Dist. Panipat Which fulfil all the norms and announcement for the purpose sas been made in the second phase of “Sarkar App ke Dawar Programme”; and

(b) if so the time by which the aforesaid School is likel to be upgrade

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह):

(क) राजकीय उच्च विद्यालय उरलाना कलां जिला पानीपत को राजकीय वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालय का दर्जा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। विद्यालय दर्जा बढ़ाने हेतू वांछित मापदंड पूरे नहीं करता।

(ख) उपर क के दृश्टिगत प्र न ही नहीं उठता।

Salary of the Employees of Government Aided Colleges

103. Sh anil Vij: Will the Minister of state for Education be pleased to state whether it is a fact that large number of employees of the Govt. Aided Colleges in the State are not getting their saliaries in time; if so the name of such colleges?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): नहीं श्रीमान जी

Installation of Trafic Light

104 Shri Anil Vij: Will the Chief Minister be pleased to state

(a) Whether there is any perposal under condiseration of the Government to instal traffic light on crossing of National Highways No. 1, Staff Road Crossing near Railway Station, Shastri Colony, Ambala Centt And Model Town Crossing, Ambala City; And

(b) if so by what time aforesaid proposal is likely to be materialied?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) नहीं श्रीमान जीं

(ख) उपरोक्त (क) के दृश्टिगत प्र न ही नहीं उठता।

Shortage of Drinking Wate in Village Gothra

105 Ch. Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that there is a shoryage of drinking water in Village Gothra Tehsil Dadri if so the reasons thereof together with time by which the aforesaid shortage of drinking water is likely to be met out?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): गांव गोठड़ा के लिए नहरी पानी पर आधारित जलघर वर्श 1997 में स्वीकृत तथा वर्श 1999 में पूरा हुआ था। गोठड़ा माइनर के अंतिम छोर पर स्थित है। इस नहर के अंतिम छोर पर नहरी पानी की अनिश्चितता

के कारण गांव गोठड़ा में पेयजल की कमी है। नहरी पानी की सुनि चतता के साथ ही यह कमी दूर हो जाएगी। परंतु नहरी पानी की सुनिश्चिततता की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकतीं।

Organi System of Farming

106 Ch. Jagjit Singh: Will the Minister for Argiculture be pleased to state whether the Organic system of Farming is being adopted in the State if so the details thereof?

कृशि मंत्री(सरदार जसविंद्र सिंह संधू): कुछ किसानों ने बहुत ही सीमित स्तर पर कृशि की जैविक प्रणाली से खेती आरंभ की है। कृशि विभाग ने किसानों को इस बारे जानकारी प्रदान करने के लिए हाल ही में एक दिवसीय जागरूकता ि ाविर आयोजित किया। पिफर भी कृशि की जैविक प्रणाली का प्रचलन अभी तक सीमित ही है।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष: अब माननीय मुख्यमंत्री जी भाोक प्रस्ताव पढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय मैं आपकी अनमुति से एक भाोक प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुति करने जा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय जब भी सदन में कोई भाोक प्रस्ताव पढ़ा जाता है तो दुख भी होता है और गौरव भी अनुभव होता है।

कोई भी दिन ऐसा खाली नहीं जाता जिस दिन सजग प्रहरी के रूप में हमारे हरियाणा प्रदे ा का कोई न कोई जवान भारत माता की रक्षा हेतू अपने प्राणों को न्चौछावर नहीं करता हो। 20 वर्श की आयु के जवान जाते हैं। पूरे प्रदे ा को उनकी मृत्यु से इसलिए भी दुख होता है कि वे दे ा को उज्जवल भविश्य हैं लेकिन गर्व और गौरव इस बात का है कि उन्होंने दे ा के सम्मान और गौरव को बढ़ाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। अध्यक्ष महोदय एक 10 मार्च को और एक 16 मार्च को, दो जवान भाहीद हुए हैं। 10 मार्च 2002 को गांव हुडिया कलां जिला रेवाड़ी का भाहीद हनुमान और 16 मार्च 2002 को गांव लोआ माजरा जिला झज्जर के राके ा भाहीद हुए। उनके लिए अपने अश्रुपूर्ण नमता करता है जिन्होंने अपनी मातृभूमि की एकता और अखंडता के लिए अदम साहत और वीरता से लड़ते हुए अपने मूल्यावान जीवन का बलिदान दिया। यह सदन इन वीर सिपाहियों की भाहादत पर उन्हें भात– ात नमन करता है और उनके भाोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौ. भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, जो भाोक प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री जी ने रखा है, मैं और मेरी पार्टी इससे पूरी तरह से सहमत हैं और इन भाहीदों को जिन्होंने भाहादत दी है, उसको जितनी भी श्रद्धांजलि दी जाए, उतनी में समझता हूं कम हैं।

श्री कृश्णपाल (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस सदन में जो भाोक प्रस्ताव रख ाहे, उसमें में अपने को और अपनी पार्टी को सम्मिलित करता हूं और भाोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण भाोकाकुल परिवारों को सदन की संवेदना पहुंचा दी जाएगी और अब मैं दिवंगत आत्माओं के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिण इस सदन के सभी सदस्यों को खड़ा होने के लिए अनुरोध करता हूं।

(इस समय सदन में दिवंगत आत्माओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

नियम 64 के अधीन वक्तव्य

Mr. Speaker: Hon'le Memvers now the Chief Minister will make a statemnet towared the public importance under Rule 64 of Procedure and conduct of vbusiness in Haryana Legislative Assembly.

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से इस पूरे सदन का ध्यान 17 मार्च को लोहरू में हुई साम्प्रदायिक घटना की तरफ आकर्शित करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय हाल ही में गुजरात के गोधरा कस्बे में रेल यात्रियों को जिंदा जलाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में साम्पन्नदायिक सदभावना को ठेस पहुंचाने की कई प्रकार

के भारारती तत्वों ने कोि ा ा की है। समाचार पत्रों की रिपोर्ट के मुताबिक देश के विभिन्न हिस्सों में साम्प्रदायिक हिंसा का दौर जारी है और यह अत्यंत खेद एवं चिंता का विशय है। इसी स्थिति का नाजायज फायदा उठाकर कुछ भारारती तत्वों ने 16/17 मार्च 2002की रात को लोहझ्रय कस्बे में यह अफवाह फैला दी कि लोहरू कस्बे में स्थित एक पुरानी मस्जिद में गौहत्या की गई है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए मौके का निरीक्षण किया और पूरी खोजबीन करके इस अफवाह को निर्मूल साबित करते हुए लोगों को समझा–बुझाकर उनके घर भेज दिया। जिस गाय की हत्या का जिक करके अफवाह फैलाई गई थी, वह गाय भी लोगों ने अपनी आंखों से देखी और लोग संतुश्ट होकर अपने ारों को चले गए। 17 मार्च 2002 को सुबह लगभग 9 बजे जब नजदीक के गांवों से ोग लोहझ्रय कस्बे आना भारू हुए तो इन भारारती तत्वों ने फिर उन लोगों के बीच गोहत्या की अफवाह फैलानी भारू कर दी ओर बाजार को बंद करवा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस फिर मौके पर पहुंची ओर उन लोगों को समझाने–बुझाने की कोि ा ा की। देखते ही देखते इन भारारती तत्वों के साथ आसपास के गांवों और कस्बों के लगभग 2000/2500 लोग इकट्ठे हो ग और उन्होंने अल्पनसंख्यक समुदाय के धर्म स्थलों, दुकानों और घरों को नि ााना बनाना भारू कर दिया। पुलिस ने इन लोगों को रोकने की कोि ा ा की तो इन्हेंने पुलिस पर पत्थराव किया और इस पत्थराव में कई पुलिस कर्मचारी घायल हो गए। पुलिस ने चेतावनी देते हुए इन लोगों पर पहले हल्का लाठीचार्ज किया और

फिर हवा में गोलियां चलाकर इन्हें खदेड़ दिया। लेकिन इस दौरान भीड़ में भाामिल भारारती तत्वों ने एक मस्जिद के गुम्बंद को कुछ नुक्सान पहुंचाया और एक मस्जिद में आगजनी की। अल्पसंख्यक समुदाय की 10 दुकानों एवं 7 घरों को नुक्सान पहुंचाया और आगजनी की। घटना की सूचना मिलते ही उपायुक्त, भिवानी तथा पुलिस अधीक्षक भिवानी अतिरिक्त पुलिस बल और फायर ब्रिगेड के साथ लोहारू पहुंचे और उन्होंने स्थिति का निरीक्षण किया। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 100 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और किसी को भी किसी प्रकार का कोई जिस्मानी या जानी नुक्सान नहीं हुआ। पुलिस ने इस संबंध में 30 लोगों के विरूद्ध नामजद और अन्य लोगों के विरूद्ध आगजनी, लूटपाट, साम्प्रदायिक, बलवा, सरकारी कार्यों में बाधा डालने और सरकारी कर्मचारियों पर हमला जैसे आरोपों से संबंधित 4 मुकदमें थाना लोहारू में दर्ज किए गए। अभी तक इस संबंध में पुलिस ने 30 नामित व्यक्तियों में से 14 को गिरफ्तार कर लिया और कुल मिलाकर 21 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की है। बाकी लोगों को भी भाीघ्र गिरफ्तार करने की प्रकिया चल रही हैं। कुछ समाचार पत्रों में पुलिस की गोली से घायल कुछ लोगों के नाम छापे गए है। लेकिन पुलिस को इस संबंध में अभी तक दो लोगों के पत्थराव में घायल होने की सूचना आधिकारिक तौर पर प्राप्त हुई हैं।

आज दिनांक 18 मार्च 2002 को लोहारू का पूरा बाजार खुला है। जिस मस्जिद को नुक्सान पहुंचाया गया था लोगों ने साम्प्रदायिक सदभाव का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए प्रबुद्ध सामाजिक लोगों की निगरानी में उसकी मरम्मत का काम भुरू कर दिया है।

सरकार प्रदे ा में हर कीमत पर साम्प्रदायिक सदभाव बनाने के लिए वचनबद्ध है तथा भारारती तत्वों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदे ा में साम्प्रदायिक सदभाव बिगाड़ने की इजाजत किसी को ीाी नहीं दी जाएगी। इस घटना के मद्देनजर सभी जिलों के उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों को सतर्क कर दिया गया है तथा अफवाह फैलाने वालों और असामाजिक तत्वों के विरूद्ध सख्ती से निपटने के आदेश प्रशासक को दिए गए हैं। मैं इस नाजुक मसले पर सदन में सभी पार्टियों से संबंधित विधायकों से अनुरीाोध करूंगा कि वे सभी लोग इस संवेदन ील मामले पर सरकार का सहयोग करें और प्रदे ा में साम्प्रदायिक सदभाव सहचार और भाईचारा बनाए रखने में मदद करें।

चौ. भजनल लालः अध्यक्ष महोदय में जीरो आवर पर बोलना चाहता हूं

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप बैंठें मुझे एक अनाउसमैंट करनी है।

राज्यपाल से संदे ा

Mr. Speaker: Hon'le Members I Have received a communication from His Excellancy babu Parmanand Governer of Haryana on 16 th March 2002 which reads as under:

"Dear Shri Kadian Ji"

I have received your demi official communication date 11th March 2002 No. HVS LA 51/2002/3756 alongwith which a copy of Motion to Thanks passed by the Haryaa Vidhan Sabha on my Address on 11th March 2002 has been sent to me.

Please doconvey my profound appreciation and ackonwledgment regarding the same of all the esteemend members of the Haryana Vidan Sabha.

With Regards

Yours Sincerely

Sd/-

(Babu Parmanand)

On behalf of His Execellency the Governor of haryana i Thank all the Hon'ble Members of this House.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will moe the Mation under Rule 121 regarding nominations of various Committess.

Finace Minsiter (Prof. Sampat Singh): Sir i beg to move

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legistative Assembly in so far as they relate to the constition of the

(i) Committee on Public Account

(ii) Committee on Estimates

(iii) Committee on Public Undertaking and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes Scheduled Tribes and for the year 2002-2003 be suspended.

Sir I also move

That this house authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nominate the Mamber of the Afosrsaid Committee fot the year 2002-2003 keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the house.

Mr Speaker: Motion moved

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legistative Assembly in so far as they relate to the constition of the constitution of the

(v) Committee on Public Account

(vi) Committee on Estimates

(vii) Committee on Public Undertaking and

(viii) Committee on the Welfare of Scheduled Castes Scheduled Tribes and for the year 2002-2003 be suspended.

That this house authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nominate the Mamber of the Afosrsaid Committee fot the year 2002-2003 keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the house.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय चौधरी संपत सिह जी जो प्रस्ताव रूल 231 और दूसरे रूल्ज के तहत कमेटीज के गठन करने के बारे में लाए हैं इस बारे में मैं यह कहना चाहता हू कि सदन के मुताबिक और हरियाणा विधानसभा के रूल्ज के मुताबिक सही बात तो यह है कि इन चारों कमेटीज के सदस्यों का चयन चुनाव प्रकिया के तहत होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय आप अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रदे ा के लोगों के जो महत्पूर्ण मुद्दे होते हैं या तो सरकार के अधिकारियों की जो कमिंया होती हैं, उनके बारे इन कमेटीज में चर्चा होती है और उसके बाद कमेटीज की रिपोर्ट यहां पेश की जाती हैं अध्यक्ष महोदय चौधरी संपत्त सिंह जी प्रस्ताव लाना चाहते हैं कि इन कमेटीज के मेम्बर चुनने का अधिकार आपको दे दिया जाए। इस संबंध में मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं और इस बो में सभी विपक्ष के सदस्यों ने बड़ी लंबी चर्चा की हैं। और आपको यह लिखकर भी दिया हुआ हे कि इन कमेटीज के मैमबर का गठन सदन में चुनाव प्रकिया द्वारा किया जाए। 1989 में चौधरी देवीलाल जी की सरकार थी, उस समय इस प्रथा को बदला गया था।

श्री अध्यक्ष : यह बात 1989 की नहीं 1986 की होगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर मेरी जानकारी के मुताबिक तो यह बात 1989 की है लेकिन आपके द्वारा सभी कमेटीज के मैमबर का चयन किया जाए यह अच्छी प्रथा नहीं हैं मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन कमेटज के मैंबर उन विधायकों को चुना जाए, जो वरिश्ठ हैं और कई दफा विधायक बन चुके हैं और वे सरकार की कारगुजारियों और अधिकारियों से अच्छी तरह परिचित होते हैं। वरिश्ठ सदस्य इन कमेटीज के मैबंद तभी बन सकते हैं, जब चुनाव प्रकिया के तहत इन कमेटी के मैबंरों का चयन किया जाए। मैं आपको Rules of Procedure and conduct of Busness in Haryana Legislatiove Assembly के रूल 231 (3) पढ़कर सुनाता हूं जिसमें लिखा है

The Committee in Public Account Shall consist of not more than nine member who shall be elected by the Assemby.

श्री अध्यक्षः दलाल साहब आप अपनी बात कह चुके हैं प्लीज आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय हम इस प्रस्ताव का विरोध करते हैं। कमेटीज के सदस्यों का चयन चुनाव होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब हम इन कमेटीज को कांस्टीच्यूट के बारे में जो रूल हैं, उसे सस्पैंड कर रहे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन कमेटीज के सदस्यों का चयन लोगों की भावनाओं को देखते हुए सदन में चुनाव प्रकिया से किया जाए और यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुददा है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब आब प्लीज बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय मुझे अपनी पूरी बात कहने दें। मैं कोई अनपार्लियामैंट्री बात नहीं कर रहा।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब आप बैठें, चौधरी भजन लाल जी आप बोलिएं। आप क्या कहना चाहते हैं।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय मुझे 2–3 बातें कहनी हैं।

श्री अध्यक्षः आप पहले इसी सबजैक्ट पर ही बोलें।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय जो प्रस्ताव आपको कमेटी के सदस्य नोमिनेट करने के बारे में आया है , इसमें वह सब को इतना सं ाय है कि आपसे हमको इंसाफ की उम्मीद

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

चौ. भजन लालः आप क्या इंसाफ की बात कर रहे हैं।

श्री अध्यक्षः हां मैं बिल्कुल इंसाफ की बात करता हूं।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): चौधरी भजन लाल जी आप स्पीकर साहब की अथोरिटभ को चैलेंज नहीं कर सकते।

चौ. भजन लालः इसमें चैलेंज करने की क्या बात हैं। मैं कौन सा कोर्ट में जाउंगा। बात जो मैनं कहनी थी वह कह दी। आप मानें या न मों आपकी मर्जी है। अध्ययक्ष महोदय दूसरी बात में यह कहना चाहता हूं कि प्रदे ा में लोहारू में हुई हिंसा के बारे में सरकार की तरफ से जो कहा गया है उसके बारे में मैं सरकार की तरफ से ठीक कहा गया है और हम इस मामले में परी तरह से सरकार के साथ हैं। मुझे अभी और भी कहना है। अभी मेरी बात पूरी नहीं हुई है।

श्री अध्यक्षः चौ. भजन लाल जी रूल 64 के तहत जब मिनिस्टर कोई स्टेटमैंट देता है तो उसके बाद उस पर कोई सप्लीमैंटरी नहीं हो सकती और न कोई डिस्कसन हो सकती। गर्वनमैंट ने जवाब दे दिया है। अगर आप रूल पढ़ना चाहते हैं तो मैं हिंदी की किताब आपको भिजवा देता हूँ;

चौ. भजन लालः स्पीकर साहब आपने जो कहा है उसको हमने मान लिया है।

श्री अध्यक्षः अगर आपने मेरी बात मान ली है तो फिर इस पर और डिस्कसन की जरूरत नहीं है।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय यह बड़ा सीरियस मैटर है।

वित्त मंत्री (प्रो. संपत सिंह): चौधरी साहब जो कर्ण सिंह दलाल जी ने कहा है उस बारे में आप क्या कहना चाहते हैं।

चौ. भजन लालः जो बात मैं कहना चाहता हूं उसको आप पहले सुनो।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब अभी जो मैटर चल रहा है वह दूसरा चल रहा है। इस पर आपने जो कहना है वह कहें।

प्रो. संपत सिंहः चौधरी साहब इस बारे में आपकी क्या राय है?

चौधरी भजन लालः अगर कमेटी के मैम्बरों को गठन इलैक ान द्वारा हो जाए तो क्या बुरी बात है?

प्रो. संपत सिंहः चौधरी साहब आप यही चाहते हैं कि कमेटियों का गठन इलैक ान द्वारा हो जाए।

चौ. भजन लालः हम तो चाहते हैं कि इन कमेटियों का इलैक ान हो जाए।

प्रो. संपत सिंहः स्पीकर साहब अब मैं इस बारे में बताता हूं। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब खुद चौधरी भामशेर सिंह सुरजेवाला पार्लियामेंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर थे और तब मुख्यमंत्री भाायद चौधरी बंसीलाल जी थे। उन दिनों 10–3–1987 को यह प्रस्ताव पार्लियामेंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर की तरफ से आया था कि यह रूल सस्पे।ड करके इन चारों कमेटियों को बनाने के लि स्पीकर साहब को एथोराइज्ड किया जाए और तब से लेकर आज तक यानी पिछले 15 सालों से यही चला आ रहा है । इस बारे में आज दलाल साहब ने भी अपनी बात रखी है और विपक्ष के नेता भी यही कह रहे हैं कि इन कमेटज के चुनाव हों। ये जो कह रहे हैं, अछी बाती है। अध्यक्ष महोदय इस बारे में फिर यही कहूंगा कि अच्छा तो यही रहेगा कि आपको यह अधिकार दे दिया ाए ताकि आप पार्टी मैम्बर्ज की संख्या के आधार पर इन कमेटियों में मैम्बज को नोमिनेट कर सकें क्योंकि जिन पार्टियों के सदस्यों की संख्या कम है, वे चुनाव के दौरान इन कमेटियों में नहीं आ पाएंगें। अगर आप इन कमेटियों को नोमिनेट करते हैं तो फिर सभी पार्टीज के मैम्ब्रों को उनमें नोमिनेशन मिल जाता है। यह परम्परा इसलि चलाई गई थी ताकि सभी पार्टीज को इन महत्वपूर्ण कमेटीज में नोमिने ान मिल सके वरना संख्या के आधार पर तो वे इन कमेटीज में नहीं आ सकते क्योंकि किसी पार्टी के 5 मैम्बर हैं। यदि इन कमेटीज के चुनाव करवाएंगे तो एक भी मैम्बर इन 4 कमेटीज में नहीं आ सकता। अध्यक्ष महोदय यह प्रस्ताव तो अपोजी ान के हित के लिए ही

रखा था ताकि अपोजी ान जो माइनोरिटी में भी हो तो भी इसके मैमबर्ज इन कमेटीज में आप के द्वारा नोमिने ान के माध्यम से आ सकें लेकिन फिर भी ये चाहते हैं कि चुनाव हों तो हमें इस पर कोई ऐतराज नहीं है। इसके बावजूद भी हम तो इसी बात के पक्षधर हैं कि यह अधिकर आपको मिले। इस बारे में सरकारी पक्ष की ज्यादा जिम्मेदारी बनती है। मैं यही चाहता हूं कि सभी मैम्बर्ज वि ोशकर विपक्ष के मैम्बर किसी न किसी कमेटी में जरूर आ जाए। स्पीकर साहब यह आपकी दरियादिली रही है कि कई बार आपने एज ए स्पे ाल इन्वाइटी के रूप में भी कमेटीज में एम. एल.एज को नोमिनेट किया ताकि सभी कमेटीज में सभी पार्टीज के मैम्बर्ज आ सकें और वे मीटिंग में आए और वे उस मीटिंग में केंद्रीब्यूट कर सके। उनका कंट्रीब्यूट लेने के लिए उनकी मदद लेने के लिए उनका सहयोग लेने के लिए ही आपको यह अधिकार देने की बात है। यदि इनके अनुसार इन कमेटीज के चुनाव करवाएंगे तो पार्टी संख्या के आधार पर कई मैम्बर्ज चुनाव के माध्यम से कमेटीज में आने से रह जांएंगे। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि यह प्रस्ताव अपोजी ान के हित में ही हैं यदि हम यह प्रस्ताव पास नहीं करेंगे तो फिर यह अपोजी ान के हित में नहीं होगा। इन कमेटीज के चुनाव करवाने में सरकारी पक्ष की तरफ से कोई ऐतराज नहीं है। अगर ये चुनाव करवाना चाहते हैं तो हम बिल्कुल तैयार हैं लेकिन चुनाव करवाना उनके हित में नहीं होगा। हम यह नहीं चाहेंगे कि इनका हित न हो। अध्यक्ष महोदय चाहे सत्ता पक्षहो या अपोजी ान पक्ष हो सब के मैम्बर्ज को आप

इन कमेटीज में नोमिने ान कर पाएंगे यही प्रस्ताव को लाने का उदे यय था और यही इस बारे में मेरा निवेदन था।

श्री अध्यक्षः अब तक की जो पास्ट प्रैक्टिस रही है, उसके मुताबिक के नेता अपने मैम्बर्ज के नोमिनीज की लिस्ट देते हैं कि हमारे फला–फलां मैम्बर्ज को फलां–फलां कमेटीज में कंसीडरकिा जाए और इसी हिसाब से अब तक विपक्ष द्वारा दी गई लिस्ट कंसीडर होती रही है। चौधरी भजन लाल जी द्वारा दिए हुए नाम भी कंसीडर होते रहे है। चाहे इनके लड़के हे ंया चाहे कोई इनका एम.एल.ए. हो हमने उनको कमेटीज में नोमिनेट किया है और फिर चाहे वे उस मीटिंग में आए या न आएं लेकिन हमने इनकी लिस्ट को कंसीडर अव य किया है।

चौ. भजन लालः हमने जो कहा है वह आपने नोमिनेट नहीं किया है।

श्री अध्यक्षः हमने वही किया है।

चौ. भजन लालः आपने वह नहीं किए।

श्री अध्यक्षः चलो खैर यह बहस का मुददा नहीं है। आप लोगों की मर्जी हैं। जैसा हाउस चाहेगा वैस होगा। हमने अपनी बुद्धिमता से काबिल आदमियां को अच्छी कमेटीज में स्थान दिया हैं ।

प्रो. संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय ये आप बताएं। कोई मैम्बर्ज कुछ कहेगा। कोई कुछ कहेगा। इससे कोई फायदा नहीं होगा।

चौ. भजन लालः स्पीकर साहब, मैं ऐसी बात नहीं करता कि कोई कंट्रोवर्सी हो, जिससे किसी को तकलीफ हो। मैं नाम दे दूंगा, उसके मुताबिक चाहे किसी भी पार्टी का मैम्बर हो, उसको नोमिनेट आप कर दें ताकि किसी को कोई तकलीफ नहीं हो।

प्रो. संपत सिंहः स्पीकर साहब, एोमोडेट तो कर सकते हैं लेकिन हू ब हू तो कर नहीं सकते। वर बेटम नहीं कर सकते स्पीकर साहब, मैकसिमम एकोमोडट कर सकते हैं, वह करते हैं।

श्री अध्यक्षः जो जिस कमेटी के काबिल है, उसको उसी कमेटी में रखा जाएगा। (विघ्न एवं भाोर)

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय हम लोग आपको नाम लिखकर दे देंगे। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः चौधरी साहब, आपकी लिखी हुई बात ज्यों का त्यों मानना स्पीकर साहब के लिए जरूरी नहीं है वे आपकी बात को मानने के लिए पाबंद नहीं हैं। यह उनकी पावर में हैं कि किसे रखें किसे न रखें। आप नाम लिख कर दे वे उनमें से नाम चयन करेंगे। दो ही तरीके हैं या तो आप नोमिनेशन पर आएं या इलैक ान पर आएंख, तीसरा कोई आल्टरनेटिव तरीका है ही नहीं।

चौ. भजन लालः यही तो हमने कहा है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः फिर तो हम चाहते हैं कि हर जगह 2–2 या 3–3 नाम मांगें जाएं उनमें से जितने आ जाते हैं जितनी भी संख्या होगी आप नाम भेज दिजिए , यह स्पीकर साहब की मर्जी की बात है कि किसको नामदज करते हैं।

चौ. भजन लालः हम आपको नाम देंगे। संख्या के मुताबिक और सीनियोरिटी के हिसाब से आप उन्लहें कर सकते हैं। (विघ्न एवं भाोर) दूसरे अध्यक्ष महोदय, मैं एक और बात करने जा रहा था। (विघ्न)

Mr. Speaker: Question is

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legistative Assembly in so far as they relate to the constition of the constitution of the

(i) Committee on Public Account

(ii) Committee on Estimates

(iii) Committee on Public Undertaking and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes Scheduled Tribes and Backward Clases,

for the year 2002-2003 be suspended.

That this house authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nominate the Mamber of the Afosrsaid Committee fot the year 2002-2003 keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the house.

The motion was carried

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आप बैठिये (विघ्न एवं भाोर) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न) इस बारे में चौधरी भजन लाल जी को आपसे ज्यादा पता है और वे सैटिस्फाइड हैं इसलिए आप बैठें। (विघ्न एवं भाोर)

अति वि ाश्ठ व्यक्त्यिों का स्वागत

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण। हरियाणा विधानस सभा में राज्यसभा के लिए नए निर्वाचित सदस्य श्रीमति सुमित्रा महाजन और श्री हरेंद्र सिंह मलिक वी.आई.पी. गैलरी में उपस्थित हैं, मैं हाउस की तरफ से उनका स्वागत करता हूं। (इस समय मेजें थपथपाई गई)

चौ. भजन लालः स्पीकर साहब, मैं इतनी देर से आपकी सीट पर खड़ा हुआ हूं। आप मेहरबानी करके मेरी बात सुनिए। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप अभी बैठें (विघ्न एवं भाोर) यह रिपोर्ट आप प्रस्तुत हो लेने दें, उसके बाद आप बोल लेना। (विघ्न एवं भाोर)

समितियों की रिपोर्टस प्रस्तुत करना

(1) लोक लेखा समिति की 52वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now Shri Bhagi Ram. Chairperson, Commmittee Public Accounts will present the Fifty Second Report of the Committee on public Accounts for the year 2001-2002 on the Report o the Comptioller and Auditor General of India for the year ended 31 st March 1997 (civil and Revenue Receipts) (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः भागी राम जी पहले आप रिपोर्ट पे ा करें उसके बाद आप बोलें। (भाोर एवं व्यावधान) भजन लाल जी आप अपने मैम्बर्ज को बिठाएं। (भाोर एवं व्यावधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय एक व्यवस्था का प्र न हैं हमारे विपक्ष के नेता की विपक्ष के सदस्यों के सामने या तो कोई मजबूरी है या इनकी कोई पोजी ान नहीं है। इनकी पार्टी के विधायक इनके कंट्रोल से बाहर हैं या ये उनको कंट्रोल करने में सक्षम नहीं हैं या उनसे अपनी बात नहीं मनवा सकते है। (भाोर एवं व्यावधान) अध्यक्ष महोदय अनु ाासनीनता की वजह से सदन का समय खराब हो जाता है। (भाोर एवं व्यावधान) आपको विपक्ष के नेता होने के

कारण जानकारी होनी चाहिए कि अगर आपकी बात नहीं मानता तो आप उनके खिलाफ सख्ती करके उनको बर्खास्त कर सकते हैं। आपको इस बात का ज्ञान नहीं है इसलिए मैं आपको यह बात बता रहा हूं। (भाोर एवं व्यावधान)

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय आप मुझे बोलने दें।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप उनको रिपोर्ट पढ़ने दें।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह जीरो आवर है और आप हमें बोलने दें।

प्रो. संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आफि ायल बिजनै ा भाुरू हो गया है। अब जीरो आवर कहां से रह गया है?

चौ. भजन लालः स्पीकर सर, आप हमें यह बताएं कि यह जीरो आवर है कि नहीं है। (भाोर एवं व्यावधान)

श्री अध्यक्षः जीरो आवर खत्म हो चुका है। (भाोर एवं व्यावधान)

वित्त मंत्री (प्रो. संपत सिंह): अध्यक्ष महोदय, जो लिस्टिड बिजनैस है, वह टेक अप हो रहा है, उसके बाद जीरो ओवर कहां से रह जाता है? अध्यक्ष महोदय अनफारचुलेटली ये रूल्ज पढ़कर आते नहीं हैं, मौ ान मूव हो

चुकी है तो जीरो आवर कहां से रह गया है? मुख्यमंत्री जी ने जब स्टेटमैंट दी थी उस समय जीरो आवर था। (भाोर एवं व्यावधान)

चौ. भजन लालः

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी जो भी बोल रहे हैं, वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। भागी राम जी आप रिपोर्टश पे ा क्यों नहीं करते? (भाोर एवं व्यावधान)

चौ. भजन लालः

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, गर्म न हों आप तो बड़े ठंडे आदमी हैं, गर्म कैसे हो रहे हो।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही जरूरी मामला है।

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे हैं, वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। भागी राम जी आप अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। (भाोर एवं व्यावधान) आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। ये जो भी बोल रहे हैं, कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए।

श्री भागी राम (चेयरपर्सन, लोक लेखा समिति): महोदय मैं 31 मार्च 1997 को समाप्त हु वर्श (सिविल तथा राजस्व प्राप्तियां) के लिए भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर वर्श 2001.2002 के लिए लोक लेखा समिति की 52वीं रिपोर्ट सादर सदन के समक्ष प्रस्तुत करता हूं।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय आप हमारी बात सुनें।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप क्या कहना चाहते हैं।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह कहना है कि दे ा के अखबारों में भी और आडिटर जनरल ने भी अपनी रिपोर्ट में बारे में बताया हैं।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आपका इस बारे में एडजर्नमैंट मो ान दोपहर 1.51 बजे पर आया है। यह मो ान अंडछर कंसीड्रे ान है। अभी आप बैठ जाएं। इस तरह का मो ान एक घंटा पहले आना चाहिए। (भाोर एवं व्यावधान)

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय आप हमारी बात सुनने की कृपा करें क्योंकि यह कोई छोटी बात नहीं है यह बहुत बड़ी बात है इसलिए आप हमारी बात सुनें।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप हरियाणा असैम्बली की रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडैक्ट आफ बिजनैस की किताब में रूल 67 पढ़कर देंखें। (भाोर एवं व्यावधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय सरकारी बिजनैस आने के बाद जीरो आवर अपने आप ही समाप्त हो जाता है और चौधरी भजन लाल जी इस बात को समझते भी हैं इसलिए वे मान जाते हैं ओर बैठ जाते हैं। लेकिन उनके जो दूसरे साथी हैं वे उनसे बार–बार कहते हैं कि ऐसा करो ऐसा करें। अध्यक्ष

महोदय जब ये आपके खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लेकर आ थे उस वक्त भी इन्होंने ऐसा ही प्रयास किया था। भजन लाल जी की भी मजबूरी हैं इन्होंने उस समय भी पूरी कोि ा ा की थी।

चो. भजन लालः नहीं–नहीं अध्यक्ष महोदय ऐसी कोई बात नहीं थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय इनको किसी ने समझा दिया और इनकी समझ में आ गया। इनकी मजबूरी है। इनको पता होना चाहिए कि अगर सरकारी बिजनैस एक बार आ जाए तो जीरो आवर खत्म हो जाता है। (भाोर एवं व्यावधान)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप बैठिए। आपका यह मो ान अंडर कंसीड्रे ान है।

चौ. भजन लालः स्पीकर साहब पहले आपने कहा था कि जब पूरा मो ान आ जाएगा तो उस वक्त आपको पांच मिनट बोलने के लिए दिए जाएंगें और अब आप हमारी बात ही नहीं सुन रहे हैं। (भाोर एवं व्यावधान) यह 600 करोड़ रूपए के घपले की बात है।

(ii) लोक उपकमों संबंधी समिति की 49वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now Shri Balwant Singh Maina, Chairperson, Commmittee on Public Undertaking will Present the Foryy Ninith Report of the Committee on Public Undertaking for the year 2001-2002 on the Report o the

Comptioller and Auditor General of India for the year 1996-97 & 1998-99 (Commercial)

श्री बलवंत सिंह मायना (चेयरपर्सन लोक उपकमों संबंधित समिति): अध्यक्ष महोदय मैं 1996–97 (वाणिज्यिक) के लिए भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट हरी वर्श 2001–2002 के लिए लोक उपकमों संबंधित समिति की 49वीं रिपोर्ट सादर प्रस्तुत करता हूं।

(iii) अनुसूचित जातियों, जन जातियों तथा पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए समिति की 26वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now Shri Nafe Singh Jundla. Chairperson Committee on the Walfare of Scheduled Clases, Scheduled Tribs and Beckward Classes will present the Twenty Sixth Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Clastes, Scheduled Treibes And Backward Clesses for the year 2001-2002

Shri Nafe Singh Jundla (. Chairperson Committee ont he Walfare of Scheduled Clases): Sir I beg to Present the the Twenty Sixth Report of the Committee on the Welfare of Scheduled Clastes, Scheduled Treibes And Backward Clesses for the year 2001-2002 (interruptions)

(iv) सरकारी आ वासनों समिति की 32वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now Shri Mange Ram Gupta Chairperson of the Committee on Government Assurances will

present the Thirty Second Report of the Committee on Government Assurances for the year 2001-2002.

Srhi Mange Ram Gupta (Chairperson Committee on Government Assurances): Sir I beg to present the Thirty Second Report of the Committee on Government Assurances for the year 2001-2002.

वाक आउटस

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सी.ए.जी. की रिपोट के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना।

श्री अयक्षः आप सभी बैठें अब इनकी कोई बात रिकार्ड न करें (भाोर एवं व्यावधान) Please sit Down

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय आप हमारी बात तो सुनें। (भाोर एवं व्यावधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हमारी बात तो सुनें।

चौ. भजन लालः स्पीकर साहब आपको हमारी बात सुननी पड़ेगी (भाोर एवं व्यावधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठें, आप मेरी बात सुनिये। रूल्ज में अडजर्नमैंट मो ान का नोटिस देने के लिए हाउस भाुरू होने से एक घंटा पहले देना होता हैं पहले डेढ़ घंटे पहले देना होता हैं इसमें अब डेढ़ घंटे को एक घंटा किया हुआ

है। आधा घंटा बाद में डिलीट किया था। ये तो वैसे ही है समझते हही नहीं हैं। ये तो नियम बने हुए हैं अब हम इसमें बदलाव नहीं ला सकते। 1 बजकर 51 मिनट पर मुझे कैप्टन अजय सिंह स्वयं देकर गए हैं और देना एक घंटे पहले होता है। आप लोग पढ़कर कुछ आते नहीं हैं और कसूर मेरा बताते हैं मैं क्या करूं बताएं। मैं रूल्ज से बंधा हुआ हूं मैं इससे बाहर नहीं जा सकता। आप लोग बैठ जाइए। (भाोर एवं व्यावधान)

चौ. भजन लालः

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए। आपको हाउस के प्रोसीजर का पता नहीं है। हुडा साहब रूल्ज कमेटी के मैम्बर भी हैं।

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय मैं रूल्ज को रैफर नहीं कर रहा हूं। (भाोर एवं व्यावधान)

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब जो कह रहे हैं, वह रिकार्ड नहीं किया जाए। अब बजट पर बहस भाुरू है। आप बजट पर ही बोलें। (भाोर एवं व्यावधान) पहले मेरी बात सुनिए। आपको यह पता नीं है कि किस समय लिखकर देना होता हैं

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय यह बड़ा सिरियस मैटर है यह 600 करेाड़ रूपए का मामला है। (भाोर एवं व्यावधान) अध्यक्ष महोदय आप कृपा करके हमारी बात सुनिएं। हमें आपकी

बात कहने का मौका दिजिए। यह आडिटर जनरल की रिपोर्ट है यह क्या कहती है यह सुनिए।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड नहीं की जाए। भजन लाल जी यह सी.ए.जी. की रिपोर्ट जो आपके पास है वह कमेटी के सामने आती है और कमेटी इस पर ऐप्रोप्रिएट ऐक ान लेती है। (भाोर एवं व्यावधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय ये आपकी परमी ान लिए बगैर ही बोले जा रहे हैं। (भाोर एवं व्यावधान)

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय

चौ. भजन लालः' अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (भाोर एवं व्यावधान) आप बैठ जाइए पहले सलाह म ाविरा कर लिजिए। बैठ जाइए।

चौ. भजन लालः अध्यक्ष महोदय आप हमें बोलने की इजाजत नहीं दे रहे हैं इसलिए हम इस सदन से वाक आउट करते है।

श्री अध्यक्षः अब रामबीर सिंह बोलें।

राव इंद्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। (भाोर एवं व्यावधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): वाक आउट कर रहे हैं या बजट पर बोल रहे हैं?

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा: आप हमें बोलने नहीं दे है। इसलिए हम वाक आउट कर रहे हैं।

(इस समय इंडियन नै ानल कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

चौ. बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय मेरी सबमि ान यह है कि जैसे कि क्वै चन आवर खत्म हुआ Leader of the opposition was on his oegs. मगर उस वक्त आपने उनकी बात सुनीं नही। नीचे को गर्दन करके दूसरा काम चालू कर दिया। मैं आपसे एक बात पूछना चाहता हूं कि जीरो ावर पर अगर कोई मैम्बर क्वै चन रेज करें तो वह कैसे करे? कहां करे, विधानसभा में करे या बाहर जाकर करे? मैं तो यह बात समझता हूं कि लीडर आफ दि अपोजी ान जा कुछ कहना चाहते हैं, उनके लिए आपको उनको टाइम देना चाहिए था।

श्री अध्यक्ष: बंसीलाल जी आप बैठिये।

चौ. बंसीलाल: आप उनको आवेर रूल कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: बंसीलाल जी आप बैठिये

चौ. बंसीलालः अध्यक्ष महोदय आप हमारी बात नहीं सुन रहे हैं हम भी आपको एक एटीच्यूड के खिलाफ वाक आउट कर रहे हैं

श्री रामकि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्षः जो रामकि ान फौजी बोल रहे हैं वह रिकार्ड नहीं किया जाए।

(इस समय हरियाणा विकास पार्टी के दोनों सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आप पहले अपनी बात का जवाब तो सुनते जाइए

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्षः जो कर्ण सिंह दलाल बोल रहे हैं उसे रिकार्ड नहीं किया जाए।

चौ. जगजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्षः जो जगजीत सिंह बोल रहे हैं, उसे भी रिकार्ड नहीं किया जाए।

वित्त मंत्री(प्रो. संपत सिंह): स्पीकर सर दुर्भाग्य की बात है कि विपक्ष फिर इस बार भी गैर जिम्मेदाराना भूमिका निभा रहा है जबकि निभानी चाहिए जिम्मेदारी की लेकिन वह नहीं निभा

रहा है। स्पीकर सर चौधरी बंसीलाल जी सीनियर मैम्बर हैं मुख्यमंत्री भी रहे हैं। केंद्र में मंत्री भी रहे हैं और कह रहे है। कि लीडर आफ दि ओपोजी ान जिस वक्त भी बोलना चाहते हैं, आप उनको टाइम दें। बोलने का टाइम होता है लेकिन स्पीकर सर परमि ान की जरूरत होती है। मुख्यमंत्री जी ने सरकार की तरफ से सुओ मोटो स्टेटमैंट पढ़ी। यह स्टेटमैंट पढ़ने के तुरंत बाद अगर माननीय विपक्ष के नेता कोई सवाल उठाना चाहते, एडजर्न मो ान का या कालिंग अटैंशन मो ान का , वह उनका अपना राईट था उठाते। तब तो उठाया नहीं और अब बोल रहे हैं। फिर मैने मो ज्ञन पढ़ दिया और वह पास हो गया और फिर लिस्टिड बिजनैस भुरू हो गया। उसके बाद जीरो आवर वाली बात हो गई। जीरो आवर की परम्परा रही है अदरवाइज जीरो आवर एज सच कहीं नहं है और इस परमपरा को निभा भी रहे हैं गवर्नरज एड्रैस और बजट दोनों पर हर मैम्बर को बोने के लिए पूरा टाइम मिलता है। किसी के पास बात को कहने के लिए कोई ज्वलंत इं ू हो या फिर ओर कोई बात हो वह यहां कह सकते है। अध्यक्ष महोदय जहां तक रिपोर्ट को लेकर बात उठ रही है तो आपने भी रूल्ज की बात कही। रूल्ज की बात आए तो ये लोग कहते हैं आप रूल्ज पढ़ ो, हमें पढ़ने की जरूरत नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि यह असैम्बली है यहां कायदे–कानून हैं। यह कोई धर्म ाला नहीं है या किसी जलूस की स्टेज नहीं हैं यह विधानसभा का सै ान है इसे दुनिया देखती है और इस पर लाखों रूपए खर्च होते हैं। और असैम्बली रूल्ज एंड रैगुले ान से

ही चलती है। At Page No 138 in the book of Prectice and Procedure of Perliament by Kaul and Shakdher it is written

"The Audit Reports of the Computroller ^ Auditor General stand automatically referred to the Committee on Public Accounts. Thee forms the basis of investigation by the Committee which submits its reporys thereon of Parliament in case the House wants to have any information from comptriller and aduitor Genral, it can do so through the Public Account Committee. But in case a Committee has not been consituted it is for the Speaker to decide as to what should be done in the matter proviede members give a notice for raising a disussion in one form or the other"

तो अध्यक्ष महोदय, ये आपको राइट में हैं वैसे तो ये रिपोर्ट एकाउंटस कमेटी बनी हुई है उस कमेटी को जाती है और कमेटी को यह रिपोर्ट जाने के बाद कमेटी उस पर मीटिग्ज करती है। पी.ए.सी. की रिर्पो हाउस में पे ा की जाती है। इसलिए इस बात को उठाने के लिए वन आवर का नोटिस चाहिए तो इस बात को भी ये नहीं मान रहे। ये डिस्क ान में कोई सोलेड कंट्रीब्यू ान नहीं करते हैं

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय मैं भी पार्लियामैंटरी बात कहना चाहता हूं। चौधरी बंसीलाल जी ने एक छोटी सी बात आपसे कही थी कि क्वै चन आवर ख्त्म हुआ तो चौधरी भजन लाल जी जीरो आवर के लिए खड़े हो गए और संपत सिंह जी अपना मो ान पढ़ने के लिए खड़ हो गए।

(भाोर एवं व्यावधान) वे तो केवल यह जानना चाहते थे कि कोई जीरो आवर है या नहीं।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब अब आप बैठ जाइये

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारंभ)

Mr. Speaker: Hon'ble members now general discussion on the Budget for the year 2002-2003 will be resumed. Now Shri Rambir Singh may speak.

श्री रामबीर सिंह (पटौदी, अनसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय मैं सबसे पहले आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर बोलने का अवसर दिया। मैं हरियाणा के वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह सिंह का भी धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने बहुत बढ़िया, संतुलित और कर रहित बजट हरियाणा की जना के लिए दिया है। अध्यक्ष महोदय सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों के कारण ही इंडियन नै ानल लोकदल के प्रत्या ज्ञी को यमुनानगर में बहुत भारी जीत मिली है है और यह जीत माननीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला और स्वर्गीय ताउ देवीलाल की जनकल्याणकारी नीतियों की जीत हैं इस जीत पर यमुनानगर की जनता ने इनैलो के प्रत्या ाी को जीता कर अपनी मोहर लगाई है। अभी मुख्यमंत्री महोदय ने साम्प्रदायिक सदभावना के लिए व्यक्तवय पढ़ा। पूरे हरियाणा प्रदे ा में इस समय साम्प्रदायिक सदभावना है। कुछ जगहों पर साम्प्रदायिक तत्व

किन्हीं आतंकवादी संगठनों या दूसरी ताकतों के इ ाारे पर साम्प्रदायिक सदभावना को ठेस पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनको सख्ती से निपटने के लिए मुख्यमंत्रीमहोदय और हरियाणा सरकार का आग्रह करूंगा। अध्यक्ष महोदय इससे अच्छी साम्प्रदायिक सदभावना को अनूठी मिसाल कहां मिलेगी कि मेरे हल्के पटौदी में लगभग पांच हजार की आबादी मुसलमानों की है और पिछले दिनों द ाहरा के समय पर रामलीलाओं का आयोजन हुआ था। अध्यक्ष महोदय, इससे अच्छी साम्प्रदायिक सदभावना की मिसाल पूरे हरियाणा में और कहीं नहीं मिल सकती। यह ठीक है कि पिछले कुछ दिनों से पूरे संसार को आतंकवाद के झटकों से गुजरना पड़ा है और इससे पूरे संसार की अर्थव्यवस्था पर भी चोट लगी है। 13 दिसम्बर 2001 को हमारी पार्लियामैंट पर आतंकवादी हमला हुआ, 11 सितम्बर 2001 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रैड सैंटर पर आतंकवादी हमला हुआ और अभी पिछले सप्ताह उड़ीसा की विधानसभा पर भी आतंकवादी हमला हुआ; अध्यक्ष महोदय आज के दिन आतंकवाद एक बहुत बड़ी समस्या है। पूरा संसासर इस बारे में सोचता है कि इन आतंकवादी गतिविधियों को जड़ से उखाड़ने क लिए वि व स्तर पर प्रयास किए जाएं और किए भी जा रहे हैं। जो कि बहुत अच्छी बात है और कुछ दिनों में आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय अब में मुख्यमंत्री जी और हमारे सर्वाच्च न्यायालय का धन्यवाद करूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से सर्वाच्च न्यायालय ने एस.वाई.एल. का फैसला 15 जनवरी 2002 को हमारे हक में किया। एस.वाई.एल. का मामला

पिछले कई सालों से लटका हुआ था लेकिन अब सर्वाच्च न्यायालय ने इसका फैसला हरियाणा के हक में कर दिया है और पंजाब सरकार को निर्दे ा दि हैं कि जो नहर पंजाब में बननी है। एक साल के अंदर पंजाब सरकार बनवाए। अध्यक्ष महोदय मैं पूरे सदन का आभार प्रकट करता हूं कि सभी सदस्यों ने अपनी पार्टी की नीतियों से उपर उठ कर आपसी मतभेद को भुलाकर माननीय मुख्यमंत्री महोदय एस.वाई.एल. के बारे में जो प्रस्ताव लापए थे, उसको सर्व सम्मति से समर्थन दिया। अध्यक्ष महोदय यह नहर वि ो ा रूप से दक्षिणी हरियाणा के लोगों के लिए जीवन रेखा है। दक्षिणी हरियाणा में ग्राउं वाटर बहुत नीचे जा चुका है और वहां सिंचाई में बहुत दिक्कत होती है। दक्षिणी हरियाणा नि चत तौर पर विकास प्राप्त करेगा और वहां के किसानों को सिंचाई करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। इसे उनकी फसल अच्छी होगी। जहां पीने का पानी दूर से लाना पड़ता है वहां भी पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में मिलने लगेगा। स्पीकर सर वित्त मंत्री जी ने वर्श 2002–2003 के लिए जो कर मुक्त बजट पेश किया है, उसके लिए मैं उनको बधाई देता हूं। बजट में कुल योजना की परिव्यय का 42.13 प्रति ात पैसा बिजली, सिंचाई, सड़क और परिवहन पर खर्च के लिए प्रावधान किया है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय हमारे विपक्ष के साथी जब जन हित की बात होती है तो वाक आउट कर जाते हैं उदनमें से कुछ कह रहे थे कि कृशि के लिए बजट में कम पैसा रखा गया है लेकिन उनको यह नहीं मालूम कि बिजली और सिंचाई पर जो पैसा खर्च

किया जाएगा उसका असर भी किसानों की खेती पर ही पड़ता है। बिजली अच्छी मिलेगी और सिंचाई व्यवस्था अच्छी होगी तो किसान की फसल भी अच्छी होगी। लेकिन मेरे विपक्ष के भाई इन बातों की तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं देते कि बिजली और सिंचाई भी किसानों के ही काम आती है।

माननीय उपाध्यक्ष जी वित्त मंत्री ने जो बजट पे ा किया है उसका 42.13 प्रति ात हिस्सा बिजली, सिंचाई, सड़कें परिवहन आदि के लिए रखा गया ह। इसमें से सिंचाई क्षेत्र के लिए 300 करोड़ रूपए, सड़कों के लिए 335.20 करोड़ रूपए, बिजली के लिए 166.67 करोड़ रूपए और सामाजिक सेवाओं के लिए 710.90 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। हमारी सरकार ने पिछले दो अढ़ाई साल से वि ोशकर बिजली के क्षेत्र में वि ोश प्रयास किया है। इसके लिए मै। माननीय मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी का आभार प्रकट करूंगा। इन्होंने बिजली की सप्लाई को ठीक करने के लिए और किसानों को बिजली देने के लिए जो कार्य किए हैं, उनके लिए ये वाकई बधाई के पात्र हैं। इनके अथक प्रयासों के कारण ही वर्श 2001–2002 में हमारे यहां पवर बिजली का उत्पादन 481 लाख यूनिट प्रतिनिदन हो गया है। इसके अलावा जो हमारे पुराने पावर हाउस बंद पड़े थे, जिनकी रिपेयर नहीं की ई थी यानी जिनमा व ार्ों से काम लंबित पड़ा था, उन सब को ठीक करवाया गया है ताकि बिजली की सप्लाई ठीक हो सके। इसी से हरियाणा के किसानों को, हरियाणा के व्यापारियों को और

आम नागरिकों को पूरी बिजली उपलब्ध हुई है। इसक लिए मैं पुनः मुख्यमंत्री जी और बिजली विभाग के अधिकारियों का आभार प्रकट करता हूं।

मान्वय उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक किसानों को टयूबवैल के क्नैक ान देने की बात है उसमें भी बहुत प्रगति हुई हैं हरियाणा की मौजूदा सरकार ने 2000–20001 में पिछले 10 सालों से ऐसे पैंडिंग पड़े टयूबवैलों के घरेलू तथा गैर घरेलू कनैक ान दिए। आज हरियाणा प्रांत की स्थिति यह है कि किसी का भी कनैक ान यानी किसी की एप्लीके ान लेने के लिए पैंडिंग नहीं है। सब को पता है कि पिछली सरकारों के समय में वर्शों तक लोग नए कनैक ान के लिए भागते रहते थे और चक्कर काटते रहते लेकिन अब लोगों को बिजली के कनैक ान लेने में कोई दिक्कत नहीं आती।

मान्यवर उपाध्यक्ष महोदय सिंचाई की जहां तक बात है मैं अव य कहूंगा कि एस.वाई.एल का मुद्दा हमारे लिए बहुत ही अहम मुद्दा है। रिवाड़ी लिफ्ट इरोगे ान पर भी बहुत जोरों से निर्माण कार्य चालू है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करना चाहूंगा कि रिवाड़ी लिफ्ट इरीगे ान स्कीम के चालू हो जाने पर दक्षिण हरियाणा की लगभग 20 हजार एकड़ भूमि को पानी मिलेगा जिसे हमारे दक्षिण हरियाणा के किसानों को वि ोशतौर पर फायदा होगा। जैसा कि मैनें बताया है कि अब इस पर निर्माण कार्य पूरे जोरों पर है `किन पिछले दिनों कुछ

आदमियों की वजह से उसके निर्माण कार्य में बााा आई थी। जब हमने यह बात मुख्यमंत्री जी के नोटिस में लाई तो उन्होंने तुरंत हमारे अनुरोध को स्वीकर करते हुए उस बाधा को दूर करवाया और जिन 20–22 आदमियों की वजह से काम रूका हुआ था मुख्यमंत्री जी ने उनको बुलवाया और उनसे बात की जिसके परिणामस्वरूप आज रिवाड़ी लिफ्ट इरीगे ान का काम जोरों पर चल रहा है। मुझे उम्मीद है और जैसा कि सरकार ने भ्झी सदन में आ वासन दिया है कि रिवाड़ी लिफ्ट इरीगे ान स्कीम 31 मार्च 2003 तक पूरी हो जाएगी, जिससे वहां के किसानों को खेतों के लिए नई दि ाा मिल सकेगी।

मान्यवर उपाध्यक्ष महोदय जहां तक सड़कों और पूलों की बात है इस बारे में सभी को पता है कि हरियाणा की सड़कों पर पिछले अढ़ाई सालों से बहुत काम हुआ है। आज हमारा ऐसा कोइ इंव नहीं है जहां पर कोई गाड़ी नहीं जा सकती हो। जबकि इस सरकार के आने से पहले सड़कों की वह हालत थी, जो आज से 20–30 साल पहले थी। कच्चे रास्तों पर जहां पर लीक पड़ जाती थी उस पर से जाना पड़ता था। उपाध्यक्ष महोदय हमारे मुख्यमंत्री जी ने सत्ता संभालते ही पूरे हरियाणा प्रदे ा की सड़कों को इतना बढ़िया कर दिया है कि आप अपनी गाड़ी के अंदर चाय पानी पीते हुए भी जा सकते हैं। अब गाड़ियों में चलते समय आपकाा चाय–पानी छलकेगा नहीं और नही झटके लगेंगे। मैं लाल प्रसाद यादव जी की वह बात तो नहीं कहना चाहूंगा कि

हरियाणा की सड़कें कैसी हैं लेकिन नि चत रूप से हम यह कहना चाहेंगे कि पूरे देश में अगर सबसे बढ़िया कहीं सड़कें हैं तो वह हरियाणा प्रदे ा के अंदर हैं और उसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करूंगा।

श्री उपाध्यक्षः रामबीर जी आप प्लीज कन्कलुड करें।

श्री रामबीर जीः उपाध्यक्ष महोदय सड़कों के मामले में मैं मार्केटिग बोर्ड के अधिकारियों का भी धन्यवाद करूंगा कि उन्होंने पूरे प्रदे ा के अंदर नई सड़कों का जाल बिछाया हैं जो सड़कें किन्हीं राजनीतिक कारणों से छोड़ दी गई थी उन को बनाकर गांवों से जोड़ दिया गया है। मान्यवर मैं एक बात यहां पर वि ोश रूप से कहना चाहूंगा कि माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट के 24वें पैरे में लिखा है कि राश्ट्रीय राजधानी क्षैत्र के अंतर्गत सड़कों के विकास के लिए पांच करोड़ रूपए की रा ि ा आबंटित की गई है। मैं एक बात माननीय वित्त मंत्री से कहना चाहूंगा कि राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जो छोटे कस्बे पड़ते हैं, उनका भी ध्यान रखा जाए क्योंकि विकास तो उनको भी चाहिए क्योंकि वे भी राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पड़ते हैं। जिनके विकास के लिए रा ि ा मिलती है उनका हिस्सा भी उनको दिया जाना चाहिए। मान्यवर परिवहन के मामले में अगर मैं चर्चा नहीं करूंगा तो यह है हरियाणा की जनता के साथ ज्यादती होगी। हरियाणा सरकार ने परिवहन के मामले में जो सुधार किया हे, वह निः संदेह अनूठी मिसाल है। 1100 नई बसें हरियाणा सरकार ने पुरानी से

बदल कर हरियाणा की सड़कों पर दौड़ाई है। चालू वित्त वर्श में भी 407 नई बसें इसमें और एड की जाएंगी। मैं माननीय परिवहन मंत्री जी का इस बारे में धन्यवाद करूंगा। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि हरियाणा की बसें इस समय सबसे अच्छी हैं मैं सरकार का आभार भी प्रकट करता हूं कि इन्होंने डीलक्स बसों की सेवा भी चालू की है जो कि चंडीगढ़ से हरियाणा विभिन्न भाहरों के लिए हैं। निसंदेह ये बसें भी बहुत ही अच्छी हैं। मान्यवर इस मामले में एक बात में कहना चाहूंगा कि पटौदी में एक बस स्टैंड के निर्माण की योजना सरकार के विचाराधीन है और उसको जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए ताकि। एक डीलक्स बस चंडीगढ़ से गुड़गांव के लिए तो जाती है लेकिन नारनौल, महेंद्रगढ़ और रिवाड़ी के लिए कोई डीलक्स बस नहीं है। परिवहन मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि चंडीगढ़ से जयपुर के लिए भी डीलक्स बस लगाई जाए। मान्यवर अब मैं जन स्वास्थ्य विभाग के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने सत्ता संभाली थी उस समय गांवों में पीने के पानी की बहुत कमी थी। आमतौर पर जनता को पानी के लिए बहुत दिक्कत थी। और हमारी बहनों को सिर पर घड़े रख कर गांव से 2–2 या 3–3 किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता था। माननीय मुख्यमंत्री जी ने गांव–गांव में टयूबवैल तथा कैनाल बेस्ट डिग्गियां बनवा कर पूरे हरियाणा के अंदर पेयजल की समस्या को जहल करने के लिए निसंदेह सराहनीय कारर्य किया हैं इस योजना में मुख्यमंत्री जी से मैं माग करना चाहूंगा कि पटौदी में हैलीमंडी में सीवरेज सिस्टम

को भी ठीक किया जाए क्योंकि ये काफी गांवों में लगे हुए हैं। उपाध्यक्ष महोदय मैं एक बात वि ोश रूप से कहना चाहूंगा कि पेयजल में अवैध कनैक ान बहुत से गांवां में लगे हुए हैं मैं सरकार और माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि उन ेपयजल के कनैक ानों को जो गांवों में घरों के अंदर अवैध कनैक ान लोगों ने लगाए हुएए हैं उनें रैगुलराईज किया जाए और उनसे कोई रा ि ा महीने वाइज ले ली जाए। जिससे सरकार को आर्थिक फायदा हो सके और लोगों को घरों में रैगुलर कनैक ान मिल सकें। अवैध कनैक ान तो अब भी चल रहे हैं । अगर सरकार ऐसा करती है तो वे कनैक ान वैध हो जाएंगे जिससे सरकार को आर्थिक फायदा होगा और विभाग को अपनी जन सुविधा को ठीक करने मं सहायता मिलेगी। उपाध्यक्ष महोदय मै। बेस्ड वाटर सप्लाई की स्कीमें और उपाध्यक्ष महादेय आपके क्षेत्र को जोड़ कर 4 कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीमें मंजूर की गई हैं इसमें माकडौला, इकाबलपुर खालिया वास, मु ोदपुर और बीरेड़ा भाामिल है। इस स्कीम में लगभग 50 गांवों में जहां खारा पानी है वहां फायदा होगा। जहां पीने के पानी के लिए त्राहि–त्राहि मची हुई थी वहां पर मुख्यमंत्री जी ने कैनाल बेस्ड पानी और डिग्गियों की मंजूरी देकर उन लोगों के लिए बहुत सुविधा दी है। इसके लिए मैं एक बार फिर मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

श्री उपाध्यक्षः आप एक मिनट में अपनी बात कहें।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय मैं एक वि ोश बात कहना चाहूंगा कि पिछले साल सरकार ने एक नई खनन नीत बनाई थी, जिसके अंतर्गत खुली बोली का प्रावधान किया गया था। इस बारे में इस सदन में लगभग 5–6 बार बहुत जोर– ाोर से विचार–विम र्ा किया गया था। विपक्ष के सदस्यों ने इस बारे में अनर्गल बाते भी कही थी कि इस सरकार ने यह कर दिया वह कर दिया। मेरे वे माननीय साथी इस सदन में नहीं हैं मैं उनको बताना चाहूंगा कि और यह कहना चाहू ंगा कि इस सरकार ने पहले पिछली सरकारों ने क्या–क्या बेकायदगियां की थी। मैं आपकी अनुमति से दो मिनट में नके बारे में सदन को डिटेल में बताना चाहूंगा। चौधरी भजन लाल जी ने राज्य में फरीदाबाद जिले में जो खाने इंट्रव्यू के माध्यम और सिफारि ा के माध्यम से जिसको अलाट की गई थी, उनका नाम श्री रामचंद्र बैंदा था जो आजकल बी.जे.पी. के फरीदाबाद से एम.पी. हैं उनको मोफताबाद की खान दी गई थी। मैसर्ज राम कि ान पूर्णि देवी के लाल कृ ण कांग्रेस के एक्स मिनिस्टर होते थे उनको 346 हैक्टेयर बड़खल की खान दी गई थी। एक मैसर्ज पतराम माइन्ज ंड मिनरलज, प्राइवेट लिमिटेड, सराय जुलाना को दी गई। यह पतराम चौधरी भजन लाल जी का रि तेदार है इसको मानर की 126.725 हैक्टेयर की खान दी गई थी। एक मैसर्ज टी.एन. एंटरप्राइजिज, सैक्टर 43 सोनीपत को दी गई। यह श्री धर्मपाल जी का रि तेदार है और श्री बचन सिंह आर्य इसमें पार्टनर हैं इन्हें कोर्ट में 125 हैक्टेयर की खान 2–2–1995 को दी गई

थी। यह फरीदाबाद की थी। उपाध्यक्ष महोदय गुड़गांव डिस्ट्रिक्ट की एक खान श्री रामचंद्र बैंदी जो कि आजकल बी.जे.पी. के एम. पी हैं उनको दी गई। उनको बंघडंडी की 314 हैक्टेयर की खान 16–3–1984 को दी गई थी। श्री मनी राम, 152 सराय जुलानार, न्यू दिल्ली यह भजन लाल जी का रि तेदार है इनको मोहम्मदपुर अहीर की 93 हैक्टेयर की खान दी गई थी। एक मैसर्ज रविंद्र मक्कड़ एंड कंपनी, वार्ड 6 हांसी ये श्री अमीर चंद मक्कड़ जो हांसी के एम.एल.ए. होते थे उनके बेटे को दी गई थी। एक बरवाला के एक्स मिनिस्टर थे उनको 143 हैक्टेयर की खान खारक सोहना में दी गई है। इसी तरह से लाल चंद 312, आपका बाजार गुड़गांव को जलालपुर सोहना में 91 हैक्टेयर की खान दी गई है ये चौधरी भजन लाल जी के छोटे पुत्र कुलदीप बि नोई के साले साहब हैं। इसी तरह से मैसर्ज अब्दुल रज्जक एंड एसोि ाएटस बी.पी.ओ. पधानी, जिला गुड़गांव को 70 हैक्टेयर की खान दी गई है इसमें हमारे साथी जाकिर हुसैन की वाइफ पार्टनर हैं इसी तरह से मैसर्ज तेजवीर सिह एंड कंपनी य–24 रोड, टाउन हाउस डी.एल.एफ., फेर 3, गुड़गांव की बंधवाड़ी 11 में 91 हैक्टेयर की खान दी गई है। ये हमारी साथी कैप्टन अजय सिंह यादव जो कांग्रेस के हैं, कृश्ण मूर्ति हुड्डा एवं फूल चंद मुलाना के क्लोज रिलेटिव हैं। इसी तरह से मैसर्ज सुभाश एंड कंपनी, यादव निवास अपोजिट एस.पी. आफिस, गुड़गांव को घमरोज में 106 हैक्टेयर की खान दी गई है ये हमारे साथी धर्मपाल जी के रि तेदार हैं इसी तरह से मैसर्ज अरावली

माइज एंड सिल्का हाउस नं 1, राजेंद कालोनी, लिंक रोड, सैक्टर 28 फरीदाबाद को रोजका गुज्जर में 29 हैक्टेयर की माइज दी गई है ये एक्स मिनिस्टर सरदार हरपाल सिंह के पुत्र की है।

राव इंद्रजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने अभी हरपाल सिंह जी का नाम लिया है जकि वे तो इस समय हाउस में नहीं है इसलिए उनका नाम हाउस की कार्यवाही से निकलवाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): उपाध्यक्ष महोदय इनको भाायद पता नहीं कि रामबीर किस इ ा पर बोल रहे हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जो खाने अलाट की गई हैं, उस इ ा पर रामबीर बोल रहे हैं।

श्री रामबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय जो खाने चौधरी भजन लाल जी के समय में अलाट की गई थी मैं उनके नाम पढ़कर सदन में सुना रहा हूं। ये खाने बगैर आक ान किए या बगैर नोर्म्ज को अपनाए अलाट की गई थी। अगर आप चाहें तो में इस लिस्ट को दोबारा पढ़कर सुनाता हूं।

श्री उपाध्यक्षः अगर ये कहें तो ही आप पढ़कर सुना सकते हैं। (विघ्न)

राव इंद्रजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि खाने अनियमितता से अलाट की गई हैं लेकिन जो अपने आपको यहां पर डिफैंड ही नहीं कर सकता तो उसका नाम हाउस

की कार्यवाही से निकलवा दिया जाना चाहिए क्योंकि वह तो नहीं बता सकता कि अनियमितता बरती गई या नहीं बरती गई। इसलिए उनका नाम कार्यवाही में नहीं आना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः रामबीर जी तो इस बारे में लिस्ट दे रहे हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय राव साहब को मैं बताना चाहता हूं कि सम्मानित सदस्य अपने भाशण में उन माइज का जिक कर रहे हैं, जो माइज जिस–जिस नाम से अलाट हुई हैं और जो बेमानी सौंदे हुए हैं। यह किसी पर आक्षेप नहीं है कि वे यहां आकर इस बारे में साबित करें। यह तो वह लिस्ट है जो सरकारी लिस्ट है इसलिए वे ये नाम तो गिनाएंगे ही। इनका तो इनमें नाम नहीं है लेकिन इनका घी सा जब घलेगा जब कैप्टन का नाम इसमें आएगा।

राव इंद्रजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय ये चाहें तो इनको मंत्री बना दें। हम तब मान लैंगे कि सरकार की तरफ से बोल रह हैं आज तो केवल वे एम.एल.ए. ही हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय अगर यह लिस्ट दोबारा दोहरा दी जाए तो ठीक होगा।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय मै। सरकार की खनन नीति पर जो बजट में सरकार ने पैरा 9.7 में पे ा की है, उसके विशय में बोल रहा हूं। सरकार ने उस पुरानी नीति को

बदलकर साफ और स्पश्ट नीति जो पे ा की है मैं उसके बारे में बता रहा हूं। जो पिछली सरकार ने इस बारे में बेकायदगियां की थी मैं उनका कच्च चिट्ठा पढ़ रहा था। माननीय सदस्य को इसमें ऐतराज किस बात पर है यह मेरी समझ में नहीं आया। मैं इस लिस्ट को दोबारा से पढ़कर सुना देता हूं। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय कई साथी बाद में आए हैं इसलिए आप इजाजत दें तो मैं इसे दोबारा पढ़ देता हूँ। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः दोबारा से पढ़ना कोई जरूरी नहीं है।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय अब मैं इसके आगे बताना चाहूंगा कि चौधरी भजन लाल जी ने कैसे बेकायदगियां करके, सिफारि ा से और बगैर किसी नोर्म्ज के खानें अलाट की थी, जिससे सरकार को करोड़ों रूपए के राजस्व को हानि हुई है। जिन लोगों के द्वारा करोड़ों रूपए के राजस्व की सरकार को चपत लगाई गइ थी, उनके नाम में पढ़ रहा हूं। ि ावकुमार, तुसली राम, भादों काटन मिल्स, मंडी आदमपुर, डिस्ट्रिक्ट हिसार के हैं और चौधरी भजन लाल जी के क्लोज रिलेटिव हं उनको रोजका गुज्जर में 28.25 हैक्टेयर की खान दी गई। इसके अलावा मैसर्ज प्रदीप एंड कंपनी, 59 मंडी आदमपुर, हिसार को दी गई व ये श्री पोकर मल जी के पुत्र के पार्टनर हैं। पोकर मल जो चौधरी भजन लाल जी के धर्मभाई हैं।

चौ. भजन लालः उपाध्क्ष महोदय मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। सारे हरियाणा की जनता मेरे भाई–बहन हैं हमने बेईमानी नहीं की है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, एक श्रीमति ि ाक्षा पूहाल वाइफ श्री राजकुमार ऐक्स एम.एल.ए. 874, सैक्टर 34 पंचकुला की है, उन्हें बलोला 4 में 36.20 हैक्टेयर की खान 13.5. 96 को अलाट की गई थी। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ डिस्ट्रिक्ट की कुछ खानें हैं श्री सुनील यादव पुत्र श्री भोर सिंह, क्विज एंड पी. ओ. दुलोठ अहीर, डिस्ट्रिक्ट महेंद्रगढ़, ये राव नरेंद्र एम.एल.ए. के रिलेटिव हैं। (ाोर एवं व्यवधान) इनको भेदांती में 32.01 हैक्टेयर की खान अलाट की गई थी।

चौ. भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय मेरा प्वाइंट आफ आर्ड है कि किस विशय पर बोल रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

प ाुपालन राज्य मंत्री (चौधरी मोहम्मद इलियास): उपाध्यक्ष महोदय, मैं बता देता हूं। ये इस बात पर बोल रहे हैं कि आदरणीय चौधरी बंसीलाल जी का 4 दिन से यहां हाउस को गुमराह कर रहे हैं। जहां उनके राज में खानों से मात्र लाखों रूप मिलते थे, उनकी बजाय आज करोड़ों रूपए का रैवेन्यू सरकार को आ रहा है। भजन लाल जी, मैं भी आपकी सरकार में मंत्री था। मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि आपने किस तरह से खानों

का बंटवारा किया था। मैं आदरणीय सदस्य भाई रामबीर जी से अनुरोध करूंगा कि इस लिस्ट को दोबारा पढ़ दें।

चौ. भजन लालः इलियास जी, हमने तो आपको भी खान दी हुई है, आपको नहीं मिली क्या?

चौ. मोहम्मद इलियासः आपने अपने चहेतों को खानें अलाट की थी। मुझसे तो आप को वि वास ही नहीं था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामबीर सिंहः आप लोगों ने लूट मचाई हुई थी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः राम कि ान फौजी आप बैठ जाएए। (ाोर एवं व्यवधान)आपको भी मौका मिलेगा अभी आप बैठ जाएये।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री धर्मबीर सिंहः उध्यक्ष महोदय (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकि ान फौजीः (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठ जाएये।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय मोहताबाद मं 5.8.83 296 हैक्टेयर को खान रामचंद्र बैंदा को दी गई थी जो आजकल बी.जे.पी. के फरीदाबाद से एम.पी. हैं इनको ये खान चौधरी भजन लाल जी ने अलाट की। एक खान मैसर्ज रामकि ान पूर्णि देवी,

408, सैक्टर 16 ए फरीदाबाद को दी। रामकि ान पुत्र चौधरी लाल सिंह एक्स मिनस्टिर को बड़खल में 346.50 हैक्टेयर की खान 30.1.84 को दी। एक मांगर की खान पतराम माइज एंड मिनर्लज प्राइवेट लिमिटेड, सरायजुलाना श्री पतराम जोकि माननीय भजन लाल जी के रिलेटिव हैं मांगर की 126.752 हैक्टेयर की खान 27. 7.84 को दी गई। मैसर्ज पी.एम. इंटरप्राइजिज, 43 सैक्टर, 15 सोनीपत, जो श्री धर्मपाल मलिक और श्री बचन सिंह आर्य की कंपनी है, उसको 125 हैक्टेयर की खान कोट गांव फरीदाबाद में दी गई। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. बंसीलालः उपाध्यक्ष महोदय जो आदमी सदन में मौजूद नहीं और जवाब नहीं दे सकता क्या उसका नाम सदन में लिया जा सकता है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी बंसीलाल जी आप बैठिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय चौधरी बंसीलाल जी जैसे सीजंड पोलिटि ियन जो लंबे समय तक इस सदन के सदस्य रहे हों, मैं उनको बताना चाहूगा कि बजट के मुताबिक उन लोगों के नाम जिन लोगों को खानें दी गई हैं और जो लिस्टिड नाम हैं, वो लिस्ट नाम पढ़े जा सकते हैं। इस महान सदन का कोई `सा सदस्य जिसके प्रति कोई आब्जैक ान किए जा रहे हैं, उनके नाम नहीं हैं ये तो लीज होल्डर्ज हैं। अभी तो आपके लीज होल्डर्ज के नाम आ रहे हैं।

चौ. बंसीलालः उपाध्यक्ष महोदय एक प्राइवेट मैम्बर नाम नहीं ले सकता। सरकार सदन के पटल पर कोई कागज रखना चाहे तो रख सकती है लेकिन पढ़ नहीं सकती और प्रावइेट मैम्बर तो बिल्कुल नहीं कह सकता।

श्री उपाध्यक्षः रामबीर सिंह जी आप जल्दी कंक्ल्यूड करें।

चौ. भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय यह कोई बजट स्पीच है ये सुबह से असत्य बोल रहे हैं।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी आप सुनने की क्षमता रखें।

राव इंद्रजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय इस बारे में रूलिंग दी जाए।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय गुड़गांव जिले में बंधवाड़ी खान श्री रामचंद्र बैंदा 1492, सैक्टर 14 फरीदाबाद, जो आजकल बी.जे.पी. के एम.पी. हैं, उनको 314 हैक्टेयर की खान चौधरी भजन लाल जी ने 16.3.84 को दी।

श्री उपाध्यक्षः रामबीर सिंह जी आप एग्जाम्पल के तौर पर कुछ नाम दीजिए।

श्री रामबीर सिंहः मनीराम सराय जुलाना को, महोम्मदपुर अहीर को, 92 हैक्टेयर की खान जोकि चौधरी भजन लाल जी के रि तेदार हैं को दी।

श्री उपाध्यक्षः रामबीर सिंह जी आप कंक्ल्यूड कीजिए।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ये क्या बोल रहे हैं इनको बैठाएये।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी आप बैठिये आपसे पूछकर थोड़े ही बैठाउंगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय लालचंद आपका बाजार, गुड़गांव में जलालपुर, सोहना की 91 हैक्टेयर की खान कुलदीप बि नोई, जो चौधरी भजन लाल जी के छोटे बेटे हैं, इनके साले को दी गई। हांसी के रविंद्र मक्कड़ को खरक सोहना की 143.32 हैक्टेयर की खान दी गई। तेजबीर सिंह एंड कंपनी, समाल बाई नर्सरी स्कूल फेस 3 गुड़गांव को बंधवारी की 91.20 हैक्टेटर की खान दी गई, जिसके पार्टनर कैप्टन अजय सिंह यादव, कृश्ण मूर्ति हुड्डा और फूलचंद मुलाना के नजदीकी रि तेदार हैं।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

कैप्टन अजय सिंह यादव एम.एल.ए. द्वारा

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): कैप्टन साहब, जिस पार्टनि ाप का नाम रामबीर जी ने लिया है, आप पर्सनल एक्सप्लेने ान में बताए कि क्या वह गलत है।

Capt. Ajay Singh Yadav: Sir it is my right it is my personal explanation. They named me (Interuption)

श्री उपाध्यक्षः कोई मैम्बर दूसरे मैम्बर को नेम नहीं कर सकता। नेम तो चेयर करती है। हां आपने पर्सनल एक्सप्लेने ान देनी है तो दो। (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय जो हमारे माननीय साथी रामबीर ी कर रहे हैं कि इनको बताना चाहूंगा कि जो भी खान हमें गवर्नमैंट ने दी है वह नार्म्स के मुताबिक ही दी हैं। बाकायदा इसके लिए इंटरव्यू लिए गए है। इनकी पार्टी के एम. एल.ए. तेजबीर सिंह उसमें मैम्बर हैं, इसके लिए हम सेल्ज टैक्स भर रहे हैं। रायल्टी भर रहे हैं इनकी तरह कोई डकैती नहं कर रहे हैं।

श्री उपाध्यक्षः कैप्टन साहब आप बैठें।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): उपाध्यक्ष महोदय पहले तो इनको यह बताना चाहिए कि इनकी पार्टनरि ाप है या नहीं। मैं और कैप्टन साहब जब एस्टीमेट कमेटी के मैम्बर थे तो एक बार जिक्र हो गया और इन्होंने कहा था कि मैं

भजनलाल का बहुत अहसासमंद हूं कि उन्होंने आउट आफ नार्म्स जाकर मुझे माइंज दी।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः नेता और उप नेता दोनों खड़े हैं आप डिसाइड कर लो कि किसने बोलना है।

चौ. भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय जो बिजनैस करता है वह अपने हिसाब से करता है फ्री नहीं करता है और न ही कोई फ्री देता है। कायदे–कानून के हिसाब से पैसा देना चाहिए वह इन्होंने दिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी आप बैठें।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय भजन लाल जी ने एक बात कही है कि कोई फ्री नहीं दी तो इसका मतलब कुछ लेकर दी है क्या। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय मैंने यही कहा है कि गवर्नमैंट पैसा लेती है और नार्म्स के मुताबिक ही खानें दी गई हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः नार्म्स के मुताबिक ही दी जाती है तभी तो उपाध्यक्ष महोदय कह रहे हैं कि नेता और उप नेता दोनों खड़े हो गए हैं। लेकिन यह रि ता नेता और उप नेता का नहीं है बल्कि यह रि ता लेने वाले और देने वाले का है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, ये बातें इनको याद रहती हैं, हमोर दिमाग में ये बाते नहीं रहती। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप बिना परमी ान बोल रहे हैं इसलिए आप बैठें (ाोर एवं व्यवधान) कैप्टन साहब, आप बैठें, आपको बोलने का पूरा मौका दिया गया था। धर्मबीर जी आप भी बैठें। रामबीर जी आप बोलें। (ाोर एवं व्यवधान) धर्मबीर जी प्लीज आप बैठिये। (ाोर एवं व्यवधान) कैप्टन साहब आप बार–बार न उठें। (ाोर एवं व्यवधान)

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनराम्भ)

श्री धर्मबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी स्पश्ट किया है कि जो बजट का पेरा 97 है मैं उस पर बोल रहा हूं। मैं गुड़गांव का रहने वाला हूं और मैनें इस बारे में जो भी जानकारी ली है वह अपने सोर्सिज से एकत्रित की है, सरकार से नहीं ली। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः कैप्टन साहब प्लीज आप बैठें। रामबीर जी सिस्टम के बारे में बता रहे हैं कि पहले और आज के सिस्टम के क्या अंतर है। (ाोर एवं व्यवधान) जयप्रका ा जी आप भी बैठें।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, महेंद्रगढ़ के दोस्तपुर गांव में एक खान, 4.90 हैक्टेयर की भूपैंद्र सिंह सपुत्र श्री मदन पाल सिंह जो कि बापोड़ा का है, उसको दी गई और वह

हमारे एक्स स्पीकर श्री छत्रपाल चौहान का रिलेटिव है। यह खान चौधरी बंसीलाल जी ने दी थी। इसी तरह से कैला ा चंद्र भार्मा जो कि योजना बोर्ड के एक्स उपाध्यक्ष थे, उनके रि तेदार ओम प्रका ा ार्मा, जो कि नारनौल का रहने वाला है, को भी एक खान दोस्तपुर गांव में 4.92 हैक्टेयर की दी गई। यह भी चौधरी बंसी लाल जी ने दी थी। इसी तरह से रमाकांत भारद्वाज सपुत्र श्री नित्यानंद भारद्वाज बी.पी.ओ. कुंड, जिला रेवाड़ी, जो कि राम बिलास भार्मा, एक्स मिनिस्टर का रिलेटिव है, उसको भी दोस्तपुर गांव में 4.932 हैक्टेयर की खान दी गई। उपाध्यक्ष महोदय बी.जे. पी. के भाई कृश्णपाल गुर्जर आज यहां बैठे नहीं हैं, वे बजट पर बोलते हुए कह रहे थे खानों में ये किया गया, वो किया गया, माननीय बंसीलाल जी भी ऐसा कह रहे थे। अगर कृश्णपाल जी आज यहां बैठे होते तो पता लग जाता कि उनके समय क्या किया गया था।

श्री उपाध्यक्षः रामबीर जी आप एक मिनट में वाइंड अप करें। (विघ्न)

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि कृश्ण पाल जी यदि आज यहां बैठे होते तो उनको पता लग जाता कि उनके समय में क्या हुआ था। रामचंद्र बैंदा जो कि बी.जे.पी. के लोकसभा सदस्य हैं, उनको खान चौधरी भजन लाल जी ने दी। इनकी मिली भगत से साफ जाहिर होता है कि हमारे बी.जे.पी. के नेता कृश्ण पाल जी हैं उनके दिल में क्या दर्द था। उपाध्यक्ष

महोदय, जिन खानों का मैने जिक किया है और जिनको मैंने यहां पढ़कर सुनाया है, उनसे पहले 17.22 करोड़ रूपए रैवेन्यू आता था और हमारी सरकार ने इन खानों को ख्ुाली बोली पर दिया है तथा अब इन खानों से 5.86 करोड़ रूपए सरकार को रैवेन्यू प्राप्त हुआ है। सेल्ज टैक्स इसमें ाामिल नहीं है वह अतिरिक्त है। आप समझ सकते हैं कि 17.22 और 65.86 करोड़ में कितना अंतर है। (ोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के समय में इन खानों की बोली में किसी तरह की पेचीदगी नहीं हुई जिसका नतीजा है कि सरकार को पहले से अधिक रैवेन्यू मिल रहा है और मैं पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने खानों की नीलामी में पूरी पारदर्िता बरती है।

श्री धर्मबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय

श्री उपाध्यक्षः धर्मबीर जी की कोई बात रिकार्ड नहीं की जाए।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरेार ने जहां इतने अच्छे–अच्छे कार्य किए, जन हित के कार्य किए वहीं मैं सरकार को बताना चाहूंगा कि हमारे इलाके में सरसों और फूलों की खेती बहुत ज्यादा होती है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि कृशि उत्पादन के लिए प्रोसैंसिंग यूनिट लगाने के लिए कुछ छूट दी जाए या कुछ सबसिडी दी जाए। कृशि को लघु उद्योग का दर्जा देते हुए जा लोग कृशि उद्योग लगाना चाहते हैं, उनको

सबसिडी दी जाए। जो कृशि पर आधारित उद्योग लगाना चाहते हैं, उनको कृशि यूनिट लगाने पर छूट दी जाए।

श्री उपाध्यक्षः रामबीर जी वाइज अप कीजिए।

श्री रामबीर सिंहः अंत में, उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, प्रोफेसर संपत सिंह जी ने हरियाणा का जो बजट इस सदन में पेश किया है, मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। आज 21वीं सदी चल रही है और आज का युग एक स्पै ालाइजे ान का युग माना जाता है। हरियाणा प्रदेश के लोग और यह सदन प्रोफैंसर संपत सिंह जी से यह उम्मीद करता था कि ये अपनी बजट स्पीच तैयारर करने से पहले हरियाणा में या देश में जो बहुत अच्छे इकोनोमिस्टस हैं, जो फाइनैंस और अच्छी नीतियों को जानते हैं, उनसे सलाह लेंगे या जिन अच्छे लोगों के अखबारों के माध्यम से लेख आते हैं या सैमीनारों के माध्यम से जो इकोनोमिस्टस अपने विचार देते हैं उनसे विचार–विम र्ा करके ये अपना बजट तैयार करते तो मैं समझता हूं कि ये हरियाणा प्रदे ा की अच्छी सेवा कर सकते थे। उपाध्यक्ष महोदय, यह किसी सत्ता की पार्टी या दूसरी पार्टी का मुद्दा नहीं है। आप हमारे को अजाद हुए 52 साल हो गए। हमारा प्रदे ा

दे ा की राजधानी दिल्ली के किनारों को तीन तरफ से छूता है। मुझे पूरा वि वास है कि कोई भी सरकार यदि प्रदे ा की समस्याओं को गंभीरता से लेकर के चले तो वह दिन दूर नहीं होगा जब यह हरियाणा प्रदे ा हिदुंस्तान के सभी प्रदे ाों में नंबर एक का प्रदे ा माना जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, संपत सिंह जी ने जो बजट स्पीच तैयार की है उस बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूं। बजट से संबंधित जो मैगजीन आती है उसको मैं एक दिन पढ़ते हुए आ रहा था। उस मैग्जीन में मैंने पढ़ा कि जो एफ. डी.आई. वह इस दे ा की अर्थ व्यवस्था का एक मुख्य क्षेत्र है। एफ.डी.आई. का आज हिंदुस्तान में यदि सबसे ज्यादा प्रभाव है तो वह महाराश्ट्र में है उसके बाद फिर कर्नाटक में, तमिलनाडू में और आंध्रप्रदे ा में हैं मेरे कहने का मतलब यह है कि हम दिल्ली के इतने नजदीक भी हैं और हमारे हरियाणा के लोग बहुत मेहनतक ा भी हैं। आज हरियाणा का नौजवान काम करना चाहता है। इस बारे में मेरा कहना है कि इस सदन में हम सभी सदस्यों को इस बात की चिंता करनी चाहिए कि एफ.डी.आई. का प्रभाव साउथ के उन प्रदे ाों में क्या जा रहा है जबकि हम दिल्ली के इतने नजदीक हैं। उपाध्यक्ष महोदय वित्त मंत्री जी का बहुत लंबा अनुभव हैं अब ये बजट पे ा कर चुके हैं। इस बारे में मेरा सुझाव है कि आप इस बारे में दे ा के अच्छे–अच्छे इकनोमिस्टस को बुलावें और उनसे सलाह लें। चैम्बर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के जो प्रतिनिधि हैं उनको आप बला लें और उनसे सुझाव भी ले लें तो अच्छा होगा। संपत सिंह जी अच्छा यह होता कि हरियाणा

में जो पढ़े लिखे अच्छे लड़के हैं और जो इकोनोमी के बारे में जानते हैं, या जो हरियाणा प्रदे ा में पंचायती राज सिस्टम के माध्यम से जो चेयरमैन हैं या ब्लाक समिति के जो चेयरमैन हैं, उनकी भी सलाह लेते; मैं तो इससे भी बुरा नहीं मानता कि अगर आप विपक्ष के उन सदस्यों से जो इस विधानसभा के वरिश्ठ सदस्य हैं, और जो कई दफा जीत कर आ चुके हैं उनसे सलाह लेते तो कोई हर्ज की बात नहीं है। अगर आप इन वरिश्ठ साथियों से सलाह मश्वरा करते और उनसे पराम र्ा मांगते तो ये हरियाणा के लोगों की एक बहुत बड़ी सेवा होती। इन्होंने ऐसा नहीं करके जो गलती की है, उसको ये सुधार सकते हैं। अब भी ये उनसे सलाह म वरा लेकर अपनी गलती सुधार सकते हैं क्योंकि अब भी ये कोई ज्यादा लेट नहीं हुए है। इसी तरीके से इन्होंने बजट में जिन भी स्कीमों को दिखाया है उनमें इन्होंने यह बताने की कोि ा ा नहीं की कि जो इतना पैसा कर्ज लेते जा रहे हैं उनकी भरपाई ये लोग कहां से करेंगें। पहले भी हरियाणा में 15000 करोड़ के कर्जे लोगों के सिर पर हैं अभी तक तो वह कर्ज ऐसे ही खड़ा है। (विघ्न) 15000 करोड़ रूपए का कर्जा तो पिछले साल था अब हो सकता है और भी ज्यादा हो रहा होगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो इतना कर्जा ये लोग ले रहे हैं उसकी भरपाई आखिर कहां से करेंगे। इस कर्जे के लिए जो ब्याज है उसमें हरियाणा की जनता के खून–पसीने की कमाई लगाते जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज हम देखते हैं कि भाहरों के विकास के लिए आज भी कई बिल आ रहे हैं और बजट में भी इन्होंने इसकी चर्चा की

है। उपाध्यक्ष महोदय इस बात का दुख होता है कि गांवेां में रहने वाले लोगों के प्रति यह सरकार क्या विचार रखती है और गांवों में रहनें वाले लोगों को यह सरकार कौन सी सुविधाएं देना चाहती हैं आज गांवों में जो भी व्यक्ति कुछ अच्छा खाना–कमाना सीखता है तो उसकी पहली कोि ा ा होती है है कि वह भाहर की तरफ जाए। हमारे गांवों की सभ्यता खत्म होने जा रही है। यह क्यों खत्म होने ल रही है। आप भी गांव के रहने वाले हैं और आप भी जानते हैं गांवों की सभ्यता खत्म होने का कारण है कि कोई भी सरकार गांवों में रहने वाले लोगों के प्रति जागरूक नहीं हैं आज गांवों में रहने वाले लोगों की हालत देखिये। हमारी बहन बेटियां जो कि बड़े–बड़े गांवामें में रहती हैं उन्हें 4–4 या 5–5 किलोमीटर चल कर भौचालय के लिए जाना पड़ता है। उपाध्यक्ष महोदय, गांवों में मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारा और नई गलत प्रणाली की वजह से हमारे हरियाणा में यह प्रथा चल पड़ी है कि बड़े–बड़े गांवों और छोटे–छोटे गांवों के किसानों ने गांवों के अंदर अवने मकान छोड़ कर खेतों में अपने मकान बनाने भुरू कर दिए हैं। जिस के कारण खेती योग्य भूमि कम होती जा रही है। उपााध्यक्ष महोदय इसका कारण यही है कि वहां के लोगों को जीवन की जो मूलभूत सुविधाएं हैं वे नहीं मिल पाती है। इसलिए वे या तो भाहरों की तरफ भाग रहे हैं और यदि भाहरों में नहीं जा सकते तो वह खेतों में ढाणी बना रहे हैं और वहां पर पक्के घर बना रहे हैं उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से मानपनीय संपत सिंह जी से यह कहना चाहूंगा कि गांवों की

तरफ ध्यान दें। खासकर जो बड़े–बड़े गांव हैं उनमें हरिजन परिवार, बैकवर्ड परिवार और जोकि गरीब हैं उनके लिए प्लाटों की व्यवस्था करनी चाहिए। गांवों में अच्छे स्कूल होने चाहिएं। उपाध्यक्ष महोदय इन्होंने ि ाक्षा के बारे में बजट में जो प्रस्ताव दिए हैं, उनके बारे में मैं आपके माध्यम से माननीय प्रो. संपत सिंह जी से तथा हमारे माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि आज हमारे सामने जो सबसे बड़ी समस्या है वह अच्छी ि ाक्षा की है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः अब आप वाइंड अप करें। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय मैं कोई गलत बात तो नहीं कर रहा हूं आप मुझे जब भी कहेंगे, मैं बैठ जाउंगा। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः दलाल साहब आपका समय 6 मिनट का था लेकिन आपको बोलते हुए 8 मिनट हो चुके हैं इसलिए 5 मिनट के अंदर आप अपनी स्पीच को कंकल्यूड करें। (विघ्न) इसमें गलत और ठीक की कोई बात नहीं है। टाइम एलोके ान की बात है वह मैं आपको बता रहा हूं।आप विद इन फाइव मिनटस अपनी बात समाप्त करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय मैं ि ाक्षा की बात कर रहा था। आज हरियाणा सरकार गांवों और भाहरों में ि ाक्षा पर इतना पैचा खर्च कर रही है लेकिन आज हालात क्या

हैं उपाध्यक्ष महोदय जो सरकारी स्कूल हैं चाहे वे हाई स्कूल हों चाहे वे प्राइमरी स्कूल हैं वहां बच्चे नजर नहीं आते है। उनके मन में यह वि वास नहीं रहा कि सरकारी स्कूलों में कोई पढ़ाई होगी। आज गांवों और भाहरों में 3–3 या 4–4 बड़े मकान लेकर हाई स्कूल और 10 जमा 2 के स्कूल लोगों ने खोले हुए हैं। उपाध्यक्ष महोदय आज ि ाक्षा के मामले में हरियाणा के लोगों में इतनी ज्यादा असमानता आ रही है जिसके कारण लोगों का सरकारी स्कूलों में कोई वि वास नहीं रहा हैं उपाध्यक्ष महोदय पिछले इ्दिनों यह चर्चा थी कि सरकार ने कालेजों के लैक्चरर्ज पर टयू ान के लिए बैन लगाया है। इन्हें टयू ान्ज पर बैन लगाने की बजाय इस बात पर विचार करना चाहिए कि जो गांवों के लोग हैं या भाहरों के गरीब तबकों के लोग हैं जिनकी पिछली पढ़ाई कमजोर रही है वे अपनी कमजोरी टयू ान पढ़ कर ही दूर कर सकते हैं। अगर सरकार इसे ठीक नहीं समझती तो सरकार को इसका कोई और इंतजाम भी करना चाहिए। जैसे कालेजों में और गांवों के स्कूलों में अतिरिक्त अध्यापक नियुक्त करें जो टयू ान के तौर पर अतिरिक्त पढ़ाई उनकी करवा सकें। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जो हैल्थ का डिपार्टमैंट है उसके बार में इन्होंने कहा हैं उपाध्यक्ष महोदय, सरकारी अस्पतालों की हालत इतनी ज्यादा खराब हो चुकी है कि हर भाहर के जो डाक्टर्ज हैं उन्होंने अपने प्राइवेट क्लीनिक खोले हुए हैं। अगर बहन बेटियों का जापा होना हो तो उनको गुमराह करके जो जापा सीधे तौर पर भी हो सकता है वह अनाप– ानाप तरीके से होता हैं उसके

लिए प्राइवेट क्लीनिक वाले काफी पैसा लेते हैं। इसके लिए सरकारी अस्पतालें में सरकार को पूरी सुविधा उपलब्ध करवानी चाहिए। पिछले दिनों सरकार ने अस्पतालों में जाने वाले हर आदमी को 5 रूपए की पर्ची कटवाना अनिवार्य किया है इसके साथ यह भी किया है कि पोस्टमार्अम के लिए 100 रूपए देने पड़ेंगे। उपाध्यक्ष महोदय मैं 1986 में इंग्लैंड गया था। मैंने देखा कि वहां पर सरकार ही व्यवस्था करती है वहां के हर नागरिक का मैडीकल सर्टिफिकेट जरूरी बनें। वे ोगों की सेहत पर इतना ध्यान देते हैं और उस पर जो भी खर्चा होता है उसको सरकार वहन करती हैं हमारे यहां पर पहले लोगों के मन में सरकारी अस्पतालों पर वि वास नहीं था और अब जो इस सरकार ने लोगों से और पैसा वसूलने की कोि ा ा की है इससे उनके मन से सरकारी अस्पतालों पर से बिल्कुल वि वास उठ गया है इसलिए सरकार इस फीस को फोरन वापस ले। सरकार को ऐसी व्यवस्था करन ीचाहिए ताकि ोगों का सरकारी अस्पतालों के उपर वि वास बढ़े।

श्री उपाध्यक्षः कर्ण सिंह जी आप कंक्ल्यूड करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, हमारे जिला फरीदाबाद में और आपके जिला गुड़गांव में सबसे बड़ी समस्या खेती के पानी की है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री जी यहां पर एस.वाई. एल. के नाम पर प्रस्ताव लाए उसमें कोई बुराई वाली बात नहीं है। उस वक्त मैंने तो केवल एक निवेदन किया था कि अगर

हरियाणा में एस.वाई.एल. का पानी आता है तो जिला फरीदाबाद, गुड़गांव, मेवात, अहीरवाल और रोहतक के इलाके, जिनका उस पानी पर हक है, उनको वह पानी मिलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों हरियाणा में पानी आया था ओर उस वक्त के मुख्यमंत्री जी उस पानी को अपने जिलों में लेकर चले गए थे और हमारे इलाके के लोग पानी के लिए तरसते रह गए थे। आज हमारा किसान बेबसों की तरह ताकता रहता है। तरसता रहता है लेकिन पानी नहीं आता है। उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से अभी भी वही अनुरोध करूंगा कि एस.वाई.एल. के पानी के बंटवारे के मुद्दे पर सभी दलों की एक कमेटी गठित की जाए और वह नहर के निर्माण की निगरानी करे। साथ में जो पानी आएगा, वह किन–किन जिलों में कितना–कितना जाना चाहिए इस बारे में भी देखें।

श्री उपाध्यक्षः प्लीज कंकल्यूड करें कर्ण सिंह जी।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कंकल्यूड ही कर रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों इस सरकार ने जो राई में बहुत बड़ी हार्टिकल्चर की इंटरनै ानल मंडी बनानी थी उस मंडी को एच.एस.आई.डी.सी. के हवाले कर दिया गया है जो कि इस सरकार ने बहुत गलत काम किया है। उपाध महोदय, इन्होंने बजट स्पीच में कहा है कि यह सरकार हरियाणा में भूगर मिल्ज लगाने जा रही है। मेरा आपके माध्यम से चौ. संपत सिंह जी से और मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि हरियाणा भूगर मिल

के मामले में बहुत अच्छा प्रदे ा साबित हो सकता है इस दे ा का मार्गद र्ाक हो सकता है अगर प्रदे ा में टिस्सू कल्चर्ड लैबोरेट्री बन जाए। आज दे ा में अगर टिस्सू कल्चर्ड लैबोरेट्री कहीं है तो भाायद वह बंगलौर में है। अगर आज हरियाणा में गन्ने के उत्पादन के लिए टिस्सू कल्चर्ड बेस्ड लैबोरेट्री अगर कहीं एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट बना देता हे तो उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में जिस किस्म का गन्ना पैदा होगा वैसा गन्ना हिंदुस्तान मैं कहीं नहीं होगा।

श्री उपाध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल जी आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मैं कंकल्यूड कर रहा हूं।

श्री उपाध्यक्षः आप एक मिनट में कंकल्यूड करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, एक इन्होंने लोक रिकवरी के बारे में कहा हैं मैंने प्र न काल मं देखा है कि इन्होंने कहा है कि बिलों की अदायगी बहुत अच्छी है। यह बड़ी अच्छी बात है कि बिलों की अदायगी होनी चाहिए। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, ग्रामीण लोगों से यही यह क्यों होती है। जो बड़े–बड़े उद्योगपति हैं जिनकी तरफ करोड़ों रूपए बिजली बोर्ड के बकाया हैं, उनके बारे में सदन में कभी कोई जानकारी नहीं दी गई। (विघ्न) गांवों में हमारा इलाका उत्तर प्रदे ा से लगता हुआ वहां पर अलीगढ़ रोड है। उस रोड़ से हजारों की संख्या में लोग और वाहन रोज गुजरते हैं। क्या उस रोड़ पर कोई बुल बनाए

जाने का सरकार का कोई प्रावधान है अगर सरकार यह प्रावधान कर देती है, चाहे इसका प्रावधान टोल टैक्स से ही कर दें तो उससे हरियाणा प्रदे ज्ञ को भी फायदा होगा और हमारे इलाके के लोगों कभी फायदा होगा। इसके साथ ही वहां पर आने–जाने वाले जारों ोगों को भी सुविधा मिल जाएगी। दूसरे उपाध्यक्ष महोदय हमारे इलाके में ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा में बिजली की तारें लोगों के खेतों में और उनकी घर की छतों पर लटकती रहती हैं। यह सरकार कम से कम यह व्यवस्था तो कर सकती है कि उन तारों को खिंचवा लें। इसमें तो सरकार के पैसे नहीं लगेंगे। इसके अलावा पलवल भाहर और वहां के गांवों में पीने का पानी और खेतों का पानी बिल्कुल न के बराबर है।

श्री उपाध्यक्षः प्लीज कंकल्यूड करें कर्ण सिंह जी।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, वैसे मैंने कोई गलत बात नहीं की है।

श्री उपाध्यक्षः कर्ण सिंह जी बात गलत बात की नहीं है आपका 6 मिनट का समय था और आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे सुझावों को यह सरकार मान ले तो हरियाणा की जनता का बहुत भला हो जाएगा।

श्री उपाध्यक्षः आपके सुझाव मंत्री जी लिख रहे हैं अब आप बैठें। अब श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी बोलेंगे। (ाोर एवं व्यवधान) माननीय सदस्यगण, कांग्रेस का जो समय था उससे ज्यादा समय उनको बालने के लिए मिल चुका है लेकिन फिर भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी को बोलने का समय दिया जा रहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): भूपेंद्र सिंह हुड्डा आपकी पार्टी के नेता हैं इसलिए उपाध्यक्ष इनको आउट आफ दि वे जाकर टाइम दे रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान) आप ये बताएं कि ये आपकी पार्टी के नेता हैं कि नहीं हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा (किलोई): उपाध्यक्ष महोदय, आपको मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। सभी साथियों ने हर पार्टी ने अपने–अपने विचार यहां पर बजट के बारे में रखे। वित्त मंत्री जी ने यहां पर इस साल का बजट पे ा किया और हर साल ये बजट पे ा करते हैं। जिनके इनके पास साधन थे इन्होंने उनका प्रयोग किया और इसको ठीक ठाक रखने की इन्होंने काफी मेहनत की और ये हर साल करते रहेंगे। लेकिन अब की बार जो इनका बजट आया है वह पूरे प्रदे ा के लिए चिंता की बात है। बजट में जिस प्रकार घाटा बढ़ाया हुआ दिखाया गया है 20 हजार करोड़ रूपए के करीब प्रदे ा पर कर्ज है मैं समझता हूं कि जो टोटल असैट्स हरियाणा गवर्नमैंट के हैं,

जितनी संपदा है, उससे भी डेढ़ हजार करोड़ रूपए ज्यादा है। उपाध्यक्ष महोदय, जब आपने अपना मकान ही गिरवी रख दिया तो आगे क्या उम्मीद रखी जा सकती है। डैट बढ़े हैं। इसी तरह जो पिछले साल ये बजट लेकर आए थे उसके बाद बजट ऐस्टीमेटस और रैवेन्यू ऐस्टीमेटस में साढ़े तीन सौ करोड़ रूपए कम हुए थे क्योंकि पिछली बार पब्लिक डैटस जो पिछली बार 37 परसैंट थे जो बढ़कर 39 परसैंट हो रहे हैं। जैसे जब हम अपने ार में पैसा लाते हैं तो देखते हैं कि किधर–किधर पैसा खर्च करना है इसी तरह से जब बजट लाया जाता है तो देखा जाता है भावना किधर है और किस दि ाा में प्रदे ा को ले जाना हैं बजट बनाते वक्त हमारा क्या नजरिया होना चाहिए। हमारा नजरिया यह होना चाहिए कि जो बजअ आप ला रहे हैं उसमें आप देखें कि उससे गरीब से गरीब आदमी को फायद पहुंच रहा है या नहीं। वित्त मंत्री जी ने जो बजट दिया है मैं समझता हूं कि उससे मध्यम वर्गीय लोग और उनके हित में कुछ होगा। यह बिल्कुल निरस्त बजट है। इस बजट का जो 202 करोड़ रूपए का घाटा बढ़ रहा है उसको कैसे वित्त मंत्री जी पूरा करैंगे। वित्त मंत्री जी ने इस बारे में इंडीक ान भी नहीं दिया है इसका मतलब क्या है कि जैसा पिछली बार यहां पर वायदा किया गाच ाि कि हम कोई नया कर नहीं लगाएंगे लेकिन उसके बाद एक के बाद एक कर, चाहे हाउस टैक्स हो, चाहे भट्ठी टैक्स या चाहे प्रोफ ानल टैक्स हो लगाए गए थे। इसी तरह से जिस तरह बिजली के मीटर्ज लगाने में धांधलेबाजी की गई है वह भी देखने वाली बात है। उपाध्यक्ष महोदय, आज जो

व्यक्ति हरियाणा में रहता है, पंचकुला में रहता है, उसको डेढ़ रूपए प्रति यनिट चंडीगढ़ या मोहाली के रेट से ज्यादा देना पड़ता है। इसी तरह से टयूबवैल की बात कही गई कि सरकार ने बिजली के इनते कनैक ज्ञन दिए हैं `किन यह नहीं बताया कि कितने कनैक ान काटे गए हैं। अगर हरियाणा में एक टयूबवैल की एवरेज लागत लें तो चार एकड़ पर क टयूबवैल लगता है जिससे खेंी की लागती बढ़ती ही जा रही है। किसी भी टयूबवैल का 12 हजार रूप से कम साल का खर्चा नहीं होता है तीन हजार प्रति एकड़ टयूबवैल का खर्चा एवं बिजली का खर्च किसान को देना पड़ रहा है। आज जिस तरह से हमारी जनसंख्या बढ़ रही है, एस. टीज तो हमारे प्रदे ज्ञ में नहीं है लेकिन हमारे प्रदे ा में 20 परसैंट ि ाडयूल्ड कास्टस एंव इतने ही बैकवर्ड क्लासिज के लोग है।, उनके लिए बजट में क्या प्रावधान है? उनके साथ इस बजट में एक किस्म का मजाक किया गया है बजट में कहा गया है कि एस सीज के 12500 लोगों को मदद दी जाएगी, फाइनैंि ायल इंस्टीच्यू ांज उनको मदद करेगी। उपाध्यक्ष महोदय, प्रदे ा की जनसंख्या दो करोड़ से भी ज्यादा हो चुकी है जिसमें से 20 परसैंट इनकी जनसंख है। केवल 12500 एस सीज के लोगों की मदद की जाएगी और इसके लिए केवल 45.96 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह से बैकवर्ड क्लासिज के केवल 2500 लोगों को ही मदद दी जाएगी और इसके लिए पैसा केवल 9 करोड़ रूपए ही रखा गया हैं अब इस प्रदे ा का गरीब आदमी, ि ाडयूल्ड कास्टस एवं बैकवर्ड क्लासिज के लोग इस बजट से

क्या लेकर जाएंगे? किसान तो पहले ही बुरी तरह से पिट चुका हैं। आज किसान चाहे कोई भी फसल पैदा करता हो, चाहे वह धान पैद करता हो, चाहे गेहूं पैदा करता हो या चाहे वह कोई और फसल पैदा करता हो, उसकी लागत बहुत बढ़ गई है। जो किसान धान की खेत करता है प्रति एकड़ 11200 रूपए खर्च आता है जकि उसकी आमदनी कम है। बढ़िया से बढ़िया बासमती धान यदि वह पैदा करते और 25 मन अगर एक एकड़ में फसल हो तो दस हजार रूपए उसको मैक्सीमम मिलता है। इसी तरह से मोटा धान यदि वह पैदा करते तो उसमें उसकी लागत 10800 रूपए आती है और गेहूं की लागत 11750 रूपए प्रति एकड़ आती ळे जबकि उसको आमदनी 10800 रूपए प्रति एकड़ की ही होती है। आज किसान की की कोई भी खेती लाभदायक नीं रही है। मक्की और बाजरे की खेती में भी अढ़ाई हजार रूपए या तीन हजार रूपए की लागत प्रति एकड़ आती है जबकि उसकी आमदनी किसान को नहीं हो पाती है। जब उसको आमदनी नहीं हो पाती तो किसान कहां जाएगा? ये बातें आपको देखनी हैं अब सवाल यह आता है कि इन बातों का क्या किया जा। सुझाव क्या हों और इन परिस्थितियों में क्या किया जा सकता है। आज सबके सामने अंधकार ही नजर आ रहा है। इन्होंने बजट में कई बतें कह दी। इन्होंने एलीमैंट्री एजुके ान के बारे में यह भी कह दिया कि Earn While You Leam लेकिन कोई रास्ता तो नहीं दिखाया कि जो पढ़ रहे हैं कैसे उनकी मदद करेंगे। यह बात ठीक है कि Those who reads they lead लैकिन आप क्या सुविधा देंगे। ि ाडयूल्ड

कास्टस की बात होगी तो छात्रवृति आप उनको देंगे? वह तो पहले से ही चल रही है। कितने और व्यक्तियों को आप देंगें। आन मैरिट तो सब जगह मिलती है लेकिन आम आदमी इस बजट से क्या उम्मीद लेकर जाएगा? यह मेरी समझ से बाहर की बात है जैसा मैंने कहा है घर तो गिरवी रख दिया गया है अब बर्तन बेचने की नौबत आ गई है। (विघ्न) जायदादें बिक रही हैं और उससे घाटा पूरा किया जा रहा है। आपने देखा कल के अखबार में खबर थी कि जमीन बादल साहब को सस्ते दामों पर दी गई है। मेरे को इस बात का ऐतराज नहीं है कि बादल साहब को दी या किसको दी? ऐतराज इस बात पर है कि मार्किट वैल्यू से कम दाम पर जमीन बेचकर सरकारी खजाने को जो नुक्सान हुआ है किसाक नुक्सान हुआ हर आदमी का हुआ। जैसे नहर की सिंचाई का मामला है मैं पिछली बार देख रहा था कि इरीगे ान डिपार्टमैंट का एस्टैबिल ामैंट पर खर्च 64 परसैंट था जो अब करोड़ 94 परसैंट पहुंच गया है। कहां तक टेल पर पानी पहुंचेगा। 570 करोड़ रूपया अकेले नहर विभाग के एस्टैब्लि ामैंट पर खर्चा है। इसी तरह से सरकार की पंचायती राज में आस्था होती है। पंचायती राज आया, संविधान बना, डायरेक्टिव प्रिंसीपल डाले गए और महात्मा गांधी की भी यही सोच थी। पंचायती राज का मकसद सत्ता का विकेंद्रीयकरण करने की होती ताकि नीचे तक आदमी फैसले करे लेकिन जिस प्रकार से सरकार ने आपके द्वार कार्यक्रम चल रहा है उससे सत्ता का केंद्रीयकरण होता जा रहा हैं आज पंचायतों को कोई महत्तव नहीं दिया जा रहा है।

श्री उपाध्यक्षः आप वाइंड अप करें।

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डाः पंचायती राज संस्थाओं में अनुमान राशि 46 करोड़ से घटाकर 18 करोड़ रूपए कर दी है इससे सरकार की नीयत साफ झलकती है कि सरकार का पंचायती राज संस्थाओं में वि वास नहीं है। दो अहम मुदे जो आए हैं जिन पर दलगत भावना से उपर उठकर फैसले लिए गए हैं। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, आप जल्दी कर रहे हैं इसलिए मैं थोड़ी सी बात कहकर अपनी बात समाप्त करता हूं। हमारे ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट ने कहा कि ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग इस बार मुनाफे में ई है इसमें हमें बड़ी खु ी है लेकिन सरकार का काम लोगों को नौकरी या काम धंधा देना है। जो लोग टैक्सी या मैक्सी कैब चला रहे थे उस पर इस सरकार ने पाबंदी लगा दी कि छह साल बाद उनको इसका लाइसैंस नहीं देंगें। रोडवेज पर भी आप इस तरह की पाबंदी लगा दो कि छह साल बाद बस नहीं चलेगी। लोगों के काम धंधे बंद हो रहे हैं। ट्रांसपोर्ट में इस तरह मुनाफा दिखाकर क्या होगा? आम आदमी जिस किसी व्यवसाय में यदि उसका व्यवसाय बंद हो जाए तो वह क्या करे?

वित्त मंत्री (प्रो. संपत सिंह): उपाध्यक्ष महोदयबाकी तो मैं जवाब के समय बता दूंगा लेकिन में हुड्डा साहब की इतलाह के लि यह प्वाइंट क्लीयर करना चाहता हूं। जहां मैक्सी कैब की लाइफ सात साल कर दी है वहीं रोडवेज की भी सात साल लाइफ

कर दी है और राज्यों में 15–16 साल लाइफ है लेकिन यहां हमने मैक्सी कैब के बराबर 7 साल की कर दी है।

श्री भूपेद्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, आप बजट एट ए ग्लांस देखें। नौंवी पंचवर्शीय योजना समाप्त हो रही है और दसवीं पंचवर्शीय योजना भुरू हो रही है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः आप वाइंड अप करें।

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, उसमें भी हर चीज में कम किया है चाहे एग्रीकल्चर हो उसमें भी इस साल कम किया है। चाहे पंचायती राज संस्थाओं की बात है, चाहे नहर विभाग की बात है, चाहे ि ाक्षा में हो या दसवें प्लान की बात इसमें बजट में कमी की गई है। यह कमी चिंता का विशय है। ससबे अहम मुद्दा एस.वाई.एल. का है उस पर भी चर्चा करना चाहता हूं। उसके लिए मुझे आपसे दो मिनट का समय चाहिए। एस.वाई.एल. के बारे में इस हाउस में रैजोल्यू ान पास हुआ हैं इसके अलावा कर्ण सिंह दलाल की इस बात से मैं बिल्कुल सहमत हूं कि एस.वाई.एल. के लिए तो हम सब एक हैं लेकिन जितना पानी हरियाणा में उपलब्ध है क्या आपने उसके बारे में सोचा है। जो आलरेडी स्कीम है जैसे दादूपुर, नलवी के बारे में बजट में पैसा रखा या भाखड़ा और यमुना में मेल हो और जहां फालतू पानी हो और जिसको पानी चाहिए उसके लिए क्या काई प्रावधान किया है ताकि कैरिंग कैपिसिटी बढ़ सके।

श्री उपाध्यक्षः प्लीज कंक्ल्यूड करें।

प्रो. संपत सिंहः एम.बी.के. आलरेडी लिंक है।

श्री भूपेद्र सिंह हुड्डाः एम.बी.के. और उसकी कैपेसिटी का भी मेरे को मालूम है लेकिन जितना हिस्सा बनता है उसका पूरा हिस्सा दिया जाता है और कोई नहर, चैनल या कैरिंग कैपेसिटी खोदने की सोच रहे हैं, मेरा यह कहना है कि यह सबका अधिकार है। पानी के लिए लोग तरस रहे हैं 42 दिन के बाद चार दिन पानी आता है।

श्री उपाध्यक्षः हुड्डा साहब आप बैठिये और भाि ा रंजन परमार बोलेंगे।

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय मुझे कंकल्यूड करने दें।

नगर एवं ग्राम योजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): उपाध्यक्ष महोदय हुड्डा साहब चौधर तो करते हैं रोहतक की और बात करते हैं दादूपुर नलवी के पानी की। हुड्डा साहब अपने हल्के किलाई और रोहतक के गांवों में जाकर देखें पानी का तीसरा हफ्ता चल रहा है। पिछली बार दो हफ्ते पानी आया था अब की बार तीसरा हफ्ता चल रहा है अब आप यह 42 दिन की बात पता नहीं कहां से उठा लेते हैं।

श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा: उपाध्यक्ष महोदय मुझे अपनी बात पूरी तो करने दें।

श्री उपाध्यक्ष: हुड्डा साहब आप बैठिये और अब भाि ा रंजन परमार बोलेंगे।

श्री भाि ा परमार (मुंढाल खुर्द): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री श्री संपत सिंह जी ने जो वर्श 2002–2003 का बजट पे ा किया है वह बहुत ही भाानदार और संतुलित बजट है। उसमें जो 1952.50 करोड़ की जो 4.5 प्रति ात की इसमें ग्रोथ दिर्खा है वह बड़ा सराहनीय है। मैं इस बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हरियाणा सरकार ने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से विकास करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बजट में इस बात का वि ोश ध्यान रखा गया है और हर हैड को सही छुआ है। उसमें चाहे रोडवेज की बात हो, चाहे सिंचाई की बात हो, आज पूरे प्रदे ा में विकास कार्य हो रहे हैं। जहां पिछली बार 852 करोड़ रूपए प्रथम चरण में विकास करने पर लगाए और इस बार 370 करोड़ रूपए के करीब के काम हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने करवाए हैं। सिंचाई के बारे में जहां पिछली बार भाखड़ा नहर का वाटर लैवल काफी कम था उसके बावजूद सरकार प्रयासरत रही कि पानी टेल तक पहुंचे। इस कार्य का रिजल्ट है जो ओटू वीयर पर 35 करोड़ रूपए खर्च किए गए। पथराला डैम के लिए 26 करेाड़ रूपए खर्च किए गए। एम.आई.टी.सी. डिपार्टमैंट के माध्यम से 50 करोड़ रूपए

लगाकर 305 खाले बनवाए गए हैं। चौधरी बंसीलाल कजी के समय में एम.आई.टी.सी. डिपार्टमैंट का भट्ठा बैठ गया था। इस सरकार ने उन खालों को बनवाया है। 100–125 खाले 14 करोड़ की लागत से भी बनवाए गए हैं। इसमें कोई भाक नहीं है कि जो हरियाणा प्रदे ा में एक ऐतिहासिक फैसला सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी का दिया है जिसमें पंजाब सरकार को निर्दे ा दिए हैं कि एक साल के अंदर एस.वाई.एल. नहर को पूरा करके दें। जिससे दक्षिणी हरियाणा का बड़ा फायदा होगा। हरियाणा प्रदे ा की सरकार की पैरवी की वजह से और माननीय मुख्यमंत्री जी की पैरवी की वजह से यह मामला सिरे चढ़ा है। वि ोशकर हमारे क्षेत्र भिवानी को इसका काफी फायदा होगा। यह सरकार का बड़ा सराहनीय कदम है इसके लिए हम आभार व्यक्त करते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, बिजली की जनरे ान में भी पिछले सालों के मुकाबले 36 परसैंट ग्रोथ इस बार हुई है और लाइन लोसिज भी काफी कम हुए हैं। जो सरकार ने साढ़े 7 हजार ट्रांसफार्मर लगाए हैं वह किसानों की एक बड़ी डिमांड थी उस डिमांड को भी पूरा किया हैं 7700 किलोमीटर की तारें बदली गई हैं। हमारे भिवानी जिले के बारे में ोगों में यह बात थी कि बिजली के मामले में यहां क्या हुआ है। यह सामने ही है कि सतनाली गांव में 132 के.वी. के बिजली घर की मुख्य मंत्री महोदय ने आधारि ाला रखी थी। बहल मं 132 के.वी. का बिजली घर मंजूर किया गया है और भिवानी में 132 के.वी. के बिजली घर की

आधारि ाला रखी गई थी। मेरे अपने गांव में भी 33 के.वी. का बिजली घर सरकार बनाने जा रही है। ये बड़े सराहनीय कदम सरकार के हैं। पिछली सरकारों में लाठीचार्ज और गोलियां चली फिर भी बिजली के बिलों की रिकवरी नहीं हुई वहीं अब मुख्यमंत्री के निर्दे ा से और इनकी गाइडलाइंस से किसानों को समझा–बुझाकर हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने 800 करोड़ रूपए की बिजली के बिलों की रिकवरी की है और यह बड़ा सराहनीय कदम है। उपाध्यक्ष महोदय इसी तरह इस सरकार ने 3 परसैंट रिजर्वे ान खिलाड़ियों के लिए सर्विसज में की है और खेलों को बढ़ावा देने के लिए अंबाला और गुड़गांव में स्पोर्टस सैंटर्ज भी डिवेल्प किए जा रहे हैं। अभी पीछे हिसार में नै ानल लैवल पर गैम्स हुए हैं उसमें बहुत बड़ी अचीवमैंट सरकार की रही है। ओपन खेल वि वविद्यालय बनाने का जो फैसला हिसार में लिया गया है वह बहुत सराहनीय कदम है।

श्री उपाध्यक्षः भाि ा परमार जी आप वाइंड अप करें।

श्री भाि ा परमारः उपाध्यक्ष महोदय, ओलम्पिक में स्वर्ण पदक लाने वाले को एक करोड़ रूपए, सिल्वर पदक लाने वाले को 50 लाख रूपए और 25 लाख रूपए कांस्य पदक लाने वाले को इनाम के रूप में देने की घोशणा इस सरकार द्वारा की गई है। जो एक सराहनीय कदम है। इस बजट में भी इसको रखा गया है। उपाध्यक्ष महोदय जहां तक हरियाणा प्रदे ा में उद्योग की बात है, इन्फोर्मे ान टैक्नोलोजी को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार काफी

प्रयासरत है। ि ाक्षा के मामले में भी नई ि ाक्षा नीति बनाई गई है। पहली कक्षा में जहां अंग्रेजी लागू की गई है और पांचवीं कक्षा से कम्प्यूटर ि ाक्षा भी भुरू की गई है। इससे वि ोशतौर से हमारे देहता के बच्चों की हौंसला अफजाई होगी। आई.टी. के मामले में हरियाणा प्रदे ा पूरे दे ा में तीसरे नंबर पर है। इसमें कोई भाक नहीं हैं इसी तरह से ई गवर्नेंस सैंटर यहां चंडीगढ़ में बनाया गया है। उसमें अधिकारियों को और विधायकों को कम्प्यूटर की ट्रैनिंग दी जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय यह बहुत बड़ी खु ाखबरी है कि इस सै ान में सभी विधायकों को कम्प्यूटर देने का फैसला लिया गया है इससे बहुत फायदा होगा। उपाध्यक्ष महोदय हरियाणा प्रदे ा में अमन और भाांति है और इसका रिजल्ट यह है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री महोदय कई दे ाों की औद्योगिक नीति देखने के लिए बाहर गए थे। और मुझ जैसे छोटे वर्कर को भी बाहर जाने का मौका मिला है। काफी इंडस्ट्रीज दिल्ली से उजड़करयहां हरियाणा में आई हैं। उद्योग के मामले में हरियाणा में 7 हजार करोड़ रूपए का निर्यात पिछले साल हुआ है, 3 हजार करोड़ रूपए का निर्यात सोफ्टवेयर के मामले में हुआ है और गुड़गांव में अर्थ सैंटर बनाने का इनीि ाएटव लगा दिया गया है। सोफ्टवेयर को विकसित करने के लिए काफी फैक्ट्रियां लगाई गई हैं यह एक बड़ा अच्छा और भाानदार बजट है इसमें कोई भाक नहीं है। यह बजट प्रति व्यक्ति आय 13709 रूपए से बढ़कर 14331 रूपए द ार्शाता है। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा की अर्थव्यवस्था सही दि ाा

की तरफ अग्रसर है। यह बहुत भाानदार बजट माननीय संपत सिंह जी ने रखा है। उपाध्यक्ष महोदय अब मैं एक दो बातें अपने हलके के बार में कहना चाहूंगा।

श्री उपाध्यक्षः परमार जी आप एक मिनट में वाइंडअप करें। दूसरे सदस्यों ने भी बोलना है।

श्री भाि ा परमारः उपाध्यक्ष महोदय मैं कह रहा था कि मैं अपने हलके की एक दो बातें कहना चाहूंगा कि वैसे तो पूरे हरियाणा प्रदे ा में माननीय मुख्यमंत्री जी ने विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी है। मेरे हल्के में बिजली घर भी मंजूर किए गए हैं तथा सिंचाई के रजबाहे भी बनवाए जा रहे हैं। जैसे बामला माइनर, ढाणी हरि सिंह माइनर और मुढांल माइनर। ये माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने मंजूर कर दिए हैं। जिससे कम से कम 15–20 हजार एकड1 भूमि सिंचित होगी। इसके अतिरिक्त मैं दो–तीन दूसरे रजबाहों क तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि न्यू बडेसरा माइनर और जटाई माइनर भी बनवाए जाएं। इन रजबाहों को बनाने बारे मुख्यमंत्री जी ने घोशणा भी की थी तथा इनको बताने में जो आब्जैक ान थे उनको भी हमने दूर करवाया है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि ये रजबाहे जल्दी बनाएं जाएं। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरे हलके में सड़कें भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने काफी बनवाई हैं। जो सड़कें पिछले 20–25 सालों से नहीं बनी थी, उनको हमारे मुख्यमंत्री जी ने बनवाया है। जैसे चांग से खरक, नाथवास से

बामला, चांग से मिताथल, जटाई से सुखपुरा और मढाणा से तिगड़ाना आदि सड़कें मेरे हल्के में बनाई गई हैं। इसके अतिरिक्त मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि दो–तीन सड़कें जो टूट गई हैं वे बनानी बहुत जरूरी हैं क्योंकि उन सड़कों पर आम आदमी का और किसान का बहुत वास्ता पड़ता है। वे रोड हैं सांवड़ से बड़ाला और सूई से खरकड़ी। माननीय मुख्यमंत्री कृपा करक ये सड़कें भी जल्दी बनवाएं। उपाध्यक्ष महोदय इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने पालिसी बनाई है कि परचेज सैंटर अधिक से अधिक बनाए जाएंगें ताकि सिानों को अपनी फसल 6 से 8 किलोमीटर से ज्यादा दूर बेचने नहीं जाना पड़े। इस बारे में मैं माननीय कृशि मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि चांग, बौंद और धनाना में परचेज सैंटर इसी सीजन में बनाए जाएं क्योंकि यहां के किसानों को अपना अनाज बेचने के लिए भिवानी और महज जाना पड़ता है। ये दोनों ही परचेज सैंटर इन गांवों से लगभग 15 किलोमीटर दूर हैं।

श्री उपाध्यक्षः कृशि मंत्री जी आप परमार साहब के इन गांवों के नाम नोट कर लें और वहां पर परचेज सैंटर बनवाने बारे विचार करें। परमार जी अब आप वाइंड अप करें। आपकी बात कृशि मंत्री जी ने नोट कर ली है।

श्री भाि ा पममारः उपाध्यक्ष महोदय आप, अंत में मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया और माननीय संपत सिंह जी का भी धन्यवाद करता हूं कि

इन्होंने संतुलित बजट पे ा किया तथा मैंट बजट का समर्थन करता हूं।

चौधरी जगजीत सिंह (दादरी): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। माननीय वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह जी ने 13 मार्च को सदन में जो बजट पे ा किया उस पर दो–तीन दिन से चर्चा हो रही है। बहुत से साथियों ने कहा कि यह बड़ा अच्छा है, प्रदे ा को सही दि ाा में ले जाने वाला विकास ील बजट हैं लेकिन आंकड़ों को देखा जाए तो पता लगता है कि ह बजट मा़त्र आंकड़ों को ही खेल साबित होता है। यह बजट पिछले दो–तीन सालों के बजट से 30–35 प्रति ात कम है। इसके अंदर मूलभूत सुविधाएं जैसे, बिजली, सड़कें और सिंचाई के लिए मात्र 42.13 प्रति ात पैसा रखा गया है जबकि विगत वर्श इन कार्यों के लिए 54.6 प्रति ात पैसा रखा गया था और उससे पिछले वर्श यानि 2000–2001 के बजट मं इन कार्यों के लिए 64.5 प्रति ात पैसा रखा गया था। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार अपने आपको आद आदमी और किसान हितैशी सरकार बताती है जबकि किसान और आम आदमी इसी हैड में कवर हो जाते हैं जो कि 50 प्रति ात से कम हैं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित मंत्री जी ने जो पिछले तीन साल स बजट पे ा करना भाुरू किया है तब से इनकी वार्शिक परियोजनाओं के आकार के पैसे में भी निरंतर कमी होती जा रही है। वर्श 2000–2001 के बजट में 2530 करोड़ रूपए, वर्श

2001–2002 के लिए 2150 करोड़ रूपए और इस वर्श बजट में 1900 करोड़ के लगभग का प्रावधान वार्शिक योजनाओं के लिए किया गया है। इसमें केंद्रीय सहायता का जो आंकड़ा दिखाया गया है वह 23.7 परसैंट है जो 456.06 करोड़ रूपए बनता है। मैं समझता हूं कि केंद्र के साथ मौजूदा हरियाणा सरकार के उतार–चढ़ाव वाले रि तों को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि 456.06 करोड़ रूपए की जो रा ि ा दिखाई है वह ये पूरी तरह से उनसे ले लेंगे ओर बजट के अनुसार ही खर्चा कर देंगे या प्रदे ज्ञ के हितों के लिए ये कुछ कर पाएंगे। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा बजट के अंद गांवों के विकास के लिए पिछले बजट के मुताबिक बहुत कम रा ि ा ग्रामीण विकास के हैड में दिखाई है यानि यह 67.81 करोड़ रूपए दिखाई गई है जबकि भाहरों के लिए कई बार ये दूसरे प्रस्ताव भी पास करके पैसा इक्ट्ठा कर लेत हैं। इसके अलावा भाहरों के अंदर पड़ी जमीन को बेच कर या गृहकर लगाकर भी बहुत सी स्कीमों के माध्यम से भाहरों के लिए पैसा इक्ट्ठा कर लेते हैं। सरकार समय–समय पर ऐसा करती रहती है। आज के दिन तो बजट में कोई टैक्स दिखाई नहीं देता लेकिन बाद में पूरा साल भर किसी न किसी प्रकार के नये टैक्स लगते रहेंगे और कोर्ठ न कोई स्कम लागू करके पैसा लेते रहेंगे। उपाध्यक्ष महोदय गांवों के अंदर पिछले साल की निस्बत इस साल 140.29 करोड़ रूपए दिखाए गए हैं जबकि पिछले ाल 67.7 करोड़ रूपए इस बजट के आथ्रिक सर्वेक्षण बुक में दिखाए गए थे। इसी प्रकार से जो कृशि संबंधी कार्यों के

बारे में बताया है उनमें भी इन सब हैडों में कमी आई है। गांवों के लोगों की कहलाने वाली सरकार का यह हाल है जो इस बजट के पे ा होने पर और इनकी पोल खुलने पर ता लगता है। अब इस वक्त माननीय वित्त मंत्री जी सदन में बैठे हुए नहीं हैं हमारे बहुत से माननीय साथियों ने बजट पर जो सुझाव दिए हैं, उन के बारे इनको विचार करना चाहिए। यहां पर पूर्व वित्त मंत्री जी श्री मांगे राम गुप्ता जी बैठे हैं। इन्होंने भी बजट के बारे में काफी अच्छे सुझाव सरकार नके सामने रखे हैं।

श्री उपाध्यक्षः सांगवान साहब आप भी अपने सुझाव दें। अब आपके पास सुझाव देने का समय है।

चौधरी जगजीत सिंहः उपाध्या महोदय, वित्त मंत्री जी को मेरा इस बारे में अब भी यही कहना है कि जो हमारे सीनियर साथी हैं उनको वे बुलाकर उनके सुझाव इस बजट के लिए ले लें तो बहुत अच्छी बात होगी जिससे इस बजट को अच्छा बनाया जा सकता है। मुझे पता है कि बात में अफरा–तफरी मचेगी और फिर मुझे बैठने के लिए कहेंगे। इसलिए मैं पहले अपने लके के संबंध में 2–4 बातें कहना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना तो बहुत कुछ चाहता था लेकिन क्योंकि आप बार–बार घड़ी की तरफ देख रहे हैं और मुझे बोलने के लिए भी आपने सिफ 6 मिनट का समय दिया गया है इसलिए मैं अपनी बात जल्दी से जल्दी पूरी करने की कोि ा ा करूंगा। उपाध्यक्ष महोदय,. इस बजट में बहुत सी ऐसी बातें थी, जिनको वित्त मंत्री जी ने छुआ तक नहीं। खासकर मेरे

हलके दादी को तो बजट में छुआ तक नहीं हैं मुख्मयंत्री जी ने भी दादरी को जिला बनाए जाने बारे कोई सार्थक जवाह नहीं दिया है। इन्होंने दादरी को जिला बनाने की बात नहीं कही। मैं दादरी को जिला बनाने की बात कर रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब य है कि यदि सरकार इस बजट में दादरी को जिला बनाने क लि कुछ प्रावधान करती तो इससे बहुत से लोगों को राहत मिलती। दादरी जिला बनाए जाने पर वहां पर बहुत से विकास कार्य भी होते जिससे उस क्षेऋ का विकास होता। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वार्ड नंबर 1 एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर सीवरेज की निकासी की बहुत अधिक आव यकता है। आज के दिन दादरी भाहर में बहुत थोड़ी जगह में सीवरेज डाला हुआ हैं जब इस भाहर में यह सीवरेज डाला गया था उस वक्त दादरी भाहर की आबादी तकरीबन 35 हजार थी जो आज बढ़ कर 70 हजार से भी उपर है। उपाध्यक्ष महोदय मेरा सरकार को आपके माध्यम से अनुरोध है कि दादरी भाहर में सीवरेज की बहुत अधिक आव यकता को देखते हुए वहां पर सरकार सीवरेज डलवाने की तुरंत व्यवस्था करे ताकि वहां के लोगों को कुछ राहत मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदय दादरी भाहर के अंदर से जो रेलवे लाइन जयपुर–हिसार जाती है वह भाहर के बीचों'–बीच है। आधा भाहर लाइन के उस पार है और भाहर लाइन के इस पार है। इस बारे में मेरा कहना है कि रेलवे लाइन पर जो रोड हैं, वहां से राजस्थान, नारनौल, दिल्ली, पिलानी और रोहतक जाने वाले वाहन

जाते हैं। इस सड़क पर रेलवे लाइन बीच में पड़ने पर बहुत भारी जाम रहता है। अच्छा होता है कि इस बजट के अंदर वित्त मंत्री जी वहां पर बाईपास बनाए जाने की ात करते और ओवर ब्रिज बनाने की बात भी करते। मेरे कहने का मतलब यह है कि इस बजट में बाईपास और ओवरब्रिज की बात होती तो लोगों के लिए बहुत ज्यादा सुविधा होती।

श्री उपाध्यक्षः सांगवान साहब, वाइंड अप कीजिए।

चौ. जगजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, हमारे इलाके में पीने के पानी की बहुत भारी समस्या है। इस बारे में मैने सी.पी. एस. साहब से सवाल भी किए थे। उन्होंने यहां हाउस में कहा था कि टेल पर होने की वजह से कई जल घर ऐसे हैं जिस पर पीने के पानी की बड़ी समस्या है। जहां पर पानी आता भी है तो वह साफ–सुथरा नहीं होता। इस वजह से दादरी भज्ञहर में खसरे का रोग और डायरिया रोग जैसी बीमारियां घर–घर फैली हुई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज के दिन दादरी के अंदर हर घर में 1–1 व 2–2 आदमी बीमार है और ये सब खराब पानी की वजह से ही बीमार हैं।

श्री उपाध्यक्षः आप वाइंड अप कीजिए।

चौ. जगजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया। आपका धन्यवाद करते हुए मैं सरकार से उम्मीद करता हूं कि मैने अपने

हलके से संबंधित जो 4–5 बातें कहीं हैं, उनका समाधान वे इस बजट में भाामिल करेंगे। धन्यवाद

श्रीमति अनिता यादव (साल्हावास): माननीय उपाध्यक्ष आपने बजट पर चर्चा करने में मुझे भाामिल किया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद प्रकट करती हूं तथा जो बात में कहने जा रही हूं उसको सुनने के लिए भी मैं आपसे अनुरोध करती हूं। सभी माननीय साथियों ने अपने–अपने क्षेत्र की बात कही, बजट की बात इस सदन में कही। प्रो. संपत सिंह जी ने 13 मार्च को हाउस में जो बजट रखा है, उस विशय में भी अपनी बात कहना चाहती हूं। वर्श 2002–2003 के बजट में 202.20 करोड़ रूपए का घाटा द ार्शाया गया है। पिछले बजट अनुमान से अगर हम आकलन करें तो यह घाटा लगभग 400 करोड़ रूपए तक पहुंचेगा क्योंकि जब 2001–2002 का बजट पे ा किया गया था तब भी प्रो. साहब ने कोई हकर नहीं लगाया था लेकिन धीरे–धीरे करके इन्होंने इतने भारी टैक्स लगा दिए कि इन्होंने जीने–मरने तक के उपर भी टैक्स लगा दिया। यहां तक कि हर बात पर टैक्स लगा दिया। उपाध्यक्ष महोदय मैं तो यह समझती हूं कि यह नैचुरल है कि ज्यों ज्यों साल भाुरू होगा त्यों–त्यों दोबारा इस बजट का ऐसा पुलिंदा बंधेगा जैसे पिछले साल के बजट का पुलिंदा बांधा था। इस साल भी जो घाटा दिखाया गया है वह कहीं 400–500 करोड़ तक नहीं पहुंच जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इन लोगों से अनुरोध करती हूं कि जब जब भी इन्होंने बजट को पे ा

किया है उसके बाद इन्होंने करों के उपर कर लगाकर कर जनता का जीना दूभर किया है। हम लोगों ने धरने दिए और प्रद र्न भी किए लेकिन सरकार अपने कारनामों से बाज नहीं आई। पहले बजट मं सरकार ने 2530 करोड़ रूपए की प्लानिंग रखी थी लेकिन इसमें से 1830 करोड़ रूपए के संसाधन ही सरकार जुटा पाई और बाकी जो पैसा था जिसकी प्लानिंग थी उसमें बचा नहीं क्योंकि सरकार ने हीनपणा बरता। इतना पैसा रखने के बावजूद भी 1830 करोड़ रूपए ही सरकार जटा पाई। इसी तरह से दूसरे बजट में भी 2150 करोड़ रूपए की प्लानिंग थी लेकिन सरकार 1838.68 करोड़ रूपए के संसाधन जुटा पाई। अब की बार सरकार ने 1922.50 करोड़ रूपए की प्लानिंग की और उसके बावजूद 1466.44 करोड़ रूपए जो पने प्रावधान में रखा है मैं समझती हूं कि यह राशि हरियाण के विकास के लिए बहुत कम है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय ठीक है, मैं मानती हूं कि कूछ कंजूसी करनी चाहिए। हर बात में तर्क वितर्क के साथ–साथ हानि को भी देखना चाहिए लेकिन उसका यह मतलब नहीं है कि बजट में तो कंजूसी चलती रहे और हरियाणा के किसानों के हक कटते रहें और हरियाणा के लोगों की अनदेखी होती रहे और सारा पैसा यू.पी में चला जाए। यह ात हमारे लोग कभी बर्दा ात नहीं करैंगें। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): डिप्टी स्पीकर सर, ये लोग जब भी कोई बात कहते हैं तो सारा दोश

हमारा निकालते हैं और ये कहते हैं कि पिछले जितने भी ओले पड़े थारे वक्त में पड़ गए, सूखा थारे वक्त में पड़ गया, उपाध्यक्ष महोदय मुझे एक छोटी सी बात याद आ गई आप मुझे इजाजत दे मैं एक मिनट में ही अपनी बात पूरी कर लूंगा। गांव में एक बूढ़ा मर गया और गांव के लोग सांत्वन देने के लि उसकी बुढ़िया के पास चले गए और कहने लगे ताई कोई बात नहीं यह तो सब के साथ लगा हुआ है कोई बात नहीं तू दिल समझा। उस बुढ़िया से नंबरदार और सरपंच कहने लगे यह आना–जाना तो लगा ही रहता है तू दिल को समझा। वह बुढ़िया नंबरदार से कहने लगी थारा ताउ जब चालया करता तो यह जो रेडिया धरा है इस पर वह खबरें सुना करता था और अब यह रेडिया देखती हूं तो उसकी याद आ जाती हैं वह नंबरदार कहने लगा कि यह रेडिया मैं घर ले जाउंगा ताई तू ज्यादा हरख न करे और तू इसकी तरफ न देख्या कर। (विघ्न) अनिता जी आपको पता नहीं ै लेकिन मैं आपका बहुत आदर करता हूं। आपको पता नहीं है कि इस बमें बहुत फर्क हैं मैं तो किस की कह रहा हूं ओर आप किस की ढूंढ रही हैं। उपाध्यक्ष महोदय वह बुढ़िया कहने लगी जब मैं यह रेडियो देखती हूं तो उसकी याद आने लगती है। नंबरदार ने कहा यह रेडिया मैं घर ले जाउंगा और खबर मैं सुन लिया करूंगा तू इसकी चंता न किया कर। बुढ़िया कहने लगी थारा ताउ घोड़ी भी बांध गया था वह घोड़ी पर आया जाया करता था घोड़ी देख कर भी उसकी याद आ जाया करै। उपाध्यक्ष महोदय, तो बुढ़िया कहने ली कि यह बड़ा सा कोट तेरे ताउ का है यह भी वो

पहना करता था तो नंबरदार कहने लगा कि यह भी मैं पहन लिया करूंगा। इसके बाद बुढ़िया कहने ली कि नंबरदार तेरे ताउ ने 20 हजार रूपए का कर्ज बैंक से लिया था वे भी बैंक को देने हैं तो नंबरदार कहने लगा कि सारा गांव क्या यूं ही बैठा है, अरे भाई तुम भी हां भर लो। उपाध्यक्ष महोदय चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने बड़े काम किए हैं और इनका यमुनानगर के इनैक ान का क्या हुआ। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय मैं एक बार कहना चाहता हूं कि

इन्हें साहिल हो गई मंजिल, यह हवा का रूख बदल गए।

वे हाथ–हाथ में आ गया कि चिराग राह में जल गए।

श्री उपाध्यक्षः आप बैठिये, अनिता जी आप बोलें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजराः उपाध्यक्ष महोदय, मैं केवल मात्र एक लाइन में बात कहना चाहता हूं। यहां पर कवल चौटाला साहब का मकसद बताना चाहता हूं।

सिफ हंगामा खड़ करना मेरा मकसद नहीं,

मेरी कोि ा ा है कि यह सूरत बदलनी चाहिए,

हो गई पीर पर्वत सी पिंघलनी चाहिए,

है बहुत अंधियारा सूरज निकलना चाहिए,

जिस तरह भी हो यह मौसम बदलना चाहिए

अब जनाजा धूम से निकलना चाहिए।

चौ. भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी प्वाइंट आफ आर्डर पर बोल रहे थे? ये यूं ही बीच में बोलने लग जाते हैं आप इस बारे में बताएं।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः भजन लाज जी मैंने इनको परमि ान दी थी। आप बैठिये। (ाोर एवं व्यवधान) अनिता जी बोलिए।

श्रीमति अनिता यादवः माननीय उपाध्यक्ष महोदय,. पिछले वर्श के बजट में बिजली के लिए 487 करोड़ रूपए का प्रावधान था और अब कि बार इन्होंने बिजली के लिए केवल 166.56 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है मैं समझती हूं कि यह बहुत ही कम है। बिजली का मामला बहुत गंभीर है। बिजली नहीं मिलने की वजह से किसानों की फसल सूख जाती है। हरियाणा में यह पता नहीं रहता कि कब बिजली चली जाएगी। हमेशा यही रहता है कि बिजली अब गई अब गई। जब किसानों की ज्यादा जरूरत होती है उस समय बिजली चली जाती है। खास करके भााम के टाइम जब बच्चों ने पढ़ना ोता है या ओरतें रोटी बनाने लगती हैं तो बिजली चली जाती है। यह जो रा ि ा बिजली के बजट में रखी गई यह बहुत कम है। मैंने इस बारे में सुबह भी जिक्र किया था।

उपाध्यक्ष महोदय, कोसली पावर हाउस स्टे ान में हमारा एक नाहड़ फीडर है वह ओवर लोडिड है। 29–12–2001 को मुख्यमंत्री जी हमारे क्षेत्र में आए थे और उन्होंने उस बारे में अफसरों को कार्रवाई करने के लिए आर्डर दिया था। लेकिन आज तक वहां पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मुझे पता नहीं कि मुख्यमंत्री जी की चलती या अफसर्ज की चलती है। आज उसको 3 महीने की बजाय 4 महीने हो गए हैं लेकिन आज तक किसी आफिसर ने वहां पर जाकर नहीं देखा है कि वहां पर मुख्मंत्री जी ने उनको क्या आर्डर दिए थे और वे इम्पीलमैंट हुए या नहीं। इसी तरह से मेरे क्षेत्र में बिजली की तारें भी ढीली पड़ी हुई हैं उनको भी खींचने के लिए कुछ रा ि ा का प्रावधान किया जाए। इसी प्रकार से उपाध्यक्ष महोदय सिंचाई के लिए पिछले साल 367 करोड़ रूपए बजट में रखे गए थे लेकिन इस बार सिर्फ 300 करोड़ रूपए की रखे हैं। मैं समझती हूं कि सिंचाई के लिए यह पैसा बहुत कम है। आज सभी जानते हैं कि हरियाणा प्रदे ा कृशि प्रध्याान प्रदे ा है और यहां के 85 प्रति ात लोग खेती करते हैं और उस पर ही निर्भर करते हैं उनको बिजली पानी पूरी नहीं मिलने की वजह से उनकी खेती ठीक तरह से नहीं हो पाती है जिस वजह से उनको उचित पैसा नहीं मिल पाता है। जिससे वे अपने बचें को सही एजुकेशन नहीं दे पाते हैं। मेरा आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि उसे ठीक करवाएं। जैसे कि मंत्री जी ने और मुख्यमंत्री जी ने भी कहा था कि सिंचाइ के लिए एस.वाई.एल. का पानी आ रहा है। मुझे नहीं पता कि यह पानी कब आएगा और

कब नहीं आएगा। मैं आपके माध्यम से हरियाणा सरकार से यह डिमांड करती हूं कि हरियाणा में जो टोटल पानी 13 हजार क्यूसिक है उसमें से दक्षिणी हरियाणा को केवल 6 हजार क्यूसिक पानी ही मिल रहा है। दक्षिणी हरिाणा में महेंद्रगढ़, रिवाड़ी, झज्जर, गुड़गांव और फरीदाबाद जिले आते हैं।

श्री उपाध्यक्षः अनिता जी, आप अपनी फिगर्ज चेक कर लें। अगर इनता पानी मिले तब कोई बात ही नहीं है।

श्रीमति अनिता यादवः उपाध्यक्ष महोदय मे कहने का मतलब यह है कि तीन जिजों में तो ज्यादा पानी की जवह से सेम आ रही है जबकि दक्षिणी हरियाणा में पानी नहीं मिलने की वजह से सूखा पड़ रहा है। जब तक एस.वाई.एल. का पानी हरियाणा में नहीं आ जाता तब तक जो भी पानी हरियाणा में हैं, उसका उचित बंटवारा किया जाए ताकि दक्षिणी हरियाणा को पानी मिल सके और वे भी खु ाहाल हो सकें तथा अपने बच्चों का जीवन स्तर सुधार सकें। यह मेरी सरकार से डिमांड है। इसी तरह से पीने के पानी की बात भी यहां पर आई कि सरकार का 70 लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति देने का प्रावधान है। जब सी.एम. साहब मातनहेल गांव गए थे तो उन्होंने वहां पर वाटर स्कीम्स का उदघाटन किया था लेकिन अभी भी वहां पर दो–तीन वाटर स्कीम्ज अधूरी पड़ी हैं। अब तो गर्मियां आ चुकी हैं इसलिए मैं समझती हूं कि अगर अभी से इस के लिए साधन नहीं जुटाए गए तो ये स्कीम्ज पूरी नहीं की गई तो जिस तरह से आज वहां पर

दो रूपए प्रति मटका पानी लेना पड़ रहा है उसी तरह से बाद में भी यही हालत रहेगी। चाहे रेलवे स्टे ान कोसली की बात हो या मातनहेल की बात हो। सब जगह यही हाल है। आप चाहें तो इस बारे में सर्वे करवा लें। हमें पता नहीं चलता कि सरकार के फंडज कहां जाते हैं। हो सकता है कि ये फंडस सिरसा में जाते हों रोड़ी में जाते हों या फिर यू.पी. में चले गए हों। मैं तो इतना ही कहना चाहती हूं कि वहां पर पीने का पानी मिलना चाहिए। (विघ्न) माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर सरसों की फसल के नुक्सान का या ओलावृश्टि का भी बार–बार जिक आया है। आप इस बारे में अच्दी तरह से जानते हैं क्योंकि आपका संबंध भी उस इलाके से है। मैं कहना चाहूंगी कि हमारे इलाके में 50 परसैंट तक ओले पड़े हैं। आप आज क दैनिक जागरण अखबार देखें। उसमें दिखाया गया है कि एक गांव का किसान अपनी सरसों की खड़ी फसल पर अपना ट्रैक्टर चला रहा है। हमारे एक सदस्य के पास यह पेपर है आप चाहें तो हम आपको यह दिखा सकते हैं। इसलिए मेरी सरकार से मां है कि वहां के किसान को पूरा मुआवजा दिया जाना चाहिए। इस तरह से अब में बसिज के बारे में कहना चाहूंगी कि जहां पर आपने इन बसिज के लिए इतने पैसे का प्रावधान रखा है वहीं आप इसको थोड़ा और बढ.ा दें ताकि 15 बसिज और ज्यादा खरीद लें क्योंकि हमारे क्षेत्र रिवाड़ी से झज्जर से कोसीली के लिए बसिज बहुत ही कम हैं। बसें नहीं होने की वजह से यात्री घंटों खडे रहते हैं।

श्री उपाध्यक्षः अनिता जी, आप बैठें।

श्रीमति अनिता यादवः सर, अब में नाहड़ महाविद्यालय के बारे में कहना चाहूी कि वहां पर भी बसिज का प्रावधान नहीं है। मैं सरकार से कहना चाहूंगी कि वहां पर बसिज का जरूर प्रबंध करवाया जाए। वि ोश्चा तौर पर कालेज के समय पर बसें जरूर चलनी चाहिएं। उपाध्यक्ष महोदय, अंत में मैं इस बजट का विरोध करती हुई अपनी बात समाप्त करती हूं। (विघ्न)

श्री भागी राम (ऐलनाबाद, अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, आपका मुझे बोलन के लिए समय देने के लिए धन्यवाद। प्रो. संपत सिंह जी ने जो बजट पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। वैसे तो जब से हरियाणा बना है और हरियाणा का जो भी वित्त मंत्री हुआ है वह पना बजट पे ा करता और रूलिंग पार्टी उसका समर्थन करती है जबकि अपोजी ान पार्टी उसका विरोध करती है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने भी देखा था कि जिस दिन प्रोफैसर साहब बजट पे ा कर रहे थे, मैं भी देख रीहा था उस समय हमारे विरोधी पक्ष के भाई एक–दूसरे की तरफ ई ाारा कर रहे थे और ऐसा महसूस हो रहाथा कि वे इस ताक में थे कि कहां कोई ऐसी बात आए जहां हम भाोर मचाएं या वाक आउट करें या कोई और बात करें। मुझे बड़ी खु ाी है कि इनको ऐसा कोई मौका नहीं मिला। मेरा ख्याल है कि यह पहला बजट सै ान है जिसमें हमारे विपक्ष के साथियों को बज का विरोध करने के लिए कोई बात नहीं मिली और वा

आउट नहीं हुआ। (विघ्न) वैसे इस बजट में चाहे कृशि की बात हो , बार–बार हमारे साथी इसकी तारीफ कर रहे थे। चाहे कांग्रेस के साथी हों, चाहे बी.जे.पी. के ाथी या इंडीपैडैंटस थे सभी ने यही कहा कि मैं बिजली के लिए धन्यवाद करता हूं। किसी ने कहा कि मैं ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर का धन्यवाद करीता हूं। कोई किसी का ाधन्यवाद कर रहा था कोई किसी का कर रहा था। कोई इलियास जी का धन्यवाद कर रहा था कि इनका इंजैक ान कामयाब रहा। मेरे कहने का मतलब यह है कि चाहे पब्लिक हैल्थ की बात हो या हैल्थ की बात हो इस बजट में सारे महकमों के काम से अच्छी झलक आती है। (विघ्न) जब से चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार बनी है तब से इतने अच्छे काम हो रहे हैं। जब भी इस परिवार को राज करने का मौका मिला, चाहे 1977 में चौधरी देवीलाल जी मुख्यमंत्री बने, चाहे 1987 में दोबाा उनकी सरकार बनी या चाहे चौटाला साहब मुख्यमंत्री बने, इन्होंने ऐसे ही काम किए है। कहीं सड़कें बना दी,, कहीं खाल बना दिए, कहीं लियां बना दी, कहीं नालियां बना दी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः मांगे राम जी, आप बैठें रंनिंग कमैंट्री न करें। अगर आप ऐसा करेंगे तो भागी राम जी को भी मुकाबला करना आता है।

श्री भागी रामः चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की जब भी सरकार आई है उन्होंने ऐसा काम किए हैं जो सारे

हरियाणा प्रदे ा के अंदर लागू हुए हैं। हर गांव में काम हुए, चाहे वह चौधरी भजन लाल जी का हल्का हो या चौधरी बंसीलाल जी का हल्का हो। चौधरी भजन लाल या बंसी लाल जी की तरह नहीं किया। जब बात चलती है तो यही कहा जाता है कि चौधरी बंसीलाल के मुख्यमंत्री रहते उन्होंने तो ाम को चमका दिया ओर चौधरी भजन लाल के रहते उन्होंने मंडी आदमपुर को चमका दिया। आज रियाणा के किसी भी गांव में चलें जाएं टोटल 90 के 90 हल्कों में काम होते नजर आएंगे। कहीं धर्म ाला बन रही है, कहीं चौपाल बन रही है, कहीं सड़क बन रही है और कहीं गलियां बन रही हैं हर गांव में कोई न कोई काम हो रहा है। उपध्यक्ष महोदय, मैं यह कहता हूं कि जब से हरियाणा प्रद ा बना है तब से लेकर आज तक जिने भी हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे हैं चाहे वे चौधरी भजन ला जी हों, चाहे चौधरी बंसी लाल जी हों, चाहे पं. भगवद इदयाल जी हों, चाहे वे बनारसीदास गुप्ता जी हों, जिने भी मुख्यमंत्री बनें हैं, उन सभी मुख्यमंत्रियों ने इतने सालों में ज्यादा काम नहीं किए हैं, जितने पिछले दो सालों में चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी के समय किए गए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज कोई कहता कि ये खान दे दी वो खान दे दी। चौधरी भजनलाल जी ने अपने समय ममें अपने रि तेदारों को खानें दी थी और चौधरी बंसीलाल जी ने भी अपने रि तेदारों को खानें दी थी लेकिन आज इनको इस बात का दर्द होता है। उनके समय में तो ऐसे ही दी जाती थी लेकिन आज खानों को आक ान पर दिया जा रहा है नीलामी करे दिया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय,

चाहे सरकार आपके द्वार कार्यकम चौधरी देवीलाल जी ने भाुरू किया था। चौधरी देवीलाल जी ने ही ट्रैक्टर का गड्ढा बनाने का काम किया था। गरीबों और हरिजनों के लिए साइकिल और रेडियो का टैक्स माफ किया थां गरीबों के लिए काम के बदले अनाज स्कीम को भाुरू किया था। बेरोजगारां के लिए इंटरव्यू में आने जाने के लिए फ्री पास देने का काम, बेकारी भत्ता, बुढ़ों के लिए पैं ान और विधवा पैं ान आदि अनेकों काम किए, जो भी मिसाल बने हुए हैं। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः कैप्टन साहब आप अपनी सीट पर बैठिये। वरना मांगेराम जी फिर कुछ बोलेंगे।

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय, आपका समय न लेता हुआ मैं एक बात और कहना चहूंगा। अभी श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी हरिजनों के बारे में कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी ने हरिजनों के लिए यह किया वह किया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक हरिजन हूं और एक हरिजन के दुख दर्द का एक हरिजन को ही पता होता है। चौधरी भजन लाल जी को हरिजन के बारे में क्या पता। वे तो वह समय भी भूल गए जब ओढ़नी बेचा करते थे आज उनको क्या पता कि गरीब आदमी भूख से भी मर सकता है। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाह रहा था कि आज जो चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार ने गरीब हरिजनों की कन्याओं के लिए विवाह पर 5100 रूपए कन्यादान के रूप मं देने का काम किया है वह बहुत सराहनीय है। आज अगर

कोई एक रूपया भी किसी की लड़की की भाादी कन्यादान देता है तो साल भर उसका अहसान जतता है कि मैंने तेरी छौरी की भाादी में कन्यादान डाला था तो तं मेर को काम पर क्यों बुलाता। आज 5100 रूपए कन्यादान देने काम जो माननीय चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार ने किया है वह बहुत बड़ा काम है। यह हरिजन के लिए बहुत बड़ी बात है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा जो घुमंतू परिवार हैं उनके बच्चे कभी स्कूल नहीं जाया करते थे लेकिन सरकार ने गरीब हरिजन के बच्च को एक रूपया रोज स्कूल जाने पर देने का काम किया है। उधर गरीब के बच्चे को एक रूपया का लालच होने से गरीब के बेटा बेटी भी अब स्कूल जाने लगे हैं पहली सरकार क्या किया करती थी जब पहला चुनाव हुआ तो कहते थे कि फलां जगह पर जमीन बांट दें। दूसरी बार चुनाव हुए तो कहा कहा तुम्हे कर्जा दे देंगे। चाहे भैंस का कर्जा हो, चाहे भेड़ का कर्जा हो, चाहे बकरी का कर्जा हो, चाहे मकान बनाने का कर्जा हो। आज हरिजन की हालत यह हो गई है कि वह कर्जा गरीब हरिजन लौटा नहीं सका और आज उस कर्जे का पैसा बढ़कर लाखों रूपए हो गया है और वे बैठै थारे जी न रौन लाग रहे हैं। चौटाला साहब ने हरिजनों के लिए इतना कुछ किया है तभी तो हरियाणा के हरिजनों ने भी कंधे से कंधा मिलाकर चौटाला साहब का साथ दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हमारी असैम्बली में 17 हरिजन एम.एल.ए. हैं और 17 में से साढ़े 16 हमारे साथ हैं। (ाोर एवं व्यवधान) मैं रामकि ान फौजी से माफी चाहता हूं ये भी हमारे साथ हैं यानि

अब 17 के 17 एम.एल.ए. चौटाला साहब के साथ हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप देखें कि कांग्रेस हरिजनों की हितैशी होती तो आज इनके पास कम से कम एक एम.एल.ए. हरिजन जरूर होता। ये 20 से 20 पैसे वाले हैं।

श्री रामकि ान फौजीः उपाध्यक्ष महोदय जो कांग्रेस की सरकार ने रिजर्वे ान में ए और बी क्लास बना रखी थी उसका खामियाजा भी कांग्रेस भुगत रही है और उसको भुगतना पड़ेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रा. संपत सिंहः अब तो पूरा सबूत आ गया है कि साढे 16 नहीं बल्कि 17 एम.एल.ए. हमारे साथ हैं।

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय,. फौजी ने जो बात कही ठीक ही है। वाकई में ये इनकी पुरानी नीति थी कि डिवाइड एंड रूल यानि फूट डालो और राजे करो। इनकी संख्या चाहे आज घटकर 20 हो गई या घटर एक भी रह जाए तो भी इनकी डिवाइड एंड रूल वाली आदत जाएगी नहीं जब तक कि इनको दफना न दें। जब हरिजन सियाना हो गया, कांग्रेस से किनारा कर गया और कांग्रेस को वोट देने से मना कर गया तो इन्होंने हरिजन को हरिजन से और बैकवर्ड को बैकवर्ड से लड़वा दिया। मुझे एक बाद याद आ गई। एक बुढ़िया थी उसका एक लड़का था। एक दिन लड़का मां से कहने लगा कि मां तू ये चोरी करना छोड़ दे क्योंकि सारा गांव मुझ पर यह कहकर हसंता है कि

इसकी मां चोर है तो उसकी मां बोली बेटा क्या में ये चोरी करना छोड़ दूं? तो बेटे ने कहा हां। मां ने कहा ठीक है मैने चोरी करना छोड़ दिया है। बेटे ने पछा तो अब मैं पंचायत में जाकर बैठ जाउं। मां ने कहा हां। जब उस लड़के की भाादी हुई तो खाने पीने के समय बुढ़िया ने जूतियां एक जगह से उठाकर इधर रख दी और इधर से उठाकर उधर रख दी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामकि ान फौजीः उपाध्यक्ष महोदय, ये बजट पर नहीं बोल रहे हैं ये दफनाना जैसे गलत भाब्दों को प्रयोग कर रहे हैं यह ठीक नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः रामकि ान जी, आप मेरे पुराने दोस्त हैं इसका मतलब यह नहीं है कि आप बिना परमी ान के बोलें, इसलिए आप बैठें।

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय, जब लोग खाना खाने के बाद चलने लगे तो उन्होंने देखा कि उनकी जूती नहीं है तो लड़के ने अपनी मां से कहा िमां तूने अपनी चोरी करने की आदत नहीं छोड़ी तो मां ने कहा कि चोर चोरी करना छोड़े पर हेरा फेरी नहीं छोड़ें क्योंकि वह उसके खून में रच जाती हैं। इसलिए कांग्रेस के सदस्य जो अपनी आदत से मजबूर हैं वे उस आदत को नहीं छोड़ सकते। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं एक दो सुझाव देना चाहूंगा। एक तो जो आर.एम.पी डाक्टर्ज की रजिस्ट्रे ान 1974 से बंद कर रखी है उसको भाुरू किया जाए। इनकी रजिस्ट्रे ान के

लिए सरकार पांच या दस हजार रूपए फसी रख दे लेकिन इनकी रजिस्ट्रे ान से सरकार को पैसा तो मिलेगा ही साथ ही गांवों के लोगों को सुविधा भी होगी; इसके अतिरिक्त मैं दूसरा सुझाव दफा 326 के बारे में देना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, कसी के उपर दफा 326 लगवाना बहुत आसान है क्योंकि यदि कोई आदमी थाने में जाकर कहे कि फलान आदमी ने गंडासे से उसकी उंगली काट दी तो वह इस बारे में डाक्टर से सर्टिफिकेट ले आए तसे इस तरह से छोटी सी उंगली कटने से दफ 326 लग सकती या कभी कोई आदमी कह देता है कि उसका दांत तोड़ दिया गया तो इस तरह भी दफा 326 लगा दी जाती है। मेरे कहने का मतलब है कि बहुत से मामलों में डाक्टर से झूठे सर्टिफिकेट बनवाकर दफा 326 का केस बनवा देते है। इसलिए इस तरह के केसों में पूरी इन्क्वायरी करने के बाद ही दफा 326 लगाई जानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह यदि ट्रक और जीप में टक्कर होती है तो ट्रक वाले की गलती मानी जाती है, जीप और मोटर साइकिल की टक्कर होती है तो जीप वाले की गलती मानी जाती है और मोटर साइकिल और साइकिल की टक्कर होती है तो मोटर साइकिल वाले की गलती मानी जाती है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि यह कोई जरी नहीं है कि बड़े व्हीकल वाले की ही गलती हो। क्योंकि कई बार छोटे व्हिकल वाला अचानक बीच में आ जाता है और केस बड़े व्हिकल वाले पर बन जाता हैं हमें इस बात पर भी गौर करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय मुझे थोड़ा समय और दिया जाए उसके बाद में वाइंड अप कर दूंगा। उपाध्यक्ष

महोदय, आदरणीय चौटाला साहब ने हरिजन लोग हितै ाी हैं और चौटाला साहब हरिजनों के हितैशी है। झगड़ा कुछ नहीं है और उपाध्यक्ष महोदय हम ज्यादा भी नहीं मांग रहे हैं कि हमें ज्यादा दिया जाए। हम तो सिफ यही कहते हैं कि जो बैकलाग है, उसको पूरा किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, आपको इस बात का ज्ञान भी होगा, आप मेरे से ज्यादा समझदार हैं।

श्री उपाध्यक्षः भागी राम जी आप मेरे से बहुत सीनियर हैं, आपको मेरे से ज्यादा ज्ञान है।

श्री भागीरामः उपाध्यक्ष महोदय, बोर्ड और कारपोरे ान में एस.सीज को क्लास 1 में 3 प्रति ात, क्लास 3 में 6 प्रति ात और क्लास 3 में 13 प्रति ात रिजर्वे ान दिया जाता है और सरकारी अफिसिज में एस.सीज, को क्लास 1 में 6 प्रति ात, क्लास 2 में 13 प्रति ात रिजर्वे ान दिया जाता है। इनमें जहां भाोर्टफाल है उनको पूरा करने के लिए मेरे ख्याल से सुप्रीम कोर्ट के आदे ा जारी हुए हैं कि रिजर्वे ान के हिसाब से जो बैकलाग है, उसको पूरा किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः भागी राम जी वाइंड अप करें।

श्री भगीरामः उपाध्यक्ष महोदय मैं आपको माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि 17 के 17 हरिजन विधायक जब मुख्यमंत्री जी के साथ हैं तो (विघ्न)

श्री रामकि ान फौजी: उपाध्यक्ष महोदय,. मैं सरकार के साथ नहीं हूं। मैं हरियाणा विकास पार्टी का विधायक हूं। (विघ्न)

श्री भागीराम: उपाध्यक्ष महोदय, मैं रामकि ान फौजी जी से पूछना चाहूंगा कि यदि हरिजनों के हितों की बात होगी तो क्या तब भी ये उनका समर्थन नहीं करेंगें।

श्री रामकि ान फौजी: उपाध्यक्ष महोदय, यदि हरिजनों के हितों की बात होगी तो मैं भागीराम जी के साथ हूं और इनका समर्थन भी करूंगा।

श्री भागीराम: उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि इस बैकलाग को पूरा किया जाए। चौधरी ओमप्रका ा चौटाला ने मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गांव–गांव जाकर लोगों की ि ाकायतें सुनी हैं। यह सरकार हिंदुस्तान की पहली सरकार है जो लोगों के पास गई है। पहले लो काम करवाने के लिए सरकार के पास चंडीगढ़ आया करते थे और यहां पर काम करवाने के लिए अपने चक्कर काटते रहते थे। कोई गली के लिए पैसें की मांग करने केलिए यहां पर आता था तो कोई स्कूल बनवाने की बात को लेकर यहां पर आता था तो कोई सड़कें बनवाने के लिए आता था। इसी प्रकार से लोग हरिजन जाति के लिए चौपाल बनवाने, बैकवर्ड जाति के लिए चौपाल बनवाने या जनरल जाति के लिए चौपाल बनवाने के लिए यहां आकर सरकार के पास गुहार किया

करते थे। चाहे लोगों का बिजली का काम हो , चाहे पीने के पानी का काम हो या वाटर वर्क्स का काम हो लोग यहीं आया करते थे। चौटाला साहब ने इसके उलट करके कहा कि लोगों केा यहां पर अपने काम करवाने के लिए नहीं आना पड़ेगा। इन्होंने कहा कि यहां पर आने की किसी को जरूरत नहीं है क्योंकि आपके पास आ रहा हूं। जब से चौटाला साहब इस प्रदे ा के मुख्य सेवक बने हैं, मुख्मयंत्रीं बने हैं, इन्होंने हर गांव के अंदर एक–एक आदमी से मिल करके, चाहे वह किसी भी जाति बिरदरी का था, हर बिरादरी के लोगों के लिए समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है। चौटाला साहब, वाकई इन सारे कामों के लिए बधाई के पात्र हैं। उपाध्यक्ष महोदय, अंत में यह बात कह कर इस बजट का समर्थन करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं और आपका धन्यवाद करत हूं कि आपने मुझे इस बजट पर बोलने के लिए समय दिया।

राम धर्मपाल (सोहना): उपाध्यक्ष महोदय, आपने इस बजट प बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। वित्त मंत्री जी ने यह 2002–2003 का बजट पे ा किया है। ये काफी अनुभवी मंत्री हैं। इन्होंने इस बजट से अच्छा प्रस्तुत करने की कोि ा ा भी की है लेकिन वास्तविकता में और इन आंकड़ों में फर्क दिखाइ देर रहा है। उपाध्यक्ष महोदय,. इस बजट में बिजली, सड़कें और पुल आदि बनाने पर ज्यादा महत्व दिया है। साथ ही इन्होंने बज के मायम से बनाने की कोि ा ा की है कि हमो यहां पर 400 लाख यूनिट बिजली डेली

पैदा होती हैं इन्होंनै य भी बताय है कि जो बिजली इन्होंने पैदा की है उसमें से 247 लाख यूनिट बिजली गांवों के विकास के लिए लगाई गई है। उपाध्यक्ष महोदय, वास्तविकता कुछ और ही है। मैं कल अपने कांस्टीच्यूएं ाी के किसी गांव में था। वहां पर लोगों के बीच में बैठा हुआ था तो लोग बता रह थे कि 6 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं आ रही हैं इसके अलएवा एक दिन छोड़कर एक दिन बिजली आती है और दूसरे दिन एक या आध घंटे के लिए वााटर सप्लाइ के पानी के लिए आती है। उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेहरा कहना है कि अब गेहूं की फसल की पकाई का सीजन हैं तकरीबन एक महीने में कटाइ भाुरू हो जाएगी। इसलिए मेरी सरकार से मांग हहै कि इस अवधि के दौरान जब उनकी कटाई का सीजन भाुरू हो तो उनको पूरी बिजली प्रतिदिन दी जाए ताकि उनको किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ें। उपाध्यक्ष महादेय, इसके साथ एक बहुत बड़ी समस्या का सामना भी लोगों को कहरना पड़ रहा हैं वह यह है कि जब चौधरी बंसीलाल जी मुख्यमंत्री थे तो इन्होंने नारा लगाया था कि जो तारें मैंने लगवाई हैं, उनको मैं ही बदलूंगा। वे तो इस समय इस सदन में हैं नही। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो इन्होंने इस बारे में कहा था वह नहीं किया यानी कि इन्होंने सत्ता मिलने पर भी तारें नहीं बदलवाई। आज लोगां को बहुत बड़ी समस्या का सामना करन पड़ रहा है जो टेल पर टयूबवैल हैं वहां पर बिजली पूरी नहीं पहुंचती। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि सरकार इसका भी कोई समाधान

निकाले ताकि टेल पर रहने वाले लोगों को भी बिजली पूरी मिल सके। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं मीटर बदले जाने के बारे में कहना चाहता हूं। आजकल भाहरों में भी और देहतों में भी बिजली के मीटर बदले जा रहे हैं। मैं समझता हूं कि सरकार ने जो नए मीटर लगवाने की बात कही है या जो पोलिसी अपने बजट में इस बारे में बनाइ है वह भाायद इस बात को ध्यान में रख कर बनाई ताकि बिजली की चोरी रोकी जा कसे। यानि चोरी रोकने की मं ाा से ये मीटर बदले जा रहे हैं उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक कम्प्यूटराजड मीटर लगाने की बात है उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि इससे लोगों को कोई फायदा नजर नहीं आ रहा हैं कल की ही बात है मैं अपने क्षेत्र के किसी गांव में बैठा हुआ था और वहां पवर 40–50 किसान भी बैठे हुए थे। उनमें से एक साथी कहने लगा कि मेरे साढ़े सात हार्स पावर की मीटर के तीन टयूबवैल हैं इन तीनों टयूबवैल का बिजली का बिल 424 रूपए आता है और दूसरे का फ्लैट रेट 852 रूपए आता हैं उसने बताया कि तीसरे टयूबवैल पर मीटर तो लगा हुआ है लेकिन उस मीटर का बिल रिडंगी के हिसाब से नहीं आ रहा है बल्कि यह भी डायरेक्ट फ्लैट रेट आ रहा हैं उपध्यक्ष महोदय मैं हाउस का टाइम वेस्ट नहीं करना चाहता जो बात है वह मैं यहां बता देना चाहता हूं। जब वह आदमी यह बात कह रहा था तो दूसरा आदमी कहने लगा कि अरे कौन सा मीटर लगा हुआ है तेरे यहां। वह कहने लगा कि मुझे तो नहीं पता कि किस कंपनी का है तो दूसरा आदमी बोला कि मीटर बंसीलाल जी वाला है या चौटाला साहब

वाला। वह कहने लगा इस बात से क्या मतलब है तो दूसरा आदमी कहने लगा कि चौधरी बंसीलाल वाला है तो उसे टेढ़ा कर दो वह चलना बंद हो जाएगा या यूनिट कम निकालेगा और अगर चौटाला वाला मीटर है तो उसको मुंधा कर दो मीटर चलने से बंद हो जाएगा या यूनिट कम निकालेगा और आदमी कहने लगा कि अब तो रिमोट चल गए हैं और रिमोट दाब दो मीटर बंद हो जाएगा। यह बात कहने का मेरा मकसद सिफ यही है कि आज हम जितना सोच रहे हैं जनता ीाी उतना ही बराबर आगे चल रही है। उपाध्यक्ष महोदय सरकार से मेरा अनुरोध है कि जो मीटर ठक चल रहे हैं जिनके एस.सी.ओ. के हिसाब से बिल ठीक आ रहे हैं और भुगतान भी ठीक हो रहा है उसको छोड़ा जाए तो अच्दा है बजाय इसके कि लोगों के अंदर एक भ्रमात्मक बात पैदा हो सरकार उस बात को छोड़ें। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक दूसरा सुझाव और जो खासतौर से किसानों से ताल्लुक रखता है। ये जो फ्लैट रेटस वाला सिस्टम है, इनकी ओर सरकार को ध्यान दे। आजकल ज्यादातर मोटरें सात साढत्रे सात हार्स पावर से कम नहीं हैं क्योंकि पानी का स्तर बहुत नीचे चला गया है। फ्लैट रेटस तो है लेकिन अगर कोई किसान लिख कर यह दे दे कि मेरा टयूबवैल दह महीने बंद रहेगा तो सरकार द्वारा उसके कनैक ान को काट देना चाहए और फिर से ज वह किसान टयूबवैल को चलाना चाहे तो फिर लिख कर दे दे कि मेरा मैं टयूबवैल चलाना चाहता हूं तो उसको अनुमति दे दी जाए। मैं समझता हूं कि किसान को जो छह महीने का भुगतान करना पड़ रहा है उस पर नाजाजय बोझ है

और वह उससे बच सकता हैं डिप्टी स्पीकर सर, इसके साथ ही साथ सड़कों की बात आती है। ठीक बात है आज आर्थिक विकास के लिए सड़कें मुख्य आधार हैं। मै। इस बात में कोई संकोच नहीं करूंगा यह कहते हुए कि इस सरकार ने कुछ रोडज बहुत अच्छे तरीके से बनवाई हैं। (इस समय मेजे थपथपाई गई) उपाध्यक्ष महोदय, बात मेजें थपथपाने की नहीं है मैंने कुछ रोडज कहा है वि ोशतौर पर जो अपग्रेडे ान की गई हैं, मैं गुड़गांव में ज्यादा समय रहता हूं और इसके साथ ही लगती हुई मेरी कांस्टीच्यूऐंसी हैं। गुड़गांव के चारों तरफ से जब निकलते हैं तो बहुत अच्छी सड़कें बनी हुई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है लेकिन जब गुड़गांव के अंदर घुसते हैं तो मेरे भाई थी डिप्टी स्पीकर साहब, जो इस समय चेयर पर विराजमान हैं, यह उनका हल्का है। श्री रामबीर जी ने भी इस बारे में थोड़ा सा कहा था लेकिन फिर कुछ रूक गए थे। पटौदी से गुड़गांव 28 किलामीटर दूर है और 28 मिनट का ही रास्ता है। 28 मिनट में ही आदमी गुड़गांव पहुंचता है लेकिन जब गुड़गांव को कास करते हैं तो उसकी जो इंटीरियर सड़कें हैं, उनकी हालत बहुत खराब है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, क दो सड़कों के नाम भी बताएं। आप मेरे हल्के की पैरवी कर रहे हैं। (विघ्न)

राव धर्मपालः डिप्टी स्पीकर साहब, कुछ दिन पहले मैं वहां पर गया था। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः मैं मान रहा हूं और रिकार्ड पर भी ला रहा हूं अगर कोई खराब रोड है तो आप कोई नाम बताएं। (विघ्न)

राव धर्मपालः ि ावाजी पार्क के अंदर की सड़क मेरे ख्याल से दिखाइ नहीं देती है। दूसरे इसके साथ की लगती हुई गांधी नगर रोड है। उसके आगे जहां मैं रहता हूं ि ावाजी नगर की रोड है।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, आप मेरी वकालत कर रहे हैं पंरतु मैं आपको एक चीज कह रहा हूं, चौधरी भजन लाल जी बैठे हुए हैं लेकिन चौधरी बंसीलाल जी बैठे हुए नहीं हैं। एस.डी. स्कूल से आगे ि ावाजी पार्क तक जितनी कालोनीज हैं, उनका काम और खांडसा रोड का काम जो कभी नहीं हुआ था, वह अब हुआ है। यह बात आप मान लें। जो एक आध सड़क की कसर रह गई है आपकी ि ावाजी नगर वाली, वह भी इसी महीने को 24 तारीख तक हो जाएगी। (विघ्न) ि ावाजी नगर में इनकी रिहाइ ा है। (विघ्न)

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के सोहना की बात कहना चाहता हूं। मेरे हल्के में एक बडखेड़ा गांव है। आजकल प्रधानमंत्री सड़क योजना भी चल रही है और हरियाणा सरकार की योजना भी चल रही है। उस गांव को भी सड़क मिलनी चाहिए। इसके अलावा कुछ अप्रोच रोडज हैं, जिनकी

हालत ऐसी है कि वहां पर बसें भी जाना बंद हेा गई है। उदाहरण के तोर पर जिला अलवर रोड से गढ़ीवाजीपुर गांव है आज तक उस सड़क की संभाल नहीं हुई है। दूसरे अलीपुर से रायसिंहा को रोड जाती है। खासतौर पर बादत्रशाहपुर से सख्तपुर वास जहां बसें बड़े–बड़े गड्ढे होने की वजह से जान बंद हो गई हैं (ाोर एवं व्यवधान) मैं सरकार के सुझाव देना चाहूंगा कि ये जो भी सड़कें है ंचाहे वह नै ानल हाईवे हो, चाहे स्टेट हाईवे हों और चाहे यह अप्रोच रोडज हों, इनके बर्म और डेढ़ इंच नीचे ज ब तक नहीं रखे जाएंगे तब तक यहे सड़कें ऐसे ही टूटती रहेंगी। बर्म सड़क से एक डेढ़ इंच नीचे होने चाहिएं इसे ज्यादा नीचे भी नहीं होने चाहिए। अगर इससे नीचे होगा तो टू व्हीलर्ज को दिक्कत हो सकती है। बर्म सड़क से एक डेढ़ इंच नीचे होगा तो बारि ा का पानी नीचे बह जाएगा। बर्म ठीक नहीं होने के कारण पानी सड़कों पर ठहर जाता है जिससे सड़कों पर तारकोल ठीक नहीं रह पाता और वे सड़कें टूटती रहती हैं। इस बारे में सरकार विचार करे, यही मेरी सरकार को प्रार्थना है।

उपाध्यक्ष माहोय, इसी तरह से मैं जन स्वास्थ्य के बारे में कहना चाहता हूं कि सरकार ने 55–70 लीट पीने के पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के आधार पर देने को प्राथमिकता दी है। आज भी 40 लीटर पीने का पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से दे रहे हैं यह आंकड़ों में भी दिखाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, सोहना भाहर उंचाई पर बसा हुआ है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां

पर एक स्टोरे टैंक बनाया जाए और वहां पानी लिफ्ट करके सोहना के लोगों को दिया जाए। वहां पर लोगों को पानी देने का इसके अलावा कोई दूसरा तरीका नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय, तीसरी बात औद्योगिक विकास की है। इन्होंने बताया कि 20 बड़े और 554 लघु उद्योग लगाए गए हैं। उपाध्यक्ष महोदय,. 8469 लोगों को रोजगार दिया गया है। यह इन्होंने बताया है। उपाध्यक्ष महोदय, आप मेरे पड़ौस में रहते हैं मैं मानता हूं कि वहां पर इतने लोगों को रोजगार दिया गया होगा। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस बारे में दोबारा सर्वे करवाएं कि वहां कितने हरियाणा के बच्चों को रोजगार मिला है। मेरे ख्याल से 25 प्रति ात हरियाणा के बच्चों को भी रोजगार नहीं मिला होगा। हरियाणा में जो भी औद्योगिक इकाइयां हैं उनके पीछे हमारे डिग्री होल्डर या आई.टी.आई. पास बच्चे लगे रहते हैं कि हमें नौकरी दे दो। हम भी उद्योग वालों से प्रार्थना करते हैं कि इन्हें नौकरी दो लेकिन उद्योग वालों के दिमाग में यह बात घुसी होती है कि अगर वे लोकल बच्चों को नौकरी पर लगाते हैं तो वे स्ट्राइक करेंगे। हम उद्योग वालों को यह वि वास भी दिलाते हैं कि अगर ये स्ट्राइक करते हैं तो हमें बताना हम इनको यहां से वापस ले जाएंगे। लेकिन इसके बावजूद भी बच्चों की नौकरियों के लिए बहुत ज्यादा दिक्कत आ रही है।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, आप कोई सुझाव दें। सपंत सिंह जी, ाप इस इं ू को पर्सनली देखें। राव साहब आप मंत्री रहे हैं आप भी सरकार के सुझाव दें।

राव धर्मपालः उपाध्क्ष महोदय, मेरा सुझाव है कि इस बारे में एक कमेटी बनाई जाए। डिप्टी किम नर के पास तो टाइम नहीं होता हैं आप ए.डी.सी. की अध्यक्षता में वहां की यूनिटस के चार–पांच सदस्यों की एक कमेटी बनाएं और वे वीकली एक जगह बैठकर बच्चों की योग्यता को देखते हुए नौकरियां दें।

श्री उपाध्यक्षः प्रो. संपत सिंह जी, आप इसके साथ–साथ यह भी देखें कि जो मारूति उद्योग वाले हैं, वे हरियाणा की किसी भी यूनिवर्सिटी को कंपीटैंट नहीं समझते। वे हरियाणा के यूनिवर्सिटी के किसी बच्चें को अपने यहां नौकरी देने के लिए कंपीटैंट नहीं समझते। आप इसरे में भी देखें।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, मानेसर में चौधरी देवीलाल औद्योगिक टाउनि ाप है। यह बहुत बड़ी टाउनि ाप है। उसमें भी आप सर्वे करवाएं कि वहां कि फैक्ट्रियों में अगर 500 आदमी भर्ती किए जाते हैं तो हरियाणा के केवल 10 बच्चे ही उनमें से रखे जाते हैं। इस बारे में भी वित मंत्री जी देखें।

श्री उपाध्यक्षः ि ाक्षा मंत्री जी, जाब आरियंटिड कोर्स ही इसका एक समाधान हैं इस बारे में मैंने मंत्री जी परसों भी आपसे गुड़गांव में रिक्वैस्ट की थी। आज हमारे गुड़गांव में

हिंदुस्तान की सबसे ज्यादा रेडीमैंट गारमैंटस की एक्सपोर्ट यूनिटस हैं ओर आपसे मानेसर में भी इस तरह की यूनिटस हैं। किसी भी यूनिवर्सिटी के अंदर रेडीमैंट गारमैंटस का, फै ान डिजाइनिंग का और दूसरे इस तरह के कोर्स नहीं हैं। मैं ि ाक्षा मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हरियाणा में जाब ओरियंडिट कोर्स भ्रु करें ओर इसके अलावा जो हरियाणा में फैक्टरियां हैं, उनमें लगने के लिए जो क्वालिफिके ान चाहिए उससे रिलेटिड कोर्स भी भ्रु करवाने का कश्ट करें।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं भी आपकी इस बात का समर्थन करता हूं। इसी तरह से मानेसर मैं जो एम.आई.टी. के दूसरे फेज के लिए जमीन एक्वायर होने जा रही है, उसके लिए मैं कहना चाहूंगा कि पिछली बार भी वहां पर थोड़ा मुआवजा किसानों को दिया गया था। पिछली बार 6 लाख 55 हजार रूपए प्रति एकड़ के हिसाब से उनको मुावजा दिया गा था जबकि रोड के उपर वहां पर इस जमीन का रेट 40 लाख रूपए प्रति एकड़ था। मैं चाहता हूं कि कम से म किसानों को 15 लाख रूपए एकड़ के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए। उनको फ्लैट रेट के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, चौधरी भजनलाल जी ने तो कभी उचित मुआवजा किसानों को नहीं दिया है और अगर दिया हो तो बता दें। इस बारे में मेरे पास सारे आंकड़े हैं।

चौ. भजनलालः हमने मार्कीट रेट के हिसाब से मुआवजा दिया था।

श्री उपाध्यक्षः ज्यादा से ज्यादा मुआवजा किसानों को मिलना चाहिए। मैं भी इससे सहमत हूं। परंतु इसके लिए भजनलाल जी आप भी जिम्मेदार हैं।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं ि ाक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। सोहना कांस्टीच्यूएंसी में 114 गांव और 18 ढानिया हैं लेकिन वहां केवल सात ही 10 प्लस 2 के स्कूल कालेज हैं वहां पर बच्चें को खास तौर पर लड़किों को अपने गांवों से पांच से सात किलोमीटर दूर जाना पड़ता है जोकि उनके लिए बहुत ही दिक्कत की बात है। सर्दियों में भााम को 6 बजे स्कल छुटता है जिस वजह से लड़कियों को उपने घर पहुंचना बड़ा मु ि ल हो जाता है। किसी का भाई किसी के पिता जी उसको लेने के लिए आते हैं। इस तरह से उनके लिए भी रोजाना उनको लाना ले जाना बड़ा मु ि कल हो जाता है।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, जो आपके क्षेत्र में चार पांच स्कूल अपग्रेड किए हैं उनके लिए तो आपको धन्यवाद करना चाहिए।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से परिवहन की बात है। परिवहन विभाग द्वारा 1100 बसजि खरीदी गई हैं और

आगे भी 407 बसिज को और खरीदने की योजना है। ये बसिज रोडज पर भागती हुई भी दिखाई दे रही हैं।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, आपके क्षेत्र में भी आपकी ांखों के सामने ये बसिज भाग रही हैं।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, परिवहन मंत्री सामने बैठे हैं उनसे कहना चाहूंगा कि पहले गांव–गांव में जाकर बसिज रूकती थी लेकिन अब सरकार ने वहां पर बसिज को रूकना बंद कर दिया है। इसलिए इन बसिज के रूकने का प्रबंध किया जाना चाहिए। खास तौर पर जो विद्यार्थी हैं या लड़कियां हैं उनके लिए बसिज चलाई जानी चाहिएं क्योंकि वे स्कूल तक बिना बसिज के नहीं आ सकते हैं। इसके अलावा मैं ये भी कहना चाहता हूं कि सरकार जो हरियाणा हाई वे पैट्रोलिंग की स्कीम बनाई है वह बहुत अच्छी स्कीम है इससे यात्रियों को सुविाा मिलेगी। मैं इस बारे में एक बात कहना चाहता हूं कि सरकार इसकी फंक ानिंग जरूर चैक करवाए क्योंकि वे बजाय यात्रियों की सुविधा के लिए सरकार की बदनामी करवा रहे हैं। सारे दिन तो वे सोते रहते हैं ैर रात को पैसा बनाने में लगे रहते हैं इसलिए इस तरफ भी ध्यान दिया जाए क्योंकि यह बहुत ही दुखदायी मामला है।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, गुड़गांव के क्षेत्र में सबसे ज्यादा एक्सीडैंट तो उम्पर के मिलते हैं, आप इनकी भी बात करें।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, एक बात और चली थी और आपने भी मेरी तरफ इ ाारा किया था कि राव धर्मपाल ने चौधरी भजनलाल जी ने अपने वक्त में स्टोन कै ार्ज जोन बनाए थे। चूंकि वह मेरा धंधा है इसलिए मैं इस बारे में आपको बतना चाहूंगा।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, आप एक मिनट में वाइंड अप करें।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, 14.1.1992 को सुप्रीम कोर्ट ने आर्डर किए थे कि दिल्ली और फरीदाबाद के स्टोन क्रै ार्ज को वहां से उठाया जाए क्योंकि वहां पर जो रैजीडैं ि ायल एरिया था, इनसे वहां पर धूल उड़ती थी। सुप्रीम कोर्ट ने आर्डर किए थे कि फरीदाबद और दिल्ली के स्टोन क्रै ार्ज को वहां से उठाकर बाहर फैंक दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, उस वक्त चौ. भजनलाल जी मुख्यमंत्री थे ओर राव इंद्रजीत सिंह पर्यावरण मंत्री थे। इसी विशय पर उस समय की सरकार ने एक कमेटी बनाई थी। यह कमेटी गुड़गाव के कमि नर श्री आस्थाना जी की सुपरविजन में बनी ाी और इस कमेटी के मैम्बर्ज डी.सी., बी.डी.पी.ओ., पोल्यू ान कंट्रोल बोर्ड का वहां का एक अधिकार और तहसीलदार थे। इन सब ने फैसला करके एक जगह का चयन किया था। बाद में सरकार की तरफ से इस बारे में एक नोटिफिके ान भी जारी हुई थी। इस कमेटी में रायसीन रिंड्री और नारंगपूर तीन जगहों का चयन किया था।

सैंट्रल पोल्यू ान कंट्रोल बोर्ड की टैक्नीलोजली कमेटी की रिपोर्ट को मद्देनजर रखते हुए इस कमेटी द्वारा कुछ मोर्म्ज रखे गए थे कि सड़कों से और गांवों से कम से कम एकम किलोमीटर की दूरी पर जोन बनाकर ये स्टोन क्रै ार्ज रखे जाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, ये नोर्म्ज बनाकर ही इस तरह के जोन बनाए गए थे। चौधरी बंसी लाल जी इससे इतनी नफरत करते थे कि जब क्रै ार के पास से निकलते थे तो कहते थे कि इनको बंद कर दो, इनको आग लगा दो, ऐसा बोलते थे और मुझे इस बात का ताज्जुब होता था कि उन्होंने अपने में एक नोटिफिके ान के तहत गांव की दूरी 800 मीटर कर दी और सड़क से दूरी खत्म कर दी। उपाध्यक्ष महोदय सड़क पर इतना भारी ट्रैफिक चलता है और दोबारा से क्रै ार सड़क पर चला दिए। पलवल, सोहना, रिवाड़ी रोड पर एक काका स्टोन क्रै ार है और एक मां संतोशी स्टोन क्रै ा है।

श्री उपाध्यक्षः पलवल क्यों जाते हो, गुड़गांव में पिछली सरकार के दौरान क्या यह सब दो तीन साल तक नहीं चलता था।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा अनुरोध है कि पैरामीटर्ज चेंद किए जाएं। जब होट मिक्स प्लांट की बात आई थी तो कहा गया था कि धर्मपाल, पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक के भाई का होट मिक्स प्लांट बंद कर दिया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, रोटी कमाने में कोई बुराई नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः हौट मिक्स प्लांट के लिए अलग से जगह दे दें तो कैसा रहेगा।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि उस प्लांट से हालांकि इतना इमी ान नही ंहोता उसमें तो केवल मिक्सिंग होती है।

श्री उपाध्यक्षः कपड़े की फैक्ट्री से ज्यादा धुआं हौट मिक्स प्लांट में होता है परसों आप सब आ जाओ मैं आपको दिखा देता हूं।

राव धर्मपालः उपाध्यक्ष महोदय, उनसे कहें कि ट्रीटमैंट प्लांट लगाएं।

श्री उपाध्यक्षः आप टैक्नीकल आदमी हैं संपत सिंह जी को इस बार में सुझाव दें अब आप बैठ जाएं। अब श्री भीम सेन मेहता बोलेंगे।

श्री भीम सेन मेहता (इंद्री): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने और हल्के की समस्याएं सरकार के समक्ष रखने का मौका दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करन चाहता हूं। 13 मार्च 2002 को हरियाणा के वित मंत्री प्रो. संपत सिंह जी ने हरियाणा की जनता की भलाई के लिए और आम आदमी की जरूरतों को देखते हुए बजट पे ा किया। उसके हर पहलू पर मेरे सभी सम्मानित सदस्यों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए। इस बजट के अंदर चाहे यातायात के साधनों की बात हो,

चाहे बिजली के क्षेत्र की बात हो, चाहे सड़कों की बात हो, चाहे पीने के पानी की बात हो, इसमें हर मूलभूत जरूरतों पर वि ोश ध्यान दिया गया है। मैं इस बजट के समर्थन पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। क्योंकि आप समय की पाबंदी लगाएंगे इसलिए ज्यादा समय नहीं लेते हुए मैं अपने हल्के की समस्याों को आपके द्वारा सरकार के समक्ष रखना चाहूंगा। सबसे बड़ी उपलब्धि हमाी मौजूदा सरका के समक्ष रखन चाहूंगा। सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी सरकार की सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की है। मुझसे पहले बोलते हु भागी राम जी एवं दूसरे साथियों ने भी कहा कि यह पहला अवसर है कि सरकार खुद चलकर लोगों के पास लोगों की समस्याएं सुनने के लि जाती है और मैके पर ही उन समस्याओं का समाधान कर दिया जाता हैं कई समस्याओं का समाधान करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी मौके पर घोशणा भी करते हैं। मेरे अपने हल्के में दो ऐसी समस्याएं थी, जिनका सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने समाधान किया औ जरूरत के मुताबिक पैसा अनुदान के रूप में दिया। मेरे हल्के की कुछ ऐसी समस्याएं हैं एक तो सड़कों की समस्या है। सड़कों की हालत बहुत खस्ता है मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे हल्के से एक सड़क गुजरती है करनाल से लाडवा। यह एक ऐसी सड़क है जो दोनों भाहरों को आपस में जोड़ती है। इसी प्रकार से नेवल से चौगांव की सड़क जो करनाल और यमुनानगर जिलों को मिलाती है। इस तरह से इंद्री से उमरी की सड़क जो भादसों भूगर मिल को जोड़ती है। इस सड़क की

हाल खस्ता है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यावाद करना चाहूंगा कि जब से पहले दौरे पर आए थे उस वक्त किसानों की रिक्वैस्ट पर इस सड़क को इन्होंने बनवाया था लेकिन वह सड़क अब फिर खराब हो चुकी है। यह सड़क इंद्री को करनाल और कुरूक्षेत्र जिले से मिलाती है। इन सड़कों की हालत खराब है इनको जल्दी से जल्दी नवाया जाए ये मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में आ वासन भी दिया है और मेर पूरा वि वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी इन सड़कों को बनवाने के लिए आदे ा जरूर देंगे और इस कार्य को पूरा भी करवाएंगे। इसके अलावा दूसरी सड़कें जो पी. डब्ल्यू.डी. द्वारा सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बनाई जानी हैं ओर जिनकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बनाने की घोशणा की गई है उनको जल्दी से बनवाने का कृपा करें। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि इंद्री में जो सी.एच.सी है उसकी बिल्डिंग तो ठीक है परंतु डाक्टर के लिए रहने की कोई व्यवस्था नहीं है इस वजह से हमारे वहां पर कोई डाक्टर ज्यादा दिन तक नहीं रहता। वहां पर डाक्टर को रोकने लिए रिक्वैस्ट करनी पड़ती है। और उनके रहने के लिए कुछ न कुछ इंतजाम करना पड़ता है तब जाकर कुछ डाक्टर साल छह महीने रहे हैं। इसलिए वहां डाक्टर का रहने का इंतजाम जरूर किया जाए। इसी प्रकार उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृशि मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि पिछले सै ान में इंद्र से सब्जी मंडी बनाने

की घोशणा की गई थी इसलिए इंद्र में सब्जी मंडी बनाने की व्यवस्था की जाए। इसके साथ–साथ एक और निवेदन करना चाहूंगा कि इंद्री में स्पोर्टस स्टेडियम बनाया जाए जिससे वहां के नौजवानों को और बच्चों को खेलने की उचित जगह मिल सके। इसके साथ ही उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि मेरा हल्का पैडी एरिया है वहां धान की फसल बहुत होती है इसलिए हैफेड के सेलर वहां लगवाए जिससे वहां के किसानों को काफी फायदा मिलेगा। इसी के माध्यम से मुख्यमंत्री जी से आग्रह करूंगा कि वे इंद्री हलके की तरफ भी अपना प्रेम और स्नेह बनाए रखें और मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का और वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हरियाणा के हित के लिए हरियाणा प्रदे ा की जनता की भलाई के लिए और जनता की मूलभूत जरूरातें को ध्यान में रखकर यह बजट पे ा किया है मैं इसका पूरजोर समर्थन करता हूं। धन्यवाद

श्री उपाध्यक्षः धन्यवाद मेहता जी।

श्री बलबीर पाल भााह (पानीपत): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मेरा ख्याल है कि समय भ इतना बचा है जो आप मुझे देना चाहते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट की मेरे कई माननीय सदस्यों ने तारीफ भी की है ओर हमारी तरफ से कई माननीय सदस्यों ने यह भी कह है कि यह बजट ठीक नहीं है। मैं इस

बजट का ठीक होना तभी मानूंगा जब मेरे ये साथी कहेंगे कि हरियाणा में विकास हुआ है। जब पापीपत के अंदर विकास होगा। मैं पानीपत की कुछ वित्त संबंधी समस्याएं आपके सामने रखना चाहता हूं क्योंकि बजट पर बोलूंगा तो समय नहीं रहेगा। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहली समस्या तो यह हे कि पानीपत को तो जिला बना दिया गया लेकिन सालों हो गए हमारी वहां मिनी सचिवालय बनाने ी मांग पूरी नहीं हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय और वित्त मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि वे इस बात का प्रावधान करें कि वहां मिनी सचिवालय जल्दी से ल्दी नवाया जाए ताकि लोगों की ख्वाहि ा पूरी हो सके। इसके साथ–साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि पानीपत क अंदर जा रिफायनरी है लगभग वहां से एक करोड़ रूपया रैवेन्यू सरकार को आता है अब तो उस रिफाइनरी की कैपेसिटी भी डबल होने जा रही है और रैवेन्यू भी सरकार को डबल आने लगेगा। पानीपत में एक्सपोर्ट का काम है 1000 या 1200 करोड़ रूपए फोरन करैंसी के पानीपत से आते हैं और इतना रैवेन्यू आते हुए भी पानीपत जिले को इगनौर किया जाता हैं पानीपत में जो डिवैल्पमैंट होनी चाहिए वे ठीक ढंग से नीं हो पा रही है। उपाध्यक्ष महोदय जैसे मेरे साथी फूल–फूलकर यह कहते हैं कि मुख्यमंत्री महोदय विकास कार्य करवा रहे हैं तो मैं भी चाहता हूं कि हमारे इलाके में भी विकास के ऐसे कार्य हों, जिससे हम भी कहं कि मुख्यमं.ी महोदय हमारे इलाके में विकास के काम करवा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय पानीपत में जो पीने का पानी है वह सारा गंदा हा चुका हैं चाहे

इसके लिए पी.डब्ल्यू.डी. के किसी भी टयूबवैल का पानी चैक करवा लिया जाए। वह पानी पीने के योग्य नहीं हैं उपाध्यक्ष महोदय, पहे क्लोरिने ान की स्कीम चलाई गई थी लेकिन वह ज्यादा देर तक नहीं चली। वह स्कीम एक साल के लिए चला दी गई थी फिर बंद कर दी गई। इसलि अब गंदे पानी से बीमारियां फैलने की आ ांका बनी हरती है। पानीपत की जितनी आउटर कालोनियां हैं वहां पर जो टयूबवैल हैं उनके पानी की निकासी का कोई साधन नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय अब मैं सड़कों की बात करना चाहूंगा। जब बरसात आती है या टयूबवैल का पानी आता है तो फैक्ट्रीयों का पानी आ जाता है तो सड़कें टूट जाती हैं जिससे लोगों का आना–जाना मु कल हो जाता है और गड्ढों में पानी भर जाता हैं मक्खी मम्छरों से बीमारियां फैलने का हर वक्त भय बना रहता है।

श्री उपाध्यक्षः बलबीर पाल जी आप जल्दी वाइंड अप करें।

श्री बलबीर पाल भााहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कुछ ज्यादा लंबी बात नहीं कहना चाहता। आपने तो मुझे बोलने के लिए टाइम दिया उसके लिए तो मैं आपका धन्यावद करता हूं।

श्री उपाध्यक्षः मै। एक दो मैम्बर्ज को और एडजैस्ट करना चाहता हूं।

श्री बलबीर पाल भााहः उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं हैल्थ के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। आप चैक करवा कर देख लें दे ा में 50 परसैंट लोग टी.बी. से पीड़ित हैं। पानीपत में जो कालोनियों में लाग बसे हुए हैं उनमें 90 परसैंट लोग टी.बी. से पीड़ित हैं। मैं यह कहना चाहता हं कि पानीपत को विकास के कायो< में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जो मजदूर हमारे लिए काम करके लाखों करोड़ रूपए देते हैं वे अगर बीमारी से पीड़ित होते हैं तो हमारा फर्ज बनता है कि हम मरीज का ध्यान रखें और इसके लिए ज्यादा से ज्यादा हैल्थ सर्विसज का प्रावधान करें। पानीपत में जो जी.टी. रोड है, वहां पर जो थाने हैं वहां अगर कोई एफ.आई.आर. दर्ज करवाने के लिए जाता है तो हा जाता है कि स्टाफ वी.आई.पी. डयूटी पर है और जब वह स्टाफ आ जातएगा तब आपकी कम्पलैंट लिखी जाएगी। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि वहां पर कुछ एक्ट्रा पुलिस की फोर्स लगा दी जाए जो कि वी.आई.पीज को रिसीव करने और सी आफ करने का काम करे ताकि हमें यह सुनने को नहीं मिले कि स्टाफ वी.आई.पी. डयूटी पर है। वहां कई बार 4–4 दिन तक हमारी एफ.आई.आर. दर्ज नहीं होती है। इस जवह से कई बार ऐसा हो जाता है कि गरीब व्यक्ित्त के साथ इंसाफ नहीं हो पाता।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 10 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है, जी।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है बैठक का समय 10 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनराम्भ)

श्री बलबीर पाल भााहः उपाध्क्ष महोदय, ये जितने भी मामले हैं ये सारे वित्त सं संबंधित हैं और जब तक वित्त नहीं होगा तो कोई भी काम सिरे चढ.ने वाला नहीं हैं उपाध्क्ष महोदय मैं अतं में एक बात ओर कहना चाहता हूं कि पानीपत में तीन चीजों की कमी है। एक तो वहां लड़कियों का कालेज नहीं है दूसरा वहां बाईपास नहीं है और तीसरा वहां बिजली का तामझाम बिगड़ा हुआ है ंवहां बिजली की तारें नीचे लटकी हुई हैं जिनसे करंट लगने से काफी लोगों की मृत्यु हो चुकी है तथा उनके बिजली विभाग से किसी किस्म का मुआवजा भी नहीं मिला है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त पानीपत अस्पताल में प्रावइेट वार्डज और कुछ कमरों की हालत ठीक नहीं है इसलिए वहां भी सुविधाएं बढ़ा दी जाएं। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आकपा धन्यवाद करत हूं। (विघ्न)

श्री देवराज दीवान (सोनीपत): मान्यवर उपाध्यक्ष महोदय आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह जी द्वारा प्रस्तुत बजट पर बोलने के लिए मुझे समय दिया। माननीय

वित मंत्री महोदय ने दिनांक 13.3.2002 को हाउस में बजट प्रस्तुत करके एक मिसाल कायम की है। मुझे समझ नहीं आता कि विपक्षी साथी इसमें नुक्स कहं से ढूंढते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, बजट में कहीं कोई कमी नजर नहीं आती है। यह बजट गरीबों के लिए, मजदूरों के लिए, किसानों के लिए, मेरे कहने का मतलब यह है कि हर वर्ग के लिए यह विकास ाील बजट है और मैं इसके समथ्रन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं इतने अच्छे बजट के लिए माननीय वित मंत्री महोदय का हार्दिक धन्यावाद करता हूं तथा इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय भी बधाई के पात्र हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सर्व प्रथम मैं राज्य की जीवन रेखा कही जाने वाली एस.वाई.एल. परियोजना का जिक्र करना चाहूंगा। माननी उच्च न्यालय के फैसले ने यह सिद्ध कर दिया है कि हमारे मुख्यमंत्री महोदय और वर्तमान सरकार ने इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। आ ाा ही नहीं मुझे पूर्ण वि वास है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय को निर्धारित अवधि में लागू करवाने सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। किसानों, मेहनतक ाों और गरीबों के मसीहा चौधरी देवीलालजी ने अपने भाासनकाल के दौरान खुले दरबार लगाकर जनता की समस्याओं को तत्कालन मौके पर ही समााान कर दे ा और प्रदे ा को एक नया रास्ता दिखाया था। उसी परम्परा को कायम रखते हुए वर्तमान मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने लोगों की समस्याओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करनके लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम प्रदे ा की नता को

प्रदान किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी खुला दरबार लगा कर खुद ही लोगों के बीच जाते हैं और उनकी समस्याओं का समााान मौके पर ही करवाते हैं उनके इस प्रयास से प्रदे ा दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा हैं क्योंकि हरियाणा के विकास कार्यों को इससे बहुत अधिक गति मिली हैं प्रदे ा के`ती से विकास के लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जिसके लिए माानीय मुख्यमंत्री आदरणीय चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी बधाई के पात्र हैं। सरकार आपके द्वार कार्क्रम के अंतर्गत हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने मेरे हल्के सोनीपत भी 3–6–2001 को खुला दरबार आायोजत किया था और लोगों की समस्याएं सुनी थी। उस दरबार में मुख्यमंत्री ने मौके पर ही 7 करोडत्र रूपए की लागत से विकास के काम करवाने के आदे ा दिए थे। आज विपक्ष के भाई कहते हैं कि कवास के काम नहीं हो रहे हैं। मै। अपने विपक्ष के साथियों को कहना चाहतां हूं कि यदि इन्होंने विकास के कार्य देखने हैं तो वे सोनीपत आकर देखें। उपाध्यक्ष महोदय,. जब से चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री बने हैं तब से सोनीपत जिले की कायाकल्प हो गई है। आप लोगों ने सोनीपत भाहर के पहले भी देखा होगा और अब भी आप जाकर देख लें तो पता चल जाएगा कि विकास के काम कैसे होते हैं। जिन लोगों ने सोनीपत भाहर को पहले देखा होगा और अब वे उसे जाकर देखेंगे तो वे सोंचंगे कि वे सोनीपत में नहीं बल्कि चंडीगढ़ में हैं। मैं जो बात बता रहा हूं वह किए गए कार्यों के बारे में ही बता रहा हूं। मैं केवल मुख्यमंत्री जी की प्र ांसा के

लिए ही नहीं कह रहा बल्कि जो विकास के कार्य असलियत में हुए हैं वे ही बता रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इस के साथ ही मैं यह भी बताना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जी खुले दरदार में जो योजनाएं मंजूर करके आए थे उनमें से आज तकरीबन 80 प्रति ात योजनाओं पर काम हो चुका हैं बाकी जो काम बचे हैं उनकी भी मैं एक लिस्ट बना कर भेज दूंगा। उपाध्यक्ष महोदय यहां पर बलबीर पाल भााह जी भी बजट पर बोलते हुए सड़कों के बारे में कुछ कह रह`थे। इस बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि सोनीपत भाहर की कोई भी मेन सड़क हो वे सभी को सभी नई बनाई गई हैं। चाहे सोनीपत से रोहतक जाने वाली सड़क हो, चाहे सोनीपत से गोहाना जोने वाली सड़क, चाहे सोनीपत से मेरठ जाने वाली सड़क हो और चाहे सोनीपत से चंडीगढ़ जाने वाली सड़क हो। सभी की सभी सड़कें बहुत अच्छी तरह से बनाई गई हैं ये सभी सड़कें भााानदार बनी हैं कि इतनी भााानदार सड़कं सेनीपत में आज से पहले कभी नहीं बनी थी। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय साथ ही साथ मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि भाहर की जो अंदर की छोटी सड़कें हैं, चाहे वे सैक्टरों की हों या कालेानीज की उनको भी तुरंत ठक करवाया जाए ताकि लोगों का आने जाने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हों। वैसे तो मुख्यमंत्री जी ने सभी सड़कों को बनए जाने का वायदा किया है और कहा है कि इनको भी जल्दी ही बनवा दिया जाएगा। जैसे ही ये छोटी सड़कें भी नई बन जाएंगी तो फिर सोनीपत भाहर की कोई ऐसी सड़क नहीं

होगी जो नई नहीं बनी हो। इन छोटी सड़कों के बन जाने के बाद फिर लोग कहेंगे कि सोनीपत भाहर चमक गया है। इसके बाद लोग सोनीपत का मुकाबला चंडीगढ़ से कर सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली सं संबंधित एक बात कहना चाहता हूं। मैं अपने विपक्ष के साथियों से पूछना चाहता हूं कि क्या इनको नहीं पता कि पहले कितने घंटे बिजली आती थी और अब कितने घंटे बिजली आ रही है। क्या इनको कोई फर्क नजर नहीं आता। मैंने आप लोगों की सरकार के भी काम देखे हैं। मैं तो केवल वही सच्चाई कह रहा हूं जो मेरे साथ बीत रही है। अध्यक्ष महोदय, जब पीछे चौधरी बंसीलाल जी डेढ़ दो साल मुख्यमंत्री थे तो उस वक्त भी उनके साथ था। जब भी में कहता कि अपने सोनीपत हलके के विकास का वायदा किया हुआ था तो उसको पूरा करें। मैं कहता था कि मैने इसी बात पर आपक साथ दिया है कि आप सोनीपत जिले का विकास करेंगे। उस वक्त बंसीलाल जी कहते कि इब की बार पैसा आएगा इब की बार करवाउंगा। चौधरीी बंसीलाल जी ने डेढ़ साल के अंदर सोनीपत में एक भी पैसा नहीं लगाया। अब इस सरकार को बने हुए केवल दो साल हुए हैं और इन दो सालों में सोनीपत में इतने विकास कार्य हुए हैं जो पिछले 50 सालों में भी नहीं हुए थे।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो सदन का समय पांच मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय पांच मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय 5 मिनट की बात मत करो, मुझे बोलने दो, आप टाइम की बात मत करो, मुझे 5 मिनट लगे या 10 मिनट लगे, मुझे बोलने दो।

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारंभ)

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मेरे हलके हलके में 25 गांव हैं, भाहर के 31 वार्डज हैं और दो सैक्टर हैं, इनमें कोई जगह ऐसी नहीं है जहां विकास का कोई काम नहीं चल रहा हो। कोई ऐसी जगह नहीं है कोई ऐसा गांव नहीं है, जहां विकास के काम नहीं हुए हों। गांव का हर आदमी यह मानता है कि विकास हुआ है तो अब की बार हुआ है। बल्कि बुजुर्ग तो यहां तक कहते हैं कि भाई अब के तुमने मुख्यमंत्री को क्या कर दिया है तो मं उनको कहता हूं कि मुख्यमंत्री जी ने तो सभी जगह ऐसे ही काम करवाए हैं। यहां पर हमें भी विकास मिल रहा है। हर जगह विकास के कार्य हो रहे हैं मैंने मुख्यमंत्री जी को कुछ नहीं किया है। आज लोग मुख्यमंत्री जी को इतना सराहते हैं कि जिसका

जिक्र मैं नहीं कर सकता। इन्होंने सोनीपत हलके पर जितना ध्यान दिया है उससे पहले किसे ने इतना ध्यान नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय सोनीपत की कालेानियों में सीवरेज नहीं था और जो छोटे–छोटे सीवरेज थे वे भी कई सालों से बंद पड़े हुए थे। आज कई कालोनियों में करेाड़ों रूपयों का सीवरेज का काम चल रहा है। जो सीवरेज पहले बंद थे वे भी खुलवा दिए गए हैं। मुझे उम्मीद है कि जो एक –आध कालोनी रह जाएगी। उसमें भी इस प्लान में सीवरेज डल जाएगा। गुप्ता जी ये सब बातें मैं इनको नहीं आपको बता रहा हूं कि ये काम करने वाले मुख्यमंत्री हैं। अध्यक्ष महोदय मैं एक छोटी सी मिसाल देता हूं। चौ. आमप्रका ा चौटाला जी वह भाख्स हैं जिनको हम दोस्त भी बल्कि दोस्त की तरह बात करते हैं। (इस समय मेजें थपथपाई गई) हम पहले भी देख चुके हैं और हम इनको भी देख चुके हैं कि ये मुख्यमंत्री जी से कैसे बात करते थे वह भी हमने देखा हुआ हैं आज हरियाणा राज्य की जनता भी इस बात को देखती हैं। स्पीकर सर मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री को भी और मुख्यमंत्री जी को भी फिर यह रिक्वैस्ट करता हूं कि जिस कालोनी में सीवरेज डलना बाकी है उसके लिए भी जल्दी से जल्दी बजट में प्रावधान करें ताकि इस प्लान से भाहर में कहीं भी कोई सीवरेज का काम बाकी नहीं रह जाए। अध्यक्ष महोदय अब मैं पीने के पानी की बात करता हूं। मेरे हलके सोनीपत में कई करोड़ों रूपए की लागत से अभी एक वाटर वर्कस ट्रीटमैंट प्लांट तैयार हुआ है और भाायद 8–1 दिन में उसका उदघाटन होने वाला हैं मैं यह चाहूंगा कि

माननी वित्त मंत्री जी उस वाटर प्लांट का जो थोड़ा बहुत काम रह गया है उसे भी पूरा करवाया जाए। वैसे वह प्लांट बिल्कुल तैयार है। स्पीकर सर, इसी प्रकार से खेतों में पानी की थोड़ी बहुत समस्या तो है। मेरे हल्के के कुछ गांवों में जहां छोर तक पानी नहीं पहुंचता है और उनके जोहड़ भी सूखे पड़े हुए हैं और वहां पर पानी नहीं पहुंच रहा। ये गांव हैं। नैनातातरपुर, बोहला, थरिया, ठरू, उल्देदपुर, भााहजादपुर, सांदलकलां, पिनाला, खिरजपुर, माजरा, किलोडद, जाहरी, हुल्लाखेड़ी, टिटाना, माहरा, भटाना जफराबाद ओर जुआं। इन गांवां में पीने के पानी की समस्या है। मं माननीय वित्त मंत्र्ी जी से यह अनुरोध करूंगा कि वे मेरे इन गांवों के खेतों के पानी की तरफ तथा पीने के पानी की तरफ भी ध्यान देने की कृपा करें।

श्री अध्यक्षः दीवान साहब, अब आप वाइंड अप करिए।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा

(पुनराम्भ)

श्री देव राज दीवानः अध्यक्ष महोदय,. मैं अपनी कुछ बातें लिखकर दे दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि चाहे बिजली का मामला हो, सिचाई का मामला हो, पानी का माला हो, वह चाहे पीने के पानी का हो या सिंचाई का पानी हो, उस बारे में यह जो 36 पेज का बजट पे ा किया गया है, इसमें कहीं पर कोई भी कमी नहीं है। मैं इस बजट का समर्थन करता हूं और वित्त मंत्री जी को तथा मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसी के साथ अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया और मुझे सुना इसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करता हूं। जय हिंद

श्री अध्यक्षः राव नरेंद्र सिंह जी आप बोलें, आपको बोलने के लिए पांच मिनट का समय दिया जाता है। आप भीघ्रता से अपनी बात पूरी करें।

राव नरेंद्र सिंह (अटेली): स्पीकर सर, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय माननीय वित मंत्री जी ने इस वर्श का जो बजट सदन में पे ा किया है उसमें लगभग 200 करोड़ रूपए का घाटा अनुमानित दिखाया गया है। अध्यक्ष महोदय पिछले वर्शों के बजटों को देखते हुए मैं यह बात नि चत तौर पर कह सकता हूं कि यह जो 200

करोड़ का घाटा दिखाया गया है यह इससे भी ज्यादा जाने की संभावना है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर पिछले वर्श वाटर सप्लाई का अनुमान 3.27 प्रति ात था। इस बार उसको घटाकर 3 प्रति ात ही कर दिया गया है। इसी तरह से सो ाल वैल्फेयर के लिए 3.38 प्रति ात पिछले वर्श दिखाया गया था ओर इस वर्श उसको घटाकर 3 प्रति ात कर दिया गया है। इसके अलावा पावर , पुलिस और इरिगे ान के अंदर भारी कटौती की गई हैं। मै। नहीं समझ पा रहा हूं कि इतनी कटौती करने के बाद सरकार यह जो कर रही है कि हम हरियाणा के विकास के काम करवाएंगे और हरियाणा को अधिक बिजली देंगे यह कैसे होगा। अब की बार बजट में बिजली के अंदर भारी कटौती की गई है। स्पीकर साहब जहां बिजली के लिए पिछली बार 487 करोड़ रूपए अलाट किए गए थे वहां अब की बार केवल 166.56 करोड़ रूप्ए का ही प्रावधान किया गया हैं स्पीकर सर मुख्य चीजें जो कि इस बार के बजट में बिजली के बारे में द र्ाई गई है। कि 481 लाख यूनिट बिजली प्रतिदिन हरियाणा अपनी पैदा कर रहा है औरर उसमें से 247 लाख यूनिटस बिजली गांवों को दे रहा है। स्पीकर सर मैं आपके माध्यमे से सरकार को बताना चाहता हूं कि वास्तविकता में देहतों की बिजली की समस्या ज्यों की त्यों ही बनी हुई है। उपाध्यक्ष महोदय महामहिम राज्यपाल के अभिभाशण में भी यह चर्चा थी कि ग्रामीण 35 प्रति ात बिजी अधिक दी जा रही है लेकिन जब छात्रों की पढ़ाई का समय होता है, भााम को खाने का समय होता है या किसानों को जब बिजली खेत में चाहिए

होती है तो उस मोके पर बिजली नहीं होती है। अब मैं नहीं समझ पाता हूं कि बिजली कहां पर रह जाती है। आज देहतों में बिजली की बहुत कमी है। मैं सदन में यह कहना चाहूंगा कि आज आपके सर्वेक्षण के अनुसार बिजली के कम्जयूमर्ज की संख्या कम हुई है। मैं इस बारे में यह समझता हूं कि लोगों ने दुखी होकर अपने कनैक ान कटवा लिए हैं चाहें वे नलकूपों के हो, चाहें घरेलू हों और चाहे औद्योगिक हों। इलैक्ट्रोनिक मीटर्ज को लेकर भी आज हरियाणा की जनता में काफी रोश है। अगर हरियाणा की जनता उन मीटर्ज को लगवाना नहीं चाही है तो नि चत रूप से आपको उनकी नहीं लगाना चाहिए। स्पीकर सर आज दे ा को आजाद हुए 55 साल हो गए हैं लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि आज भी हरियाणा में ऐसे क्षेत्र जहां पीने का पानी भी नहीं है। आज भी ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर लोग चुनावों का बहिश्कार करते हैं। सन 2000 में जो मौजूदा चुनाव हु थे उसमें नारनौल के 25 गांवों ने चुनाव का बहिश्कार किया था क्योंकि वे कहते हैं कि हमारे पास पीने का पानी भी नहीं है। महेंद्रगढ़ के जो गांव टेल पर हैं वहं पर किसी भी गांव में नहर का पानी उपलब्ध नहीं होता है। वहां का किसान आज प्लान करन को मजबूर हैं। स्पीकर सर आप जनते हैं कि एस.वाई.एल. कैनाल के बनने से अगर सबसे ज्याद किसी जिले को पफायदा होगा तो महेंद्रगढ़ हो होना है क्योंकि वह नहर हमारी जीवन रेखा है। स्पीकर सर उनके न बनने से हमारे किसान हर मामले में और खेती में पिछड़ जाएंगे क्योंकि आप जानते हैं कि वहां पर छोटा किसान है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः आनरेब्ल मैम्बर्ज, यदि सदन की सहमति हो तो सदन का समय पांच मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है सदन का समय पांच मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनराम्भ)

राव नेंद्र सिंहः वह बैंक कर्जदार है और इस अवस्था में वह अपनी बहन या बेटी की भाादी के लिए केवल अपनी खेती पर ही निर्भर करता है। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा के अंदर जो भाखड़ा का या यमुना कैनाल का मौजदा पानी है, उसमें जिलेवाइज बराबर हिस्सा होना चाहिए। हमारी तरफ के जिलों को पानी का कम हिस्सा मिलता है। अध्यक्ष महोदय सिरसा, हिसार, फतेहाबाद, जिलों के अंदर सेम की वजह से जहां हजारों एकड़ जमीन खराब हैं वहीं हमारे इलाके के अंदर पानी नहीं मिले की वजह से हजारों एकड़ जमीन सूखी पड़ी है। जिससे किसान खेती नहीं कर पाता। मैं चाहता हूं कि इस तरफ भी ध्यान दिया जाए। इसी तहर से राजस्थान सरका ने कृश्णावती, दोहन और साहबी नदियों पर जो बांध बना रखे हैं उसमें भी हमें अपना पानी का हिस्सा मिना चाहिए। सरकार को उस सरकार से बातचीत करके यह हिस लिदवान चाहिए ताकि उस इलाके में पानी आ

सके। अध्यक्ष महोदय एस.वाई.एल. कैनाल की चर्चा बजट में जरूर है लेकिन बज में यह नहीं बताया गया कि इसको बनाने या मरम्मत के लिए कितने फंडज की जरूरत पड़ेगी। बजट में कृशि की भी चर्चा है। मैंने कालिंग अंटे ान मो ान के माध्यम से अपने इलाके के किसानों की सरसों कीफसल के नुक्सान के बारे में सरकार से पूछा था और सरकार की तरफ से चौधरी धीरपाल सिंह जी ने इसका जवाब भी दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं एक अखबार आपके पास भिजवा रहा हूं जिसमें स्पश्ट रूप से छपा हुआ दिखाया गया है कि सरसों की खड़ी पसल पर एक किसान अपना ट्रैक्टर चला रहा है क्योंकि उसकी वह फसल बर्बाद हो चुकी है। चाहे यह फसल पाले की वजह से खराब हुई हो या किसी रोग की वजह से खराब हुई हो लेकिन वहां किसान को नुक्सान जरूर हुआ है लेकिन सरकार यह बात मानने के लिए तैयार नहीं है कि वहां नुक्सान हुआ है। इसी तरह से बेरोजगारों के बारे में बजट में चर्चा की गई है। आर्थिक सहायता सर्वेक्षण के पज 85 पर आप देखेंगे कि 31 दिसम्बर 2000 तक बेरोजगारों की संख्या 785408 थी जबकि एक साल के अंदर यह संख्या घटाकर 6 लाख 62 हजार हो गई है। यह किस कारण से हुआ यह इसलिए हुआ क्योंकि मौजूदा हरियाणा सरकार ने चुनव से पहले जो वायदा किया था कि हम बेरोजगार व्यक्ति को रोजगार देंगे लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। इन्होंने इस बारे में नारा भी लगाया था कि फारेस्ट में इतने पौधे लगाओ और रोजगार पाओ। बेरोजगारों की यह संख्या नौकरी मिलने की वजह से नहीं घटी हे बल्कि यह

इसलिए घटी है कि बेरोजगार कार्यालयों के चक्कर काटते–काटते निरा ा हो गए हैं और उन्होंने वहां से अपने नाम कटवा लिए हैं।

श्री अध्यक्षः राव साहब अब आप दो मिनट में वाइंड आप करें।

राव नरेंद्र सिंहः इसी तरह से मैं सी.ए.जी. की रिपोर्ट के बारे में कहना चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः राव साहब आप केवल बजट पर बोलें।

राव नरेंद्र सिंहः स्पीकर सर

श्री अध्यक्षः अब यह जो भी सी.ए.जी. की रिपोर्ट के बारे में बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

राव नरेंद्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैं सरकार आपके द्वार कार्यकम के बारे में भी कहना चाहूंगा। इस कार्यकम को जो मुख्य मंत्री जी चला रहे हैं वह अच्छी बात है। वे स्टेट के मालिक हैं हाउस के लीडर हैं इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं। लेकिन हमारी आपत्ति इस बात की है कि साका का और पार्टी का आपस में मिलान न करें। अध्यक्ष महोदय पहले भी कई सरकारें आई लेकिन कभी किसी सरकार के समय ऐसा नहीं हुआ कि सरकार की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चैक्स बांटे हों लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि जो मौजूदा सरकार है उसकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चैक्स बांटे हैं। उदघाटन किए

हैं। हम जानना चाहते हैं कि उन्होंने ऐसा किस हैसियत से किया है। अध्यक्ष महोदय मैं आपको इस बारे अखबार दिखा सकता हूं।

Mr. Speaker: Rao Narender Ji please take your seat. Hon'ble Members.

Now the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow the 19 th March 2002.

(The Saha Then Adjourned till 9.30 A.M on Tuesday the 19 the March 2002)